डा. किरोड़ीलाल द्वारा जनहित में किए गये आन्दोलनों की सूची।

(1980 से लेकर 2021 तक)

पार्टी के आदेश पर डा. किरोडीलाल डाक्टरी की सरकारी नौकरी छोड़कर सक्रिय राजनीति में उतर आये। उन्होने 1980 में पहला चुनाव महवा से लड़ा जहां साजिश रचकर उन्हें 16 मतों से चुनाव हरा दिया। इसके बाद 1980 से ही जनता के मध्य रहकर उनकी सक्रिय रूप से सेवा करने में जुट गये। राजनीति सेवा का बहुत बड़ा जरिया है इस दृष्टि से जनता की समस्याओं को लेकर सतत् संघर्ष करते रहे। ''संघर्ष ही जीवन'' है के ध्येय वाक्य को लेकर समर्पित भाव से जनता की निष्ठापूर्वक सेवा करने लग गये। जनहित के लिए अनगिनत जन समर्थित आन्दोलन कर जनता को बड़ी–बड़ी राहत दिलाई। आन्दोलनों को कुचलने के लिए सरकारों ने राजनैतिक द्वैषभाव से कई बार लाठीचार्ज किया, कई बार गिरफ्तार कर जेलों में डाल दिया तथा मनोबल तोड़ने एवं परेशान करने की दृष्टि से अनेको मनगढन्त मुकदमें डा. किरोड़ी लाल एवं उनके समर्थकों के विरूद्ध लगा दिए गये जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैः–

क्र.स.	वर्ष	थ्पसम का नाम
1प	23.5.1980	बौल (तहसील टोडाभीम) में समाज कंटको द्वारा लोगों पर प्राणघातक हमला करने के कारण 32 लोग जख्मी हो गये। समाज कंटकों की गिरफ्तारी के लिए तहसील टोडाभीम मुख्यालय पर 7 मई 1980 को धरना दिया गया।
2प	अगस्त 1980	**रोडवेज के बढे किराये को लेकर आन्दोलनः**–राज्य में रोडवेज के बढे किराये को लेकर महवा में अगस्त 1980 में रास्ता रोको आन्दोलन किया इसे लेकर सीआरपीसी धारा 151 के तहत गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया।
3प	मई 1981	विभिन्न समस्याओं को लेकर सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ हिण्डौन उपखण्ड अधिकारी के कार्यालय पर धरना दिया।
4प	जून 1981	1981 में पुलिस ज्यादातियों को लेकर महवा बन्द किया तथा तहसील कार्यालय पर प्रदर्शन कर सैकड़ों लोगों के साथ धरना दिया गया।
5प	जुलाई 1982	**रेल रोको आन्दोलनः**– मण्डावर में रेल के जवचंहम हेतु रेल रोको आन्दोलन किया गया। – **दो बार**
6प	मार्च 1982	जिले में कानून की खराब स्थिति एवं बिजली की मांग को लेकर सैकड़ों लोगों के साथ सवाईमाधोपुर मुख्यालय पर धरना दिया गया।
7प	अप्रेल 1982	**जिला बनाने की मांगः**–1982 में दौसा को जिला बनाने की मांग को लेकर महवा में रास्ता रोको आन्दोलन किया गया। इस आन्दोलन के दौरान डा. किरोड़ीलाल सहित 14 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। – **दो बार**
8प	फरवरी 1983	महवा क्षेत्र की विभिन्न जन समस्याओं को लेकर सैकड़ों लोगों के साथ धरना दिया गया।
9प	अक्टूबर 1983	**बढती महंगाई को लेकर आन्दोलनः**– महंगाई के विरोध में महवा में चक्का जाम एवं गिरफ्तारी।
10प	नवम्बर 1983	**पुलिस की लूटः**–दिनांक 8.11.1983 को ग्राम करीरी गाजीपुर (तहसील टोडाभीम) के कुछ काश्तकार ऊँटगाडियों से अपना अनाज हिण्डौनसिटी मण्डी में बैचने जा रहे थे उसी समय एक ट्रक ने बडागांव के पास ऊँटगाडियों में टक्कर मार दी जिससे श्री फाबूल्या एवं श्री शम्भू की मौके पर ही मौत हो गई तथा अन्य अनेक लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। थाना सलेमपुर के तत्कालीन थानेदार **श्री तिलकसिंह यादव व उसके स्टाफ ने घायलों की जेब से 1235/– रूपये निकाल लिये।** दोषी पुलिसकर्मियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के लिए महवा–हिण्डौन सड़क मार्ग जाम किया गया, थानेदार के निलम्बन के बाद रास्ता खोल दिया गया।
11प	मार्च 1984	बिगडती हुई कानून की स्थिति को लेकर महवा में एक आन्दोलन किया गया बाजार बन्द कराने के कारण एवं मनगढंत झूंठा मुकदमा दर्ज कराया गया।
12प	सितम्बर 1984	महवा एवं टोडाभीम क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर सम्बन्धित तहसील मुख्यालय पर धरने दिये गये।
13प	सितम्बर 1984	पुलिस के भ्रष्टाचार के विरूद्ध महवा में धरना दिया।
14प	**सितम्बर 1984**	**हीराबाई बलात्कार एवं हत्याकांडः– दिनांक 12.9.1984 को मण्डी मण्डावर में हीराबाई नाम की**

		8 वर्षीया अबोध बालिका के साथ 25 वर्षीय रामजीलाल सैनी नाम के युवक द्वारा बलात्कार कर उसे एक कमरे में गाड दिया। इसको लेकर मण्डावर थाने पर उग्र प्रदर्शन कर दो दिवसीय धरना दिया गया जिसके बाद अपराधी को गिरफ्तार कर लिया।
15ण	अक्टूबर 1984	दौसा को जिला बनाने का आन्दोलन महवा में आन्दोलन किया।
16ण	नवम्बर 1984	समाज कंटको के खिलाफ कार्यवाही को लेकर हिण्डौन में आन्दोलन।
17ण	नवम्बर 1984	भ्रष्टाचार से निजात दिलाने के लिए महवा में विशाल धरना।
18ण	दिसम्बर 1984	**दौसा को जिला बनाने के लिए आन्दोलनः**–1984 में सिकन्दरा (दौसा) चौराहे पर दौसा को जिला बनाने के लिए बडा आन्दोलन किया राजस्थान के मुख्यमंत्री शिवचरण माथुर भी जाम में फस गये घण्टों वह मानपुर थाने पर बैठे रहे उनके निर्देश पर ही पुलिस ने बर्बरलाठी चार्ज कर दर्जनों कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। फिर दूसरे दिन उन सभी कार्यकर्ताओं को छुडाने के लिए दौसा उपखण्ड अधिकारी का घेराव किया और जब तक छोडा नहीं तब तक घेराव रखा, सभी को छोडने के बाद आन्दोलन समाप्त रि दिया। **2 बार**
19ण	दिसम्बर 1984	**जंगलों के विनाश को रोकने के लिए आन्दोलनः–** महवा एवं सिकराय के जंगलात से पुलिस व वन विभाग महवा के अधिकारी/कर्मचारी संयुक्त रूप से मिलकर गीली लकडियों को कटवाकर ट्रकों के द्वारा क्षेत्र से पार करवाकर मेरठ, आगरा ले जाकर बिकवाते थे। हरे वृक्षों की कटाई कर ले जाते हुए ट्रकों को पकड़कर महवा थाने पर जप्त करवाये तथा दो दिन तक धरना दिया जब जाकर कटाई रूकी।
20ण	1984	क्षेत्र में बिगडती बिजली एवं कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में आन्दोलन। स्थानीय पुलिस ने चिढकर हमारे खिलाफ यह मुकदमा दर्ज किया।
21ण	1985	**कुलदीप नीमरौट हत्याकांडः**– तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री हरदेव जोशी के पुत्र श्री दिनेश जोशी द्वारा भारी रिश्वत लेकर एक आर.ए.एस. अधिकारी श्री कुलदीप नीमरोट के साथ साजिश पूर्ण तरीके से सडक दुर्घटना करवा दी। जिसमें श्री नीमरोट की मौके पर ही मृत्यु हो गई। इस प्रकरण को मैने विधानसभा एवं सडकों पर आन्दोलन। इस प्रकरण को विधानसभा में नही उठाया जाए ऐसा तत्कालीन प्रतिपक्ष के नेता श्री भैरोसिंह शेखावत द्वारा मुझसे कहा गया। किन्तु सच्चाई कि आवाज नही दबे इस दृष्टि से यह मामला मैने सदन में उठाया तथा सड़को पर उतरा जिससे खिन्न होकर तत्समय भैरोसिंह जी ने नेता प्रतिपक्ष के पद से स्तीफा तक दे दिया था। बडे आग्रह के बाद स्तीफा वापस लिया । नीमरोट हत्याकाण्ड प्रकरण विधानसभा में उठाये जाने के बाद में अन्ततोगत्वा तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री हरदेव जोशी को हटा दिया गया। इससे चिढकर मा. मु. मं. श्री हरिदेव जोशी के पुत्र दिनेश जोशी ने बांसवाडा कोर्ट में एक मुकदमा दिनेश पुत्र श्री हरदेव जोशी बनाम कमला/किरोडीलाल (कुलदीप नीमरोट काण्ड) दर्ज करवा दिया। **दो बार**
22ण	**1985**	**मण्डावर– बकरा–बकरी चोरी एवं रिश्वत कांडः– महवा–मण्डावर थाना (जिला सवाईमाधोपुर) पर श्री भैरोसिंह शेखावत के नेतृत्व में 24 विधायकों का ऐतिहासिक धरनाः–** मैं 1985 में महवा से विधायक था। एक गरीब (रामसिंह कलाल निवासी मण्डावर) मेरे पास आया और कहा कि मेरे बकरे एवं बकरी को चोर ले गये। मेरी आजीविका उन्ही पर आधारित थी। चोर का भी पता है किन्तु पुलिस उन्हें पकड़ नही रही। मैंने मण्डावर के थानेदार को उस गरीब के बकरा–बकरी बरामद करने के लिए फोन कर तीन दिन का समय दिया। 3–4 दिन बाद वह गरीब कलाल मेरे पास आया और कहने लगा कि आपके टेलीफोन से तो उल्टा असर हो गया। मैने कहा क्या हुआ? उसने कहा थानेदार जी ने बकरा–बकरी बरामद तो कर लिए किन्तु बकरे को थाने वाले काटकर

		खा गये और बकरी उल्टी चारों को ही पकड़ा दी चोर मीणा था। यह सुनकर मैं अचंभित होकर आवेश में आ गया और 5–6 कार्यकर्ताओं को लेकर मण्डावर थाने पर जा धमका। मैं तो उस समय बहुत ही अनाड़ी था। मैने थानेदार को कहा कि इसके बकरा–बकरी की कीमत 2800 रूपये दो। अगर इसके बकरा–बकरी की कीमत नही दी तो आप जानते हो मैं डाक्टर हूँ, पेट चीरकर बकरे को निकाल लूंगा। थानेदार जी ने कहा शोर मत करो 2–3 घंटे का इंतजार करो। पैसे दे देंगे। मैं 5–6 लोगों को लेकर रात्रि के करीबन 10.00 बजे पुनः थाने पर पहुंचा। वहां अजीबो गरीब दृश्य देखा पुलिस ने रूपये देने की बजाय हम पर गोलियों की बौछार चालू कर दी। हम भगवान का नाम लेकर वही डटे रहे उनका मुकाबला किया। सोचा अगर इस बुराई को मिटाने की लड़ाई नहीं लड़ी और पीठ दिखाकर भाग गये तो गरीब के साथ धोखा होगा और ईश्वर हमें कभी भी माफ नहीं करेगा। हम सभी वहीं डटकर पुलिस से जूझते रहे और अन्ततोगत्वा पुलिस को उल्टे पैर लौटने को मजबूर कर दिया। बन्दूक की गोलियां मौत बनकर कई बार सायं–सायं करती हुई एकदम कानों के पास होकर निकली, ईश्वर ने साक्षात् मौत से मुझे बचा लिया और हम में से किसी को भी चोट नहीं आयी। ये सच है कि ''जाको राखे साइयां मार सके न कोय'' वाल कहावत हो गई। यह घटना सर्वविदित है। मा0 भैरोसिंह जी हमारे प्रतिपक्ष के नेता थे जिन्होने मुझे उस समय कहा था कि तुममें क्षमताएं बहुत है मैने तुम्हारी उंगली पकड़ली है इसे छोडना मत ऊंचाइयों तक पहुंचा दूंगा। किन्तु मेरा दुर्भाग्य था कि वह उंगली मेरी लापरवाही से छूट गई और मैं गुरू की उस अवज्ञा का परिणाम आज भी भुगत रहा हूँ। ऊंचाई तो दूर पैंदा भी नही मिल रहा है। इसका मुझे भारी अफसोस है। तत्समय दूसरे दिन यह घटना सुनते ही माननीय भैरोसिंह जी 24 विधायको को लेकर मण्डावर (जिला सवाईमाधोपुर) थाने पर बस भरकर पहुंच गये थाने पर ही धरना दे दिया। वसुन्धरा जी भी उस समय धौलपुर से विधायक थी। किन्तु किसी कारण से वह नहीं पहुंच पाई। 24 घण्टे अनवरत थाने के अन्दर धरना रहा। माननीय विधायको ने होली भी नहीं मनाई। पूरे थाने को नेचमदक करवाकर ही वहां से उठे। पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर सवाईमाधोपुर को भी हटाये जाने के आश्वासन के बाद धरना हटा। उस गरीब को 2800 रूपये दिलवाये। यह क्या था? इस्तीफे पर विपरीत प्रतिक्रिया देने वाले नैतिकता का पाठ पढाने वाले इस बारे में कुछ कहना चाहेंगे ? यह रामसिंह कलाल किस जाति का था। ऐसे गंभीर प्रकरण पर जान की बाजी लगाकर गरीब की मद्द की, उसकी समस्या का समय पर समाधान कराने का सौभाग्य मुझे मिला। सेवा, कर्त्तव्य, निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य कर उसकी सेवा की जिससे मैने मेरे जीवन को सार्थक बना लिया।
23प	फरवरी 1985	**गायों की मौत**:–बामनवास में गायों की मौत को लेकर धरना एवं **दो दिवसीय** अनशन।
24प	जून 1985	**विधायक का अत्याचारः–** 1985 के चुनाव परिणामों में कांग्रेसी उम्मीदवार पचा नही पाये और महवा के हरिजनों की झौपडी में आग लगवाकर हमारे लोगों को झूंठे मुकदमें में फंसा दिया। निर्दोष लोगों को बचाने के लिए हिण्डौन में धरना दिया।
25प	1986	दिल्ली में गिरफ्तारी को लेकर मुझे एवं अन्य 5 साथियों को गिरफ्तार कर दिल्ली तिहाड जेल में डाल दिया था, हमे 5 दिन तक तिहाड जेल में रखने के बाद रिहा किया।
26प	जनवरी 1986	मेहन्दीपुर बालाजी (जिला दौसा) में वन विभाग की स्थानीय निवासियों को रिहायशी मकान, दुकान एवं धर्मशाला की जमीन बताकर खुर्द बुर्द करने पर आन्दोलन।
27प	फरवरी 1986	शराब बन्दी के कारोबार को लेकर श्री गुरूशरण छाबडा की अगुवाई में जयपुर कमिश्नरेट में धरना। – **दो बार**
28प	जनवरी 1986	**डकैतों के खिलाफ आन्दोलन**:– खण्डार के छाण में डकैतो द्वारा व्यापारियों को धमकाने/व्यापारियों से अवैध वसूली करने पर सवाईमाधोपुर में धरना।
29प	अक्टूबर 1986	**डकैत अत्याचार**:– छाण गांव में डकैतों के अत्याचार को लेकर धरना।
30प	फरवरी 1986	**बहरावंडा कांड को लेकर आन्दोलन**:–बहरावण्डा के एक युवक को डकैत अपहरण करके ले गये और फिरौती की रकम मांगने लगे। आन्दोलन कर उसे डकैतो से मुक्त कराया।

31प	मार्च 1986	**बस–जीप काण्ड बाण गंगा नदी पर महवा में आन्दोलनः**–एक रोडवेज बस के ड्राईवर की लापरवाही से इतना जबरदस्त एक्सीडेन्ट हुआ कि मौके पर चार लोगों की मौत हो गई इसमें कांग्रेस के नेता श्री रामस्वरूप उकडून मौत के मुहॅ में समा गये। पीडितों के परिवार को आर्थिक पैकेज दिलाने के लिए आन्दोलन किया गया।
32प	अप्रेल 1986	**करौली के कटकड मोड पर गोलीकाण्ड को लेकर आन्दोलनः**– गंगापुर के कैलाश मीणा हत्याकाण्ड को लेकर कटकड ;करौलीद्ध मोड पर जनता विरोध स्वरूप लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन कर रही थी किन्तु पुलिस ने प्रदर्शन कारियों पर बिना चेतावनी अंधा–धुन्ध गोलियां चलाई जिससे केदार मीणा की जांघ में गोली लगने से घायल हो गया। केदार के साथ कटकड के कई युवक भी घायल हो गये। केदार एवं उसके साथी दौसा कॉलेज में अध्ययनरत थे। कटकड मोड पर की गई फायरिंग के मामले को लेकर डा. किरोड़ीलाल ने जनता को साथ लेकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर करौली का दिन भर घेराव कर दोषी पुलिस कमिर्यो के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करवाने की मांग की। दोषी पुलिसकर्मियों के निलम्बन के बाद आन्दोलन वापस ले लिया।
33प	जुलाई 1986	**भेड़ भगाओं–वन बचाओं आन्दोलनः–** राजस्थान के मारवाड से बर्षातकाल में प्रतिवर्ष हजारो की संख्या में भेड एवं उॅट करौली, सवाईमाधोपुर में चराई के लिए प्रवेश कर जाते हैं। ये सभी पशुधन जंगल को बुरी तरह से तबाह कर देते थे। वन उपज की तबाही को रोककर वन एवं पर्यावरण को बचाने की दृष्टि से डा. किरोडीलाल ने डांग के लोगों को साथ लेकर भेड भगाओ डांग बचाओं आन्दोलन किया जिसके लिए करीबन एक महीने तक अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय करौली में धरना दिया गया।
34प	अगस्त 1986	**कार्यकर्ताओं का दमनः**– बून्दी के नैनवा में कार्यकर्ताओं पर प्रशासन आये दिन अत्याचार करता जिसके विरोध में नैनवा में धरना।
35प	मई 1986	**ट्रैक्टर चोरी प्रकरणः**– हुडला सरपंच के ट्रैक्टर की बरामदगी के लिए हिण्डौन वृताधिकारी कार्यालय पर धरना।
36प	जून 1986	**जमीन हड़पनाः**– करौली के डांक बंगले से सटी महत्वपूर्ण जमीन पर सत्ताधारियों के कब्जे को अति. जिला कलेक्टर करौली तथा संभागीय आयुक्त का घेराव करके धरना दिया।
37प	1986	**कालीसिल बांध का पानी छुडवानाः**– कालीसिल बांध से सिंचाई हेतु पानी छोडे जाने के लिए सपोटरा में आन्दोलन किया। फसल सूखने लगी थी। सत्ताधारी एवं प्रशासन ने नहीं सुनी तो मैने स्वयं ने जनता को साथ लेकर बांध का पानी पुलिस प्रशासन की भारी संख्या के बीच भी सिंचाई हेतु खोल दिया।
38प	1986	कानून की बेकार स्थिति पर हिण्डौन में धरना।
39प	1986	**बाछरैन (भरतपुर)** में एक सेठ के डकैती हो गई थी पुलिस ने कोई कार्यवाही नही की मैने थाने पर रातभर धरना दिया तो मुल्जिम पकडा गया तथा डकैती का माल बरामद हो सका।
40प	1986	**शिव पंचायत हेतुः**– करौली पुरानी कलेक्ट्रेट परिसर में शिव पंचायत बचाओं आन्दोलन किया
41प	21.4.1987	**रणथम्भौर जमीन प्रकरण को लेकर आन्दोलनः**– थमसक क्पतमबजवत श्री फतेह सिंह ने नेशनल पार्क में वन विभाग की जमीन को हेराफेरी कर अपने नाम करा लिया। उसको लेकर 21.4. 1987 को सवाईमाधोपुर कलेक्ट्रेट पर विशाल धरना दिया गया।

42ण	1987	**मुक्ति जाटव को दिलाई नरक से मुक्ति**: वर्ष 1987 की बात है। उस रोज कृष्ण जन्माष्टमी थी। महवा से तत्कालीन विधायक और अब राज्यसभा सदस्य के रूप में राजस्थान के कद्दावर नेता के रूप पहचान बनाने वाले डॉण किरोड़ीलाल मीणा मदनमोहन जी के दरबार में मत्था टेकने के लिए करौली गए थे। लेकिन इससे पहले कि वे दर्शन कर अपना उपवास खोल पातेए दद्दू के नाम से चर्चित भाजपा के बुजुर्ग नेता पुरुषोत्तम ने उन्हें डांग में स्थित मासलपुर की ओर रुख करने पर विवश कर दिया। एक बार तो खुद डॉण मीणा को दद्दू की बात पर भरोसा नहीं हुआ। परन्तु जिस आत्मविश्वास से दद्दू ने बात रखीए न सिर्फ़ मानने को विवश हुए बल्कि दद्दू और तत्समय नवभारत टाइम्स के करौली स्थित संवाददाता नरेन्द्र चतुर्वेदी को साथ लेकर रात को ही मासलपुर पुलिस थाने की ओर चल पड़े। रात के तकरीबन एक बजे होंगे। थानेदार को जगाया। मुक्ति बैरवा नामक युवती के बारे में पूछा। थानेदार नाहरमल मीणा ने इस नाम की किसी भी युवती के हिरासत में होने से साफ इंकार कर दिया। मन हुआ कि लौट चलेंए तभी भीतर से आवाज आई कि जनसंघ से जुडे दद्दू की बात झूठी नहीं हो सकती। फैसला किया कि चाहे गोलियां ही क्यों न चल जाएंए वह थाने के चप्पे.चप्पे को खंगाले बगैर किसी भी सूरत में वापस नहीं लौटेंगे। टॉर्च के सहारे डॉण मीणा थाने के सर्च में पिल पड़े। अचानक एक अंधेरी कोठरी से किसी नारी की सिसकियों की आवाज सुनकर डॉण मीणा और उनके साथियों के कदम थम गए। गेट खोला तो कोठरी में नेत्रों से झरती अश्रुधारा को बार बार अपने पल्लू से पौंछती एक युवती और उसके बहुत करीब बैठा एक युवक दिखाई दिया। डॉण मीणा के यह पूछते ही कि तुम कौन होए युवती दहाडें मारकर रोती हुई पैरों में अपनी 2 साल की बेटी को डालकर बाल नौंचती हुई फरियाद कर गुहार करने लगी मुझे बचा लो। ये हत्यारा थानेदार की सह से मुझे हवश का शिकार बना दिया है इसने ही मेरे पति को मारा है मेरे जीवन को बर्वाद कर दिया है, इसे मिटा दो। उसने जो दर्द.ए.दांस्ता सुनाईए उसे सुनकर खुद किरोड़ी की आंखें नम हो गईं। हिचकियों के थपेड़ों के बीच वह बोलीःसाब जी। मेरा नाम मुक्ति है। मैं बैरवा हूं। थानेदार ने मुझे पांच दिन से इस व्यक्ति की हवश का शिकार बना रखा है। इस दरिंदे ने मेरे पति को न सिर्फ़ मौत के घाट उतारा बल्कि उसके शव को लावारिस बता पुलिस की मिलीभगत फूंक पजार भी दिया है।ः कहकर मुक्ति का गला रुंध गया। वह अपनी दर्द से भरी कहानी को फरिश्ते बनकर आए डॉण मीणा की झोली में उंडेल देना चाहती थी लेकिन अज्ञात भय शब्दों को बंधक बनाए बैठा था। डॉण किरोड़ी ने ढांढस बंधाते हुए ज्योंहि मुक्ति के सिर पर हाथ रखाए अंधेरी कोठरी में भी मुक्ति को न्याय की किरणें दिखाई देने लगीं। उसके बाद उसने जो आपबीती बयां कीए सुनकर खुद किरोड़ी सिर पकड़कर बैठ गए। अब मुक्ति के दिल से खौफ जाता रहा। वह बोलीःमैं ताली गांव की रहने वाली हूं। मेरा विवाह बडा गांव के मवासी से हुआ। पति की बुरी आदतों के चलते आरम्भ से ही वैवाहिक जीवन

		तनावपूर्ण रहा। इसी बीच एक बच्ची की मां बन गई। बच्ची पैदा होने पर निरतंर तानों की बौछार होने लगीं तो मैंने गांव के ही स्वजातीय कलुआ से कोर्ट मैरिज कर ली। वह सब्जी का ठेला लगाता और इस तरह हमारा ठीक से गुजारा होने लगा। किंतु मेरी जीवनभूमि पर सुख की छांव ज्यादा दिन नहीं टिकी। रक्षाबंधन से तीन दिन पहले लखमीपुर गांव का कैलाशी गुर्जर हमारे घर आया और यह कहकर कि वह कलुआ को खदानों में बढिया कमाई का काम दिलाएगाए हमें अपने गांव ले गया। वहां उसने अपने घर के एक कमरे में रखा। दूसरी रात वह कुछ लोगों के साथ कमरे में आया और सभी लोगों ने शराब की पार्टी की। उन्होंने कलुआ को भी खूब दारू पिलाई और किसी बहाने रात को कलुआ को साथ ले गए। दूसरे दिन अलस्सुबह कैलाशी तो लौट आया लेकिन उसके साथ कलुआ नहीं था। पूछा तो कैलाशी ने बताया उसे गंगापुर पुलिस पकड़ कर ले गई है। यही झांसा देकर कैलाशी उसे गंगापुर ले गया और वहां एक कमरे में उसके साथ जबरन मुंह काला किया। बाद में करौली ले आया और एक दोस्त को बुलाकर दोनों ने एक धर्मशाला में मेरी इज्ज़त लूटी। मैं उनके चंगुल से भागना चाहती थी लेकिन जान से मारने की धमकी और पति की तलाश के कारण नहीं भाग सकी। जब मैं हर वक्त पति के बारे में पूछने लगी तो कैलाशी मुझे मासलपुर थाने में ले आया। उसने पहले तो अकेले में थानेदार से काफी देर तक बात की और बाद में थानेदार की शह पर मुझे कैलाशी के साथ इस कोठरी में बंद कर दिया। यहां इस दरिंदे ने मुझे हर रोज कई कई बार जानवरों की तरह नोंचा.खसौटा है। साब। इसे सजा दिलाए बगैर मत छोड़ना। यही है.मेरे पति का हत्यारा। थानेदार ने इससे पचास हजार रुपए की घूस खाकर सारे सबूत मिटाने की गरज से मेरे पति के शव को लावारिस बता जला दिया और मुझ पर दबाव डालते रहे कि कलुआ की हत्या का झूठा दोष जगधर नामक डकैत के माथे रखना। जब मैंने जगधर का झूठा नाम लेने से मना कर दिया तो थानेदार ने पति के हत्यारे को ही मेरा जिस्म परोस डाला। साब जी। इस थाने का पूरा स्टाफ इस दरिंदे से मिला हुआ। तभी तो मैं हर रोज चीखती.चिल्लाती और गुहार करती रही लेकिन किसी ने भी मुझ बेवश अबला के प्रति दया नहीं दिखाई।ष मुक्ति की दर्द भरी सुनकर डॉण मीणा की भृकुटि इस कदर टेढी हुई कि दूसरे रोज उनके आह्वान पर हजारों की भीड़ ने थाने को घेर लिया। खुद आईजी को मौके पर आना पड़ा। पति के अपहरणए हत्या एवं मुक्ति के साथ हुए बलात्कार को लेकर कैलाशीए पूर्व पति मवासी सहित पांच लोगों के विरुद्ध इसी थाने में मुकदमा दर्ज हुआ। सभी मुलजिमों की गिरफ्तारी हुई। लेकिन इतना ही पर्याप्त नहीं था। डॉण किरोड़ी थानेदार सहित थाने के पूरे स्टाफ को सस्पेंड करने की मांग पर अड़ गए। आखिर क्ळ ने मांगें मानीं। थानेदार को निलम्बित कर शेष पुलिसकर्मियों को लाइन का रास्ता दिखाया गया। डा. किरोड़ीलाल के साथ अब एक जबरदस्त समस्या खडी हो गई कि आखिर अब मुक्ति को किसे सुपुर्द करूं उसकी एक विधवा मां थी जो वर्षो पहले उससे बिछुड चुकी थी। डा. किरोडी ने मुक्ति को साथ लेकर उसकी मां को ढूंढना शुरू कर दिया, 15 दिन की मशक्कत के बाद मुक्ति की बुढिया मां हिण्डौन के जाटव मौहल्ले की एक कच्ची झौपडी में मिली जहां डा. मीणा मुक्ति को सुपुर्द कर आये। – **<u>दो बार</u>**

43ए	1987	**<u>कैलाश हत्याकांड हुआ गंगापुर</u>** में उसे मुसलमानो ने इसलिए मार दिया कि कॉलेज में कुछ मुस्लिम युवा एक हिन्दु छात्रा को छेड़ रहे थे, उसने मुसलमान युवको को रोका। मुस्लिम युवकों ने चाकू मार कर कॉलेज कैम्पस में हत्या कर दी कैलाश की। गंगापुर पहुंचकर मैने बड़ी सभा कर हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग की हत्यारों को तो पुलिस ने गिरफ्तार किया नहीं उल्टा पुलिस ने मुझ सहित 8 लोगों को गिरफ्तार कर सेवर जेल में डाल दिया। पूरा जिला बन्द कर दिया जनता ने। जिला सवाईमाधोपुर, करौली के गांव–गांव जलने लगे। पूरी जनता सड़क पर उतर आई। सरकार झुकी और हमें बिना शर्त सेवर जेल से छोड़ दिया। **<u>चार बार आन्दोलन</u>**
44ए	1987	जैतपुर कांड को लेकर आन्दोलन।
45ए	1987	**<u>भेड़ भगाओं वन बचाओं आन्दोलन</u>**ः– अलवर जिले की तहसील थानागाजी के ग्राम कूण्डला वन क्षेत्र में मारवाड़ की भेड बडे पैमाने पर जंगल को नष्ट कर रही थी उनकी स्थाई रोकथाम के लिए कूंडला में सभा कर तीन दिवसीय धरना दिया गया।
46ए	1987	**<u>खुराड मुक्ति आन्दोलन</u>**ः– खुराड मुक्ति आन्दोलन जयपुर (आमेर के खुराड गांव को एक सामन्त से मुक्त कराया)। एक सामन्त ने पूरे गांव को कटीले तार लगाकर कैद कर लिया था। गांव वाले शमशान में भी शव को दाह संस्कार के लिए नहीं ले जा सकते थे उस सामन्त का आन्दोलन कर आतंक समाप्त करवाया तथा गांव को मुक्त करवाया।
47ए	1987	झूथाहेडा में डकैती की घटना को लेकर धरना।
48ए	1987	टोडाभीम में डकैती की घटना को लेकर धरना।
49ए	1987	कटकड में महिला सहयोगिनी के साथ हुए बलात्कार को लेकर आन्दोलन।
50ए	1987	इसी प्रकार गांव वीरपुर तहसील महवा में कुआं खोदते समय दो व्यक्ति दबकर मर गये जनान्दोलन कर उनको दो–दो लाख रूपये की आर्थिक सहायता दिलाई।
51ए	1987	**<u>महिला की बरामदगी हेतु आन्दोलन</u>**ः– श्यारोली (गंगापुर) की एक महिला (जाट समाज की) का एक मुस्लिम ने अपहरण कर लिया था। श्यारोली से 3–4 हजार लोग भरकर गंगापुरसिटी कोर्ट में भरकर ले गया। लडकी के बयान के समय पूरे कोर्ट को घेर कर धरना देकर महिला को समाज कंटको से मुक्त कराया।
52ए	1987	महवा के ग्राम वीरपुर के लोगों पर पुलिस ने भारी अत्याचार किए उसके खिलाफ आन्दोलन किया।
53ए	1988	**<u>महाणा सामूहिक बलात्कार काण्ड</u>**ः– जिला सवाईमाधोपुर के थाना गढमोरा के ग्राम महाणा में गुर्जर समाज के कुछ लोगों ने 10.9.1988 की रात्रि को लगभग 10.00 बजे कुछ असामाजिक तत्वों (गुर्जर समाज के लोगों ने) बैरवा जाति के घरो पर धाबा बोलकर उनके घर में उपस्थित श्रीमती रामपति बैरवा एवं श्रीमती केशन्ती बैरवा के साथ करीबन 6 लोगों ने सामूहिक बलात्कार किया और उसके बाद ये बलात्कारी उनके घर से सारा सामान भी उठाकर ले गये। इस घटना के कारण बैरवा जाति के लोगों में भंयकर भय उत्पन्न हो गया जिससे डर कर ये सब गांव छोड़कर पलायन कर गये इस घटना की जानकारी तार व टेलीफोन द्वारा 13.9.1988 को मुख्यमंत्री से लेकर अन्य अधीनस्थ अधिकारियों तक दी गई, परन्तु कोई भी कार्यवाही उस समय नही हुई तो पीड़ित पक्ष दिनांक 16.9.1988 को एक लिखित आवेदन के साथ पुलिस अधीक्षक सवाईमाधोपुर से मिला फिर भी कोई कार्यवाही नही हुई तो दिनांक 30.9.1988 को पीड़ित परिवार मुझसे मिला जिन्हें लेकर मैने उन्हें प्रतिपक्ष के नेता मा0 भैरोसिंह जी से मिलाया। मा. भैरोसिंह जी की सलाह पर पीडित परिवार को लेकर मै दिनांक 14.10.1988 को राजभवन के सामने धरना पर बैठ गया जब जाकर बलात्कारियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज हुआ और नामजद अपराधियों को गिरफ्तार किया गया उनको बचाने के लिए गुर्जर समाज के लोगो ने दिनांक 25.10.1988 को नादौती में बडी सभा भी की तथा एक बड़े आन्दोलन की चेतावनी भी सरकार को दे दी किन्तु हमारे सतत आन्दोलन के कारण महाणा कांड की सच्चाई दबाई नही जा सकी। बैरवा एवं मजबूत समाज के पीड़ित लोगों को हम न्याय दिलाने में सफल हुए।

54th	1988	**सीमेन्ट फैक्ट्री आन्दोलनः**—सवाईमाधोपुर में ऐशिया की सबसे बडी सीमेन्ट फैक्ट्री का शुभारंभ 1948 में हुआ था जो जयपुर उद्योग लिमिटेड ;श्रटस्द्ध के नाम से स्थापित हुई थी। इसमें करीबन 35000 हजार मजदूर काम करते थे। यह प्लान्ट 1987 में जाकर बन्द हो गया। प्लान्ट के बन्द होने से सभी मजदूर एवं कर्मचारियों को रोजी—रोटी के लाले पड गये। सवाईमाधोपुर का बजरिया मार्केट चौपट हो गया तथा सवाईमाधोपुर कि अर्थव्यवस्था पर इस प्लान्ट के बन्द होने से जबरदस्त विपरीत प्रभाव पडा। सीमेन्ट फैक्ट्री पुनः चालू हो इसके लिए डा. किरोडीलाल ने 1987 से आन्दोलन चालू कर दिया। 1987 से यह आन्दोलन सवाईमाधोपुर की धरती पर चला किन्तु 12 दिसम्बर 1988 को सवाईमाधोपुर के कलेक्टर कैम्पस के सामने पुलिस ने मजदूरो के प्रदर्शन पर ऐसा बर्बर लाठीचार्ज किया कि इस घटना ने अंग्रेजो के राज की याद ताजा कर दी पुलिसकर्मियों ने तीन दर्जन से ज्यादा मजदूरों के हाथ पैर तोड़ दिये महिला मजूदरों एवं नन्हें बच्चों को भी पुलिस ने नहीं बक्सा और उन्हें भी बेरहमी से मारा पीटा। डा. किरोडीलाल भीड को चीरते हुए पुलिस बल के लाठी के प्रहारो को रोकने लगे किन्तु पुलिस के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बी.आर.ग्वाला एवं पुलिस अधीक्षक के.के. शर्मा ने पुलिस बल को प्रेरित कर डा. किरोडीलाल पर बेरहमी से लाठियां बरसाना चालू कर दिया। सिर पर पूरी ताकत से एक जगह चार बार लाठी मारी जिससे डा. किरोडी बेहोश होकर कलेक्ट्रेट कैम्पस में गिर पडे। सिर का कचूमर निकाल दिया, सिर की हड्डी कई जगह से टूट गई और लहुलुहान हो गये। कुछ देर बाद होश आया तो जैसे तैसे खडे होकर पुलिस को रोकने लगे तो पुलिस अधीक्षक ने खोपडी पर रिवोल्वर लगाकर गोली चलाई किन्तु वह मिस कर गई ऐसे समय पर कोर्ट कैम्पस के वकीलों ने डा. किरोडीलाल को बचा लिया। बेहोश हालात में डा. किरोडी एवं अन्य मजदूरों का सवाईमाधोपुर अस्पताल ले गये जहां से गंभीर अवस्था में जयपुर के लिए रैफर कर दिया। पुलिस एक ट्रक में डा. किरोडी को लेकर चली तो जयपुर का नाम लेकर किन्तु दौसा होते हुए अलवर ले गई। दौसाा में पुलिस ने अर्द्धरात्रि को कोतवाली के सामने कड़ाके की ठंड में लिटाकर फिर मारपीट चालू कर दी, किन्तु दौसा के डा. रामराज ने आकर पुलिस से बचाया। कई दिन तक अचेत अवस्था में अलवर अस्पताल में भर्ती रहने के बाद पुलिस ने दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया जहां इलाज चला किन्तु ऐसी बीमारी लग गई जिसका इस देश में कोई इलाज नहीं था। फिर बाद में सरकार ने एक नहीं दो बार अमेरिका में इलाज के लिए भेजा किन्तु स्थाई रूप से फायदा नहीं हुआ अभी भी चक्कर आ जाते हैं तो भारी परेशानी का सामना करना पडता है। अलवर अस्पताल में भर्ती के समय पार्टी ने विशाल आन्दोलन किया, पहले शहर और बाद में अलवर जिला बन्द हुआ, उधर सवाईमाधोपुर में उग्र आन्दोलन होने लगे। अस्पताल से छुट्टी होने के बाद डा. किरोडीलाल सभी मजदूरों को भरकर जयपुर ले आये और तत्समय के प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी से मिलकर फैक्ट्री चलाने की गुहार की। राजीव गांधी से भेंट के बाद करीबन पांच हजार मजदूरों को लेकर डा. किरोडीलाल सिविल लाइन फाटक पर धरना देकर बैठ गये। यह धरना 48 दिन तक चला, इस धरने में महिला मजदूर एवं नन्हें बच्चे भी शामिल हुए। अन्त में पुलिस ने यहां भी बर्बर लाठीचार्ज कर दर्जनों बसों में भरकर कडाके की ठंड में जयपुर के आस—पास मजदूरों को जंगल में छोड दिया। डा. किरोडीलाल सहित कुछ मजदूर नेताओं को गिरफ्तार कर पहले सेवर जेल एवं अलवर की जेल में डाल दिया। जेल से रिहाई के बाद जयपुर में फिर धरना दिया गया जो 15 दिन तक चला, इसके बाद पार्टी ने यह आन्दोलन अपने हाथ में ले लिया और इसे पूरे राज्य में चलाया जो महीनों तक चला। इसमें करीबन 36 विधायकों ने 36 दिन तक विभिन्न स्थानों पर गिरफ्तारियां दी, संगठन के बडे—बडे नेता एवं पदाधिकारियों पर गिरफ्तारी देकर इसे उग्र एवं राज्य व्यापी बना दिया। इस मुद्दे को मा. भैरासिंह जी के साथ—साथ मैने विधानसभा एवं संसदमें भी मजबूती से उठाया। जब डा. किरोडीलाल श्रम मंत्री बने तो एक मौका मिला था इसलिए सवाईमाधोपुर के साहूनगर एवं फलौदी क्वारी स्थित सभी 1154 क्वाटर मजदूरों के नाम कर दिये। फैक्ट्री एरिया को नगरपालिका में शामिल करवा दिया। बिजली, पानी, सडक, स्कूल आदि की व्यवस्था करा दी। प्लान्ट चले इस दृष्टि से डा. किरोडीलाल उद्योगपति कमल मुरारका के साथ मजदूरो का समझौता करा दिया जिसमें मजदूरों ने अपने 9 करोड की मजदूरी छोड दी। सरकार ने भी करीबन 26 करोड की स्पंइपसपजल खत्म कर प्लान्ट को टपंइसम बना दिया किन्तु सेड की मंशा प्लान्ट चलाने की नहीं थी उसकी नीयत इसके करोडों की प्रोपर्टी को खुर्दमुर्द करने की थी, इसलिए फैक्ट्री नहीं चली। इस फैक्ट्री को आन्दोलन 1987, 1988, 1989 (पूरे वर्ष सतत) तीन साल तक चला। अब जब सेठ मजदूरों के क्वाटर्स खाली करवाना चाहता है तथा करीबन 45000 हजार करोड की प्रोपर्टी को

		बेचान करना चाहता है तो डा. किरोडीलाल की अगुवाई में पहले सवाईमाधोपुर में आन्दोलन किया गया और बाद में जयपुर के विधानसभा का घेराव कर प्रदर्शन किया। हरगिज फैक्ट्री की करोडो की प्रोपर्टी को बचाया जाये आवश्यकता पडी तो पुनः 1988–1989 का उग्र आन्दोलन फिर से किया जायेगा। इस प्रकार सीमेन्ट फैक्ट्री का यह आन्दोलन राजस्थान इतिहास में सर्वाधिक लम्बा एवं पूरी पार्टी को ताकत देने वाला आन्दोलन था। इसे तबके राष्ट्रीय अध्यक्ष मा. लालकृष्ण अडवाणी ने ऐतिहासिक कहा था। मा0 अटल बिहारी बाजपेयी जी ने भी इसे सराहा था तथा दोनो नेताओं ने इसे संसद में भी उठाया। इस फैक्ट्री के लम्बे आन्दोलन ने जिन लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाई उनमें से 9 विधायक बन गये तथा दो लोग सांसद बन गये। लोकसभा के अध्यक्ष मा. ओम बिडला फैक्ट्री आन्दोलन की देन है। मा. भैरोसिंह शेखावत, ललित किशोर चतुर्वेदी, पार्टी के 33 विधायकों सहित राज्य के सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने इस आन्दोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। पार्टी ने इस आन्दोलन को राज्य स्तर तक उठाया। यह आन्दोलन 1987 से 1989 के मध्य तक चला। (1) जून 1988, (2) दिसम्बर 1988, (3) सितम्बर 1989 एवं (4) दिसम्बर 1990, **4 बार। आन्दोलन।**
55प	1988	**श्यामलाल हत्याकाण्ड मासलपुर को लेकर आन्दोलन।**
56प	1988	**बीना पाराशर युवती बलात्कार काण्डः**–बीना पाराशर नाम की युवती के साथ सामूहिक बलात्कार कर उसे रेल की पट्री पर डाल दिया, आन्दोलन कर अपराधियों को गिरफ्तार कराया।
57प	1988	महवा में एक ब्राहमण की लडकी का वहीं के गुर्जरो ने अपहरण कर लिया उसे बरामद करने के लिए महवा थाने पर तीन दिन तक धरना।
58प	1988	महवा को दौसा में मिलाने के लिए आन्दोलन।
59प	1988	**शिवसिंह हत्याकांडः**– कांग्रेस के पूर्व विधायक शिवसिंह हत्याकाण्ड 30.8.1988, 7.9.88, 7.10.88 को बाडी में तीन बार आन्दोलन एवं 7.9.1988 को पुनः तीन बार आन्दोलन। पूर्व विधायक की बाडी में नृशंश हत्या कर दी थी। हत्यारे नहीं पकडे गये तो जनता के साथ बडा धरना दिया गया इस धरने में प्रतिपक्ष के नेता मा. भैरोसिंह जी भी पहुंचे।
60प	1989	**सामूहिक बलात्कार कांडः**– सपोटरा में एक युवती के साथ सामूहिक बलात्कार किया तथा उसकी एवं उसकी मां की हत्या कर दी गई जिसके लिए आन्दोलन किया गया।
61प	1989	ताहिर मोहम्मद हत्याकाण्ड गंगापुरसिटी को लेकर आन्दोलन।
62प	1989	**कचीदा (रावल) बाबा के अनैतिक कृत्यों के खिलाफ आन्दोलनः–** ग्राम रावल (सवाईमाधोपुर) में कुटिया बनाकर बाबा कचीदा उर्फ सत्यनारायण रहता था इनके यहां जनता के अलावा पुलिस के अधिकारी अधिकतर आया जाया करते थे। इस बाबा ने कैलाशी पुत्री मंगल्या मीना निवासी रावल थाना सवाईमाधोपुर के साथ प्रसाद में नशीली चीज खिलाकर बलात्कार किया। लड़की मात्र 15 वर्ष की थी। लड़की ने इस कुकृत्य का विरोध किया तो बाबा ने उसे बुरी तरह डरा दिया। पुलिस से जान पहचान का बेजा फायदा उठाकर बच्ची को नशे की दवाएं खिलाता रहा और उससे बलात्कार करता रहा जिससे वह गर्भवती हो गई। उस पर दबाव डालकर उसका गर्भ भी गिरवा दिया अन्त में जाकर लड़की ने जब यह आप बीती अपने मां–बाप को सुनाई तथा उन्होने घटना की जानकारी मुझे दी तो मैने इस कुकृत्य के खिलाफ उग्र जनआन्दोलन किया। इस मामले को मैने विधानसभा में भी उठाया। गृहमंत्री श्री अशोक गहलोत के आश्वासन के बाद कचीदा वाले बलात्कारी बाबा को गिरफ्तार कर जेल के सींखचों मे डाल दिया।
63प	1989	ग्राम चांदेरा (थाना मानपुर) के एक व्यक्ति से मानपुर थाने के हैड कांस्टेबिल ने 2500 रूपये रिश्वत

		के ले लिए उन्हे वापस दिलाने के लिए थाना मानपुर में धरना दिया और रिश्वत वापस दिलाई।
64प	1989	सूरेर पाडली (दौसा) के रतीराम का हत्याकाण्ड को लेकर मण्डावर थाने पर धरना।
65प	1989	विधानसभा क्षेत्र महवा में बाधित विद्युत सप्लाई को लेकर दो दिन तक बिजली विभाग के कार्यालय पर धरना देकर बिजली सप्लाई में सुधार करवाया।
66प	1989	**बिजली हेतु आन्दोलनः**– श्रीमहावीरजी क्षेत्र की अनियमित बिजली सप्लाई को लेकर 89 में पटोदा स्टेशन पर विशाला धरना दिया तथा पर्याप्त मात्रा में बिजली देना सुनिश्चित कराया गया।
67प	1989	कैला देवी मीणा धर्मशाला के निर्माण में ट्रस्ट द्वारा रोक लगा दी गई उसके खिलाफ एक बडी सभा कर आन्दोलन कर समाज को जमीन उपलब्ध कराई
68प	1989	हिण्डौन में समाज कंटको द्वारा समर्थकों पर प्राणघातक हमला किया गया इसको लेकर आन्दोलन कर उन्हें गिरफ्तार कराया।
69प	1989	इंदिरा स्पजि प्ततपहंजपवद च्तवरमबज हेतु आन्दोलनः– चम्बल से सिंचाई एवं पीने हेतु पानी सवाईमाधोगपुर जिले को मिले इसके लिए यह योजना बनाई गई जिसकी स्वीकृति के लिए कलेक्ट्रेट सवाईमाधोपुर पर 10 दिन तक धरना दिया।
70प	13.1.1989	सपोटरा पुलिस द्वारा 17 निर्दोष लोगों को राजनैतिक दबाव में गिरफ्तार कर लिया था उनको छुड़ाने के लिए 13.1.1989 को थाने पर सैकडो लोगों के साथ धरना दिया गया।
71प	मई 1989	महवा को दौसा जिले में मिलाने के लिए मुख्यमंत्री श्री भैरोसिंह का घेराव।
72प	17.7.1989	सवाईमाधोपुर जिला प्रमुख द्वारा विदेशी महिला के साथ छेडछाड को लेकर सवाईमाधोपुर में धरनाः–
73प	1989	**ससेडी कांड (डकैतों की बर्बरता)ः–** 1989 के लोकसभा चुनाव के दौरान भगवानसिह गुर्जर नाम के डकैत ने माली परिवार के तीन युवकों को मौत के घाट उतार दिया। हुआ यूं कि माली परिवार के एक युवक ने भगवानसिंह गुर्जर डकैत की ससेडी में रूके रहने की सूचना पुलिस को दे दी जिसकी जानकारी गुर्जर डकैत को मिल गई उससे डकैत भगवानसिंह इतना तमतमाया कि वह माली परिवर के घर आ धमका औश्र बूढे मां–बाप के सामने ही डकैत ने खंजर से एक बेटे के टुकडे–टुकडे कर डाले फिर दूसरे को भी ऐसे ही मार दिया, कितना वीभत्सकारी दृष्य था। तीसरे के प्राण बच जाये इसके लिए मां–बाप डकैत के पैर में पड गये बुढापे की सेवा के लिए एक औलाद को बक्सने की प्रार्थना की, किन्तु वह क्रूर डकैत नहीं माना। उसने बूढे मां–बाप के ठोकर मारी और तीसरे बेटे को भी उसके सामने मौत के घाट उतार दिया। घटना के समय लोकसभा के चुनाव चल रहे थे तथा मैं सवाईमाधोपुर से सांसद का चुनाव लड़ रहा था। उन तीनों बेटों की लाशों को लेकर मैने करौली थाने का घेराव किया तथा पुलिस को चेतावनी देते हुए चलते चुनाव में प्रतिज्ञा ली की मैं इस चुनाव में जीतू या नहीं चुनाव के बाद डकैतों का सफाया करूंगा या तो डांग में डकैत रहेंगे या डा. किरोडीलाल की जनता। दूसरी घटना डकैत भगवानसिह गुर्जर ने लांगरा बुगडार की एक जाटव महिला से उसकी सुन्दर बेटी को पेश करने को कहा उसने मना कर दिया तो जब वह खान पर मजदूरी करने गई तो डकैत उस खान पर पहुंचा और कहा कि कहां है तेरी लड़की उसे ला। उसने लडकी को उसे पेश करने से मना कर दिया तो उस क्रूर ने उस महिला के हाथों में कील ठोक दी। की ठुके लहुलुहान हाथ मेने देखा तो मेरा खून खौल गया। भयभीत वह महिला कह रही थी कि मैं गांव छोडकर जा रही हूँ, मैने उस महिला को अश्वस्त किया चुनाव खत्म हो जाए इसका बदला मैं लूंगा। मैं प्रचंड मतों से सवाईमाधोपुर से चुनाव जीता और चुनाव जीतने के बाद मैं राज्य के मुख्यमंत्री श्रीमान भैरोसिंह जी से मिलकर डकैत भगवानसिह को मारकर उसके आतंक को खतम करने का आग्रह किया, 6 महीने निकल गये लेकिन मुख्यमंत्री के निर्देर्शो पर कुछ भी कार्यवाही नहीं हुई तो मैं करीबन 5 हजार लोग एवं 6 विधायकों को लेकर करौली के बीहडों में बन्दूक लेकर डकैतों को मारने पहुंच गया। एक नहीं 15 दिन तक चप्पे–चप्पे को छान मारा आखिर

		में जनता का दबाव इतना बढा की उस डकैत को पुलिस ने मार गिराया और मेरी प्रतिज्ञा पूरी हुई जिससे जनता को भारी राहत मिली।
74th	अगस्त 1990	एस.टी/एस.सी. अधिकारियों को राजनैतिक द्वैषभाव से प्रताड़ित करने पर मुख्यमंत्री के आवास पर धरना।
75th		**तिमनगढ मूर्ति काण्ड**:– तिमनगढ मूर्तिकांड को लेकर धरना। यहां वर्षो से ऐतिहासिक मूर्तियों की चोरिया हो रही थी, चोरियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए करौली में सैकड़ों लोगों के साथ 7 दिन तक धरना दिया गया।
76th	1990	**गंगापुर लोको सेड को गंगापुरसिटी** में यथावत रखे जाने तथा करौली को रेल मार्ग से जोडे जाने हेतु आन्दोलन। गंगापुर में दिल्ली–मुम्बई रेल्वे ट्रेक को जाम कर दिया गया। **दो बार।**
77th	1990	**पशु मुक्ति आन्दोलन** (बोदल–खण्डार) सवाईमाधोपुर– खण्डार के बोदल में गुर्जर समाज वन चौकी पर वन विभाग के अधिकारियों ने आस–पास के गांव के पशु पालक गुर्जर समाज के लोगों की करीबन 300 भैंसो को कैद कर लिया तीन दिन तक चले आन्दोलन के बाद उन्हें मुक्त किया।
78th	1990	जोधपुर मरूधर एक्सप्रेस को मण्डावर स्टेशन पर रोके जाने हेतु आन्दोलन।
79th	1990	अदिवासी मीणा सेवा संघ महवा में भूमि दिलाये जाने तहसील मुख्यालय पर धरना।
80th	दिस. 1990	करौली को रेल्वे लाइन से जोडने हेतु करोली में धरना।
81th	1990	विधानसभा 1990 में महवा में हो रहे चुनाव के दौरान ग्राम समलेटी में बूथकैप्चरिंग की आड़ में फायरिंग की गई जिसमें एक व्यक्ति की छाती में तथा दूसरे के पैर में गोली लगी (हुकुम पुत्र बद्री निवासी समलेटी) तो इसमें जीवन भर के लिए अपंग हो गया, दूसरा युवक भी पंगु है। न्याय दिलाने के लिए थाना मण्डावर पर धरना दिया।
82th	1990	बिगडती हुई कानून स्थिति पर थाना मण्डावर पर धरना।
83th	1991	**राममंदिर आन्दोलन**:– अयोध्या में राममंदिर निर्माण मुद्दे पर 151 में अयोध्या में सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ गिरफ्तारी दी।
84th	1991	मेहन्दीपुर बालाजी में आदर्श विद्या मंदिर के भवन की जमीन पर मीणा सीमला के लोगों ने कब्जा कर लिया था। आन्दोलन कर इसे मुक्त कराया।
85th	1991	**विधायक बत्तीलाल की रिहाई**:–पूर्व विधायक बत्तीलाल को जेल से छुडवाने के लिए गंगापुरसिटी में 1991 में धरना दिया एवं जमानत कराने के लिए मैने स्वयं ने कोर्ट में पैरवी कर छुडवाया।
86th	1991	धौलपुर पुलिस फर्जी मुठभेड़ प्रकरण पर आन्दोलन।
87th	1991	बिजली की अनियमित आपूर्ति, भ्रष्टाचार एवं बिजली विभाग द्वारा किसानो के साथ लूटपाट के सम्बन्ध में सवाईमाधोपुर मुख्यालय पर धरना।
88th	1991	क्षेत्र में बिगडती कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर गंगापुर में धरना।
89th	1991	बिजली की समस्या को लेकर बामनवास में आन्दोलन।
90th	1991	महवा स्कूल में समाजकंटको ने घुसकर प्रधानाचार्य व अन्य लोगों के साथ मारपीट की जिस पर स्कूली छात्रों ने डा. किरोडीलाल के नेतृत्व में हडताल कर महवा थाने के समक्ष रोष प्रकट कर रास्ता जाम किया।

91ए	10.12.1991	**<u>जयपुर एयरपोर्ट विस्तार को लेकर आन्दोलन</u>**:– जयपुर एयरपोर्ट के विस्तार को लेकर भूमि अवाप्ति में भारी भेदभाव एवं अनियमितताओं के साथ वहां के लोगों को हटाने को लेकर भारी दमन हो रहा था, आन्दोलन कर लोगों को राहत दिलाई।
92ए	1992	**<u>ट्रक–ट्रैक्टर आन्दोलन फैलीपुरा प्रकरण</u>**:– घटना लगभग 28 वर्ष पूर्व की है। हिण्डौन की ट्रक यूनियन की ज्यादतियों से गुस्साए किसानों ने तत्कालीन सवाईमाधोपुर जिले की हिण्डौन तहसील के फैलीपुरा गांव में करौली और कोटरी पालनपुर के खनन क्षेत्र से आने वाले सैकड़ों ट्रको को बंधक बना लिया था। पूर्वी राजस्थान की सबसे बडी ट्रय यूनियन कही जाने वाली हिण्डौन मजदूर ट्रक यूनियन के ट्रको को ट्रैक्टर ऑपरेटर्स किसान यूनियन के बैनर तले किसानों द्वारा रोके जाने से दोनो ओर इस कदर तनाव व्याप्त हो गया था कि सशस्त्र संघर्ष की नौबत आ पहुंची। वर्ष 1992 में कडकडाती ठण्ड के बीच भाजपा नेता डा. किरोडीलाल के नेतृत्व में पांच हजार से ज्यादा ग्रामीण तीन दिन तक फैलीपुरा गांव के उस तिराहे पर डटे रहे, जहां खनन क्षेत्र से पत्थर लादकर हिण्डौन की ओर आ रहे सैकडो ट्रको को रोका गया था। दरअसल करौली और हिण्डौन क्षेत्र में सफेद और लाल पत्थर बहुतायत में खदानों से उत्खनित होता था। इसकी बिक्री का प्रमुख केन्द्र तत्समय हिण्डौन हुआ करता था। यहां कई किलोमीटर क्षेत्र में फैले पत्थर फड बाजार से राजस्थान ही नहीं उत्तर भारत के अधिकांश राज्यों में पत्थर ले जाया जाता था। हिण्डौन ट्रक यूनियन के ट्रकों के धंधे का मुख्य आधार भी यही पत्थर उद्योग था। बाद में खनन क्षेत्र से आम ग्रामीण भी अपने ट्रैक्टर–ट्रालियों से पत्थर ढोने लगे तो ट्रक यूनियन वालो की आंखे किरकिरी होने लगी। ट्रक यूनियन के लोगों ने हिण्डौन एवं महू गांव पर अवैध चैकपोस्ट बनाकर पत्थर ले जा रहे ट्रैक्टर–ट्रॉलियों को न सिर्फ अवैधानिक वसूली आरम्भ कर दी बल्कि उनका संचालन बन्द करने की भी कुचेष्टा की। ट्रक यूनिय की इस दमनकारी कार्यवाही से उन ट्रैक्टर–ट्रॉली चालकों एवं किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया, जो करौली एवं हिण्डौन के खनन क्षेत्र से निकलने वाले पत्थर को ढोकर अपनी आजीविका चल रहे थे। ट्रक यूनियन की दादागिरी पर लगाम लगाने के लिए ट्रैक्टर वालो ने सबसे पहले अपना संगठन बनाया और फिर ट्रैक्टर आपरेटर्स किसान यूनियन से सम्बद्ध कुछ लोग अत्याचार और अनाचार के विरूद्ध संघर्ष के चर्चित भाजपा नेता डा. किरोड़ीलाल मीणा के पास जा पहुंचे। डा. मीणा विस्तार से सारी पीडा सुनने के किसानों के साथ–साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष की हां भी भरी और निर्धारित समय पर आन्दोलन स्थल फैलीपुरा पहुंच गए। फरवरी का महीना था। सर्दी अभी भी अपने तैवर दिखा रही थी। डा. मीणा की अगुवाई में जुटे किसानों ने रणनीति बनाई। तापने के लिए अलाव जले तो पेट में तपती भूख को शांत करने के लिए आन्दोलन स्थल पर ही लंगर चालू कर दिया। बुजुर्गो के लिए नजदीकी टैंट हाउस से गद्दे और रजाईयों का इंतजाम किया और फिर शुरू हुआ खनन क्षेत्र से पत्थर लादकर ला रहे बंधक बनाए गये ट्रकों में से 26 ट्रक ऐसे भी थे जो रॉयल्टी और टैक्स की चोरी करके पत्थर भर लाए थे।

		सैकड़ो ट्रकों को फैलीपुरा पर रो लेने की खबर जंगल की आग की भांति हिण्डौन स्थित ट्रक यूनियन के दफ्तर पहुची तो वहां भीषण दनाव का माहौल पैदा हो गया। ट्रक मालिकों ने शीघ्र ही ट्रकों को नहीं छोड़ने की स्थिति में फैलीपुरा कूच की धमकी दे डाली। जब यह खबर फैलीपुरा में आन्दोलनरत किसानों तक पहुंची तो आहवान पर कुछ ही घण्टों में वहां पांच हजार से ज्यादा लोग इकठ्टा हो गये। तनावपूर्ण स्थिति पैदान होने की बात जब पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारियों तक पहुंची तो उन्होने मौके पर पहुंचकर डा. मीणा से बात की लेकिन डा. मीणा ट्रैक्टर वालो को न्याय दिलाए बगैर बंधक ट्रकों को छोडने के कतई राजी नहीं थे। इसी प्रकार तनावपूर्ण हालातों में तीन दिन बीत गए। प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने दोनो पक्षों के साथ वार्ता का दौर जारी रखा। उसका परिणाम यह हुआ कि 67 घण्टे बाद ट्रक यूनियन के पदाधिकारी इस बात पर राजी हो गए कि वे भविष्य में पत्थर भरकर ले जाने वाले किसी भी ट्रैक्टर–ट्रॉली को नहीं रोकेंगे।
93प	1992	पानी, बिजली, सडक आदि की समस्याओं को लेकर खण्डार में आन्दोलन।
94प	1993	**चूडियाबास प्रकरणः– (राजस्थान का मीणा हाईकोर्ट कैसे बना नांगल–प्यारीवास)**राजस्थान के दौसा जिले में चूड़ियावास काण्ड के नाम से प्रसिद्ध एक घटना ने छोटी सी जगह नांगल प्यारीवास को मीणा हाईकोर्ट बना डाला। घटना घिनौनी भी थी और शर्मनाक भी। मानवता को शर्मसार करने वाली इस घटना में एक विवाहिता ने अपनी मां और मां के प्रेमी के साथ षड़यंत्र रचकर अपने ही पति परमेश्वर की जघन्य हत्या करके लाश को खेत में फिकवा दिया। मीणा हाईकोर्ट की चौपाल से हत्यारों को सजा सुनाने और सजा को अमलीजामा पहनाते वक्त पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए पंचों को जेल की सलाखों के पीछे से बगैर जमानत छुड़ाने तक की दांतों तले अंगुली दबाने जैसी अकल्पनीय कहानी को समझने के लिए घटनाक्रम को सिलसिलेवार जानना निहायत ही जरूरी है। अपने माथे पर सुहागिन का टीका लगाने के बजाय कलंकनी होने का स्थाई चिन्ह स्थापित करने वाली महिला का नाम है प्रेमदेवी। प्रेम की यह तथाकथित देवी तीतरवाड़ा ;दौसाद्ध के भगवानाराम को ब्याही गई थी। घटना दिनांक 16 जुलाई 1993 की है। चूड़ियावास ;जिला दौसाद्ध में जन्मी प्रेमदेवी ने अपनी मां अमरी देवी और मां के प्रेमी चाचा घासी के साथ मिलकर अपने पति भगवानाराम की हत्या कराई और लाश को खेत में फिंकवा दिया। इस घटना की थ्त छव 159ध्93 थाना नांगल राजावतान में दर्ज हुई लेकिन भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302 के तहत दर्ज इस जघन्य घटना के मामले को पुलिस ने जल्द ही थ्त लगाकर दफ्तर दाखिल कर दिया। बात चिन्ताजनक थी, इसीलिए पुलिस के विरूद्ध आमजन में असंतोष एवं आक्रोश व्याप्त हो गया। 18 जुलाई को इस मामले को लेकर प्रेमदेवी के ससुराल तीतरवाड़ा में पंचायत बैठी, जहां प्रेम ने पंचों के समक्ष भगवानाराम की हत्या की बात कबूल कर ली। जब इस हत्या के प्रकरण को लेकर चूड़ियावास में ही 24 अगस्त 1993 को 11 गांवों की महा पंचायत आयोजित हुई और इसी में काफी

		विचार विमर्श के बाद अमरी और उसके प्रेमी घासी को हत्या का दोषी मानते हुए दण्डित कर दिया। करौली जिले की विख्यात कटकड़ अट्ठाईसा की रोपड़ा की थांई की तर्ज पर दोनों दोषियों को देश निकाला देने के साथ–साथ गांव में निर्वस्त्र कर घुमाने की सजा सुनाई गई। फैसले के अनुसार जघन्य हत्या के दोषी दोनों जनों का मुहॅ काला किया गया। एक–दूसरे के बाल कटवाएं गए और फिर गधे को काला करके घासी को बिठाकर गधे की डोर अमरी को थमाई गई। दोनों को नग्न अवस्था में ही चूड़ियावास गांव में जुलूस निकालने के बाद पैदल ही नांगल प्यारीवास ले जाया गया। इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचित कर दिया और मौके पर पहुंची दौसा पुलिस प्यारीवास की झिलमिल नदी के पास से आठ पंचों को गिरफ्तार करके ले गई। निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले में भा.द.स. की धारा 147, 365, 366, 354, 327, 323 व 500 के तहत थाना नांगल राजावतान में 24 अगस्त को मुकदमा नं. 193/1993 दर्ज किया गया। यह सही है कि पंचों का फैंसला कानूनी दृष्टि से उचित नहीं था, लेकिन सदियों से चली आ रही खाप पंचायतें ऐसे फैसले सुनाती रही है। इसी सोच और परम्परा के चलते पंचों की गिरफ्तारी से इलाके की जनता भड़क गई। जागरूक लोगों ने गिरफ्तार पंचों की रिहाई के लिए दौसा न्यायालय में जमानत की याचिका भी लगाई लेकिन कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया। तमाम कोशिशें कर थक चुके इलाके के पंच पटैलान अन्त में राजस्थान के कदावर नेता डा. किरोड़ीलाल के पास पहुंचे और उनसे पंचों को छुडवाने की गुहार की। दौसा कोर्ट से जमानत की दरख्वास्त खारिज होने के बाद न्यायिक हिरासत में चल रहे पंचों को छुड़वाने का एकमात्र कानूनी रास्ता राजस्थान हाईकोर्ट में अपील कर जमानत पर छुड़वाना ही एक मात्र उपाय था, लेकिन इसके लिए इलाके के आक्रोशित जनता कतई तैयार नहीं थी। जनतंत्र में जनता की ताकत सर्वोपरि है, इसी बात को स्वीकार करते डा. मीणा ने इस अत्यन्त दुष्कर कार्य की कमान खुद के हाथों में ले ली। न्यायिक हिरासत में रखे गये सभी पंच पटेलों को 24 घण्टे के अन्दर–अन्दर रिहा कर अब मीणा हाईकोर्ट के नाम से प्रसिद्ध नांगल–प्यारीबास में सुपुर्द करने का अल्टीमेटम ;चेतावनीद्ध डा. किरोड़ीलाल ने जिला प्रशासन को दे दी। 24 घण्टे में जब जिला प्रशासन ने पंचों को रिहा नहीं किया तो डा. किरोड़ीलाल के आहान पर 50 हजार की भीड़ का जन सैलाब कुछ ही समय में ग्राम प्यारीबास में उमड़ पड़ा। जिसमें करीबन 15 हजार महिलाओं सहित प्यारीबास में 50 हजार से ज्यादा लोग इकठ्टा हो गये। इसी दौरान पुलिस ने अमरी एवं घासी को हत्या के मुकदमें में गिरफ्तार कर लिया। पंचों को छुड़ाने के लिए तीन दिन तक धरना चला। धरना इतना विशाल था कि इसे सारे नेशनल मीडिया यहां तक कि बी.बी.सी. ने खूब कवर किया। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत और दौसा के तत्कालीन सांसद राजेश पायलट ने इस विशाल धरने में शिरकत करनी की इच्छा जाहिर की लेकिन पंचों ने उनका प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया। धरने को तीन दिन हो जाने के बाद भी पुलिस और प्रशासन के कानों जूं नहीं रेंगी तो डा. मीणा ने पंचों को छुड़ाने के लिए दौसा की ओर कूच का ऐलान कर दिया। लोगों का भारी हुजूम दौसा की ओर चला ही था कि जनता के आक्रोश की आंधी एवं अनिष्ट की आशंका से भयभीत होकर सरकार के हाथ–पांव फूल गये और पुलिस ने हथियार डाल दिये।

		पुलिस और प्रशासन ने न्यायिक हिरासत में बन्द 14 पंच–पटेलों की रिहाई के लिए कौन–कौन से दांवपेच खेले, कैसे कानून को तोड़ा, कैसे मरोड़ा पता नहीं, लेकिन आश्चर्यजनक सत्य यह है कि तत्कालीन जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सभी 14 पंच–पटेलों को जेल से छुड़ाकर नांगल प्यारीबास पहुंचे और 50 हजार से ज्यादा लोगों की भीड़ के बीच उन्हें डा. किरोड़ीलाल को सुपुर्द कर दिया, तभी से नांगल प्यारीबास के इस स्थान को **''मीणा हाईकोर्ट''** कहा जाता है।
95प	1993	समलेटी बम काण्ड पर धरना।
96प	1993	**<u>जिसका हथौडा उसकी खान (मजदूर से बन गए मालिक)</u>:–** राजस्थान में धौलपुर के बाड़ी.बसेडी क्षेत्र में सेकडों किलोमीटर सुदूर तक फैले पठारों और पहाड़ों से उत्खनित पत्थरों को तराश कर बेशक देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक संसद भवन सहित लालकिले जैसी अनेकानेक ऐतिहासिक इमारतों का निर्माण हुआ लेकिन भव्य वास्तुकला का प्रमुख साधन बने इस लाल और सफेद पत्थर का एक स्याह अध्याय भी है। दस्युओं का स्वर्ग कहे जाने बीहडों में स्थित खदानों से निकलने वाले हरेक छोटे.बड़े पत्थर पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के गरीबों की गुलामी के ऐसे चिन्ह आज भी देखे जा सकते हैंए जिनसे सदियों के दासत्व को झेलती रही एक कराहए आह और चीख सुनाई देती है। आजादी के पूर्व से दोहरी गुलामी की जिन्दगी गुजारते आ रहे हजारों श्रमिकों को अब से 27 वर्ष पूर्व असली आजादी उस वक्त मिलीए जब राजस्थान के जुझारू नेता कहे जाने वाले डॉ॰ किरोड़ीलाल मीणा इनका दर्द सुना। डांग क्षेत्र कहलाने वाले बीहड़ों में बसे इन गांवों में जाने का ठीक से मार्ग भी नहीं था लेकिन आंदोलनों के लिए विख्यात डॉ॰ मीणा कहीं ऊंटगाड़ी पर बैठकर तो कहीं पैदल ही जा पहुंचे। सदियों से गुलामी का जीवन जी रहे लोगों के दिलों में छुपे दर्द को नजदीक से देखा और महसूस किया। यही वह क्षण था जब जुझारू नेता डॉ॰ मीणा ने राजनेता की खाल ओढे गरीबों और मजलूमों पर जुल्म ढा रहे एक दबंग घराने के साम्राज्य को ढहाने की शपथ लेकर संघर्ष की दुंदुभि बजा दी। डॉ॰ किरोड़ी जानते थे कि तकरीबन 200 वर्ग किलोमीटर के विशाल क्षेत्र में बीते कई दशकों से अवैध खनन कर अरबपति बन बैठे तत्कालीन विधायक दलजीतसिंह चीकू की गुलामी से हजारों श्रमिकों को आजाद कराना सहज कार्य नहीं है। यह महसूस करके कि महलों में श्रमिकों को दास बनाए बैठे इस घराने को राज्य और केंद्रीय नेताओं के वरदहस्त का आशीर्वाद मिला हुआ हैए डॉ॰ मीणा ने लोकतांत्रिक संघर्ष का रास्ता चुना। पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री भैरोंसिंह शेखावत को डांग क्षेत्र में बसे हजारों गरीबों का शोषण कर 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में अवैध खनन कर रहे दलजीतसिंह चीकू की हकीकत से लिखित में रूबरू कराया। मुख्यमंत्री आवास में व्यक्तिशः मिलकर दिए गए पत्र में डॉ॰ मीणा ने स्पष्ट लिखा कि हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद खनिज विभाग के अफसरों की मिलीभगत से एक दबंग किस प्रकार गरीबों को गुलाम बनाकर अपने आर्थिक साम्राज्य का विस्तार कर रहा है। मुख्यमंत्री को अवगत कराने के बावजूद गुलामी का सिलसिला नहीं थमा तो डॉ॰ मीणा ने स्वाभानुसार अपनी भृकुटी टेढ़ी की और संघर्ष के अनिश्चितकालीन रण में उतर गए। गांव.दर. गांवए ढाणी.दर.ढाणी और घर.घर गए। लोगों को समझाया। सदियों से गुलामी की जिंदगी जीते आए कुछ लोगों ने इस जुझारू नेता की बातों को कपोलकल्पना मानकर ठुकराया तो कुछ लोगों ने डॉ॰ मीणा की समझाइश में अपनी आजादी ढूंढी। गांव और ढाणियों की पगडंडियों पर तैरती

		यह बात धीरे.धीरे लोगों के गले उतरने लगी और दो साल के लम्बे संघर्ष के बाद एक सुबह ऐसी आईए जब हजारों गुलामों ने न सिर्फ जीवन में पहली बार आजादी की सुनहली धूप के दर्शन किए बल्कि वे यह जानकर अत्यंत आल्हादित थे कि जिन खदानों में वे महज पांच हजार रुपए की मजूरी करते थेए अब वे उस खदान के मालिक हैं और हर महीने पांच लाख रुपए कमाएंगे। डॉण मीणा राजनेता कम और मजलूमों के हकों की लड़ाई के लिए अधिक चर्चित हैं। उन्हें पता था कि जिस तरह सुभाषचंद्र वोष ने श्तुम मुझे खून दोए मैं तुम्हें आजादी दूंगाश नारा देकर अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध छेड़ा थाए ठीक वैसी ही जरूरत भूरी चमड़ी वाले अंग्रेजों के जुल्म से मुक्ति के लिए जरुरी थी। ऐसे में डॉण मीणा ने खदानों में बंधक मजदूर बनकर शोषण करा रहे मजदूरों की आजादी के लिए एक नया नारा दिया। बोले.ष्जिसका हथौड़ाए उसकी खानष्। नारे का प्रभाव दावानल की मानिंद श्रमिकों के दिलों में दौड़ा। संघर्ष बेशक लम्बा चला लेकिन आज वहां के हजारों श्रमिक गुलामी से मुक्त होकर उन खदानों के मालिक बन गए हैंए जिनमें और बाप.बेटे के रूप में दो पीढियों का पसीना बहा था। **सात बार**
97ण	1993	घूमणा के किशनलाल मीणा तहसीलदार की हत्या को लेकर मानपुर थाने पर धरना।
98ण	1994	**महिलाओं की खरीद–फरोख्त के खिलाफ आन्दोलन**ः– डांग क्षेत्र (धौलपुर एवं करौली) में महिलाओं को बेचे जाने के लिए मंडिया लगती थी इस बुराई के विरूद्ध जबरदस्त जन समर्थित आन्दोलन किया और पुलिस को मजबूर किया जिससे इस प्रथा पर लगाम लग सकी।
99ण	1994	पुलिस हिरासत में मृत्यु को लेकर हिण्डौन में धरना।
100ण	1995	**शांति जांगिड काण्ड, समलेटीः–** सरपंच के चुनाव में एक उम्मीदवार विशेष को वोट नही डालना दौसा जिले का ग्राम समलेटी की एक विधवा शांति जांगिड को बहुत महंगा पड़ा। सरपंच के चुनाव में पराजित उम्मीदवार छुट्टन मीणा ने वोट नही देने पर उसका घर उजाड़ दिया। अशोक को उठाकर घर से बाहर ले जाकर एक जगह चारपाई से बांधकर मारा–पीटा। सूचना पर पुलिस ने अशोक को बदमाशो के चुंगल से छुड़ाया। अभियुक्तों ने महवा में एक मिस्त्री की दुकान पर काम करने वाले विधवा के दोनो बेटे राकेश एवं मुकेश की भी पिटाई कर उससे मजदूरी के पैसे भी छीन कर ले गये। इन दोनो घटनाओं को लेकर थ्प्त् छव 77ध्95 एवं 88ध्95 थाना महवा में दर्ज कराई किन्तु पुलिस ने कोई भी कार्यवाही नहीं की उसके कारण शांति ने गांव भी छोड़ दिया वह डा. किरोड़ीलाल से मिली। डा. किरोड़ीलाल ने इस विधवा महिला के प्रकरण को लेकर पुलिस मुख्यालय जयपुर में तीन दिन तक धरना दिया जब जाकर क्ळण श्री किशनलाल मीना के निर्देश पर गांव समलेटी में शांति जांगिड़ के घर पुलिस तैनात की जहां वह चैन से रहने लगी। इस प्रकार डा. किरोड़ीलाल ने एक विधवा की रक्षा की।
101ण	1995	ग्राम खण्डीप (गंगापुर) होली का डांडा प्रकरण में धरना।
102ण	1995	**रेल रोको आन्दोलन बसवा**ः– बसवा में रेल्वे फाटक 24 घण्टे खुला रहे उसके लिए 24 घण्टे गेटकीपर लगे इस मांग को पूरी करने के लिए बसवा स्टेशन के सामने रेल की पटरी पर बैठ गया और मांग पूरी होने पर हटा।
103ण	1995	दौसा में गोपाल जी की मूर्ति चोरी की बरामदगी हेतु आन्दोलन।
104ण	1996	आचार्य धर्मेन्द्र की गिरफ्तारी को लेकर भरतपुर में धरना।

105ण	1996	गुड्डी देवी (निवासी खण्डीप) की मुक्ति हेतु आन्दोलन।
106ण	1996	प्रवीण तोगडिया की सभा को लेकर गंगापुर में धरना।
107ण	1996	हरियाणा से यमुना नहर के अतिरिक्त जल का उपयोग करने एवं सवाईमाधोपुर क्षेत्र में बह रही चम्बल के पानी को लिफ्ट द्वारा एक स्थान पर मिलान कर, सवाईमाधोपुर, दौसा, जयपुर, अलवर, भरतपुर जिलों को पानी उपलब्ध कराये जाने हेतु 5.12.96 को दौसा में धरना।
108ण	जुलाई 1996	सरपंचों द्वारा भ्रष्टाचार को लेकर दौसा कलेक्टेट पर धरना।
109ण	20.9.1996	जयपुर में लालकोठी स्थित विवादास्पद जमीन पर जेडीए द्वारा जबरन बेदखली को लेकर 20.9. 1996 को धरना दिया गया। श्री रूपसिंह आईपीएस, निवासी जगजीवनपुर की शिकायत पर।
110ण	17.12.1996	गढहिम्मतसिंह (महवा) में हुए बबलू गुर्जर हत्याकांड को लेकर 17.12.1996 को मण्डावर थाने पर धरना दिया गया। उसके बाद हत्यारे गिरफ्तार हुए।
111ण	1997	**<u>मल्ली देवी अपहरण एवं बलात्कार कांड</u>**ः– राजस्थान कैडर के प्ै अधिकारी मधुकर टंडन अपने अर्दली सिपाही ख्यालीराम मीणा की पत्नी मल्लीदेवी को दौसा जिले के थाना बांदीकुई के गांव रामबास से 2 फरवरी 1997 को अपहरण कर नोएडा ;न्च्द्ध ले गये जहां उसने उसके साथ बलात्कार किया तथा इस आदिवासी महिला को बंधक बनाये रखा। इस घटना को लेकर थ्प्त् छव 69ध्97ए प् च्ब् 366ए 376 प्च्ब् – 3 `ैब्ध्ैज ंबज थाना बांदीकुई में दर्ज कराई गई तथा दूसरी थ्प्त् छव 83ध्97 ए प्ै 376 एवं 3 `ैब्ध्ैज ंबज की थाना नोएडा ;न्च्द्ध में भी दर्ज हुई। अर्दली ख्यालीराम ने अपनी पत्नी को छुड़ाने की कोशिश की किन्तु क्ळ टंडन ने उसे नहीं छोड़ा। अन्त में मल्ली देवी के पति ख्यालीराम डा. किरोड़ीलाल से मिले जहां डा. किरोड़ीलाल ने पहले बांदीकुई में धरना दिया बाद में जयपुर स्थित सिविल लाईन फाटक पर धरना दिया। मा0 भैरोसिंह शेखावत उस समय राज्य के मुख्यमंत्री थे तथा डा. किरोड़ीलाल दौसा के जिला प्रमुख थे। भैरोसिंह जी ने क्ळ मधुकर टंडन को `नेचमदक कर दिया। भरसक प्रयास के बाद भी मघुकर टंडन नहीं पकड़ा गया। इतने में 1998 के विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया जहां कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में इस घटना का जिक्र करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस का राज आ गया तो क्ळ टंडन को गिरफ्तार कर जेल के सींखचों में डाला जायेगा। 1998 में कांग्रेस का राज भी आ गया कई महीने निकलने के बाद कोई भी कार्यवाही सरकार ने नहीं की तो डा. किरोड़ीलाल पीड़ित महिला मल्लीदेवी एवं उसके पति को लेकर क्प् मधुकर टंडन की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठ गये। इस प्रकरण को विधानसभा में भी उठाया, इस समय डा. किरोड़ीलाल बामनवास से विधायक थे। किन्तु सरकार ने कोरे आश्वासन के सिवाय कुछ नहीं किया। मामला ठंडे बस्ते में चला गया। फिर 2010 में निर्दलीय सांसद रहते दुबारा यह मांग दोहराते हुए डा. किरोड़ीलाल अपने सैकड़ो समर्थको के साथ पुनः सिविल लाईन फाटक पर धरने पर बैठ गये, दो दिन के धरने के बाद डा. किरोड़ीलाल एवं उसके साथियों को आधी रात को गिरफ्तार कर अजमेर जेल में डाल दिया इस समय अशोक गहलोत दूसरी बार मुख्यमंत्री बने थे। कांग्रेस के घोषणा पत्र में जिस आदिवासी महिला के अपहरण कर बलात्कार करने वाले क्ळ मधुकर

		टंडन के गिरफ्तारी का आश्वासन प्रमुखता से दिया था वह क्ळ आज तक गिरफ्तार नही हुआ आदिवासी महिला आज भी न्याय की भीख मांग रही है। डा. किरोड़ीलाल की सिविल लाईन फाटक से की गई गिरफ्तारी को लेकर पूरे राज्य में सरकार के विरोध में घरने, प्रदर्शन किए गए। मजबूती से जनता द्वारा विरोध प्रकट किया गया जिस कारण सांसद डा. किरोड़ीलाल को अजमेर जेल से रिहा करना पड़ा। **तीन बार**
112ण	1997	कैलाश सैनी हत्याकाण्ड को लेकर दौसा में आन्दोलन।
113ण	1997	**मिश्री देवी प्रकरणः—** सिकराय के ठीकरिया गांव की एक महिला श्रीमती मिश्रीदेवी सरपंच बन गई, उससे पराजित हुए व्यक्ति ने 15 अगस्त को ग्राम पंचायत कार्यालय पर झंडा नही पहनाने दिया उसके साथ बदसलूकी भी की गई। कांग्रेस का राज था उसके साथ अपराध करने वाले भी कांग्रेस पृष्ठ भूमि के उनके खिलाफ जब कोई भी कार्यवाही नही हुई तो एक बडा धरना दिया गया जिसके बाद अपराधी गिरफ्तार हुए।
114ण	14.7.1997	**अंकित हत्याकांडः—** अंकिता हत्याकांड को लेकर धरना देकर हत्यारों को गिरफ्तार करवाया।
115ण	1997	करौली में मूर्ति खंडित किए जाने पर आन्दोलन।
116ण	1998	**रामकुमार गुर्जर हत्याकाण्ड देवरेन (जिला करौली) में पैदल मार्च**— जिला करौली के थाना टोडाभीम क्षेत्र के ग्राम देवलेन में गुर्जर समाज के लोगों ने ही गुर्जर समाज के एक व्यक्ति को मारकर पेड की चोटी पर लटकाने से सनसनी फैल गई। इसे आत्महत्या का रूप दिया जाने लगा। गुर्जर समाज के लोगो ने इस मौके पर डा. किरोडीलाल को बुलाया जहां पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के अनुसार वह हत्या थी। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक मौके पर आ गये थे। गुर्जर समाज के दिग्गज नेता श्री हंसराज गुर्जर इसे आत्म हत्या का रूप देने पर उतारू हो गये वहीं डा. किरोडीलाल ने हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हजारो की भीड के साथ देवलेन गांव से हिण्डौन की तरफ कूच कर दिया इस पर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने महूइब्राहिमपुर भीड को रोककर 302 में मुकदमा दर्ज कर हत्यारों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया तब कूच स्थगित कर दिया गया। बाद में जांच में गांव के लोग ही हत्यारे निकले जिन्हें गिरफ्तार कर लिया।
117ण	1998	**कम्पूरी देवी गुर्जर प्रकरणः**—बामनवास तहसील पहाड़ों पर एक गांव बसा है कोचर वहां ना स्कूल ना सड़क ना पीने का पानी ना ही बिजली, गांव बामनवास के एक और गांव के लोग पहाड से उतर कर दौसा जिला के लालसोट से पानी ले जाते थे। पानी लेने जा रही कोचर की एक महिला कम्पूरी गुर्जरी की प्यास के कारण रास्ते में ही मौत हो गई। इसको लेकर मैने पहले बामनवास में और बाद में लालसोट शहर में धरना दिया। दुकान—दुकान जाकर उस परिवार के लिए 1 लाख 87 हजार रूपये आर्थिक सहयोग हेतु राशि एकत्र की। लम्बा आन्दोलन किया जिसके बाद सरकार ने मांग मानते हुए उस गांव में स्कूल स्वीकृत की, लालसोट से पानी की योजना स्वीकृत की तथा लालसोट की तरफ से सड़क भी लगाई, बिजली भी भेजी। मा0 उच्च न्यायालय ने भी इसमें संज्ञान लिया जिस कारण पीडिता के बेटे को नौकरी भी मिली। इस आन्दोलन में प्रदेश अध्यक्ष मा. ललित किशोर चतुर्वेदी ने भी भाग लिया। **दो बार**

118ण	1998	पहाडिया परिवार की ज्यादतियों को लेकर भुसावर थाने पर धरना।
119ण	1998	**पदम हत्या काण्ड** सलेमपुर थाने में पुलिस अभिरक्षा में हुई सिंघनिया निवासी पदम मीणा की संदिग्ध मौत को लेकर डा. किरोडीलाल ने हिण्डौन में उपखण्ड़ अधिकारी के निवास के बाहर हजारों लोगों के साथ 7 दिवसीय धरना दिया उसके बाद थानेदार को निलम्बित किया एवं सारे पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर किया। इस आन्दोलन में मा. ललित किशोर चतुर्वेदी जी ने भाग लिया।
120ण	1998	**पारसोला (उदयपुर)** हत्याकाण्ड को लेकर आन्दोलन।
121ण	1998	**पुलिस अत्याचारों को लेकर आन्दोलन**:– सपोटरा क्षेत्र में हुई एक डकैती में पुलिस ने निर्दोष लोगों को पकड़कर बेरहमी से मारा–पीटा करीबन तीन दिन पुलिस उनको पीटती रही। थाना सपोटरा पर धरना देने के बाद जब जांच हुई तो डकैती में दूसरे निकले उन्हें गिरफ्तार करवाया।
122ण	1998	**युवक की हत्या को लेकर धरना**:– टोडाभीम में एक युवक की हत्या कर उसे कुएं में डाल दिया। आन्दोलन किया तो असली हत्यारे का पता लग गया।
123ण	1998	**कुडगांव–मण्डावरा ऊंट गाडी आन्दोलन**– इन छोटे लोगों को जो ऊंट गाडियों से पत्थर का व्यापार करते थे सैल्स टैक्स के अधिकारियों ने परेशान कर रखा था तो उसके हक की लडाई लडी।
124ण	1998	**संवासा खान आन्दोलन**:– ग्राम संवासा (लालसोट) में बडे पैमाने पर खनन कार्य चलता था जिसे विभाग ने रोक दिया उससे सैकडों परिवार बेरोजगार हो गये मैने खुद ने सब्बल उठाओं आन्दोलन करते हुए खान चालू कराई।
125ण	1998	**अग्निकाण्ड सालिमपुर**:– इस गांव के कोली मौहल्ले में आग लग गई जिससे उनका सब कुछ जल गया। बकरियां भी जल गई। उनको सहायता दिलाने के लिए महवा थाने पर धरना दिया।
126ण	1998	पालून्दा प्रकरण पर आन्दोलन।
127ण	1998	माली जाति/ गंगापुरसिटी महिला बलात्कार काण्ड पर आन्दोलन।
128ण	1998	**विधायक द्वारा जनता का दमन**:–महवा विधायक एवं उसके बेटे द्वारा लोगों को नाजायज परेशान करना आम बात थी। बडे पैमाने पर लोगों का दमन शुरू हो गये। इनके अत्याचार के कारण लोग एवं कार्यकर्ता भय ग्रस्त हो गये इसे दूर करने के लिए तीन दिन तक सैकड़ों लोगों के साथ धरना दिया तब जाकर मुक्ति मिली।
129ण	1998	सुमित्रा दहेज हत्याकांड पर आन्दोलन।
130ण	17.4.1999	सरकार की आरक्षण नीति के क्रियान्वयन को लेकर बरती जा रही ढिलाई पर सड़कों पर प्रदर्शन किए तथा विधानसभा में भी उग्र विरोध किया।
131ण	27.8.1999	महवा थानाधिकारी अजय यादव द्वारा कार्यकर्ताओ के दमन को लेकर थाने पर धरना।
132ण	1999	**कालीबाई अपहरण कांड** :– ग्राम चैनपुरा थाना खेड़लीगंज की एक विधवा सरूपी की विवाहिता 17 वर्षीय पुत्री कालीबाई का दिनांक 21.1.1999 को दिन दहाड़े बदमाशान गांव के खेत से माँ की उपस्थिति में बेटी का अपहरण कर ले गये जिसका मुकदमा नं. 15/1999, अन्तर्गत धारा 363, 366

		आईपीसी के तहत थाना खेड़लीगंज (जिला अलवर) में दर्ज कराया गया। इस सनसनी खेज घटना को लेकर खेड़लीगंज के व्यापारियों, सर्वसमाज एवं सब दल के लोगों ने दिनांक 22.2.99 को बाजार बन्द किया तथा दिनांक 25.2.99 को 21 लोगो की एक संघर्ष समिति ने रेल रोके जाने की चेतावनी भी प्रशासन को दे दी। किन्तु पुलिस की समझाईश के बाद रेल रोको आन्दोलन वापिस ले लिया। जब कई दिनों तक कोई भी कार्यवाही नही हुई तो जनता की मांग दिनांक 6.3.99 को खेड़लीगंज में डा0 किरोड़ीलाल ने 10–12 हजार की बडी सभा सम्बोधित करते हुए पुलिस से लड़की बरामदगी की मांग करते हुए चेतावनी दे डाली कि अगर दिनांक 12.3.99 तक बच्ची को बरामद नही किया गया तो दिनांक 13.3.99 से थाना खेडलीगंज पर बडी तादात में भूख हडताल की जायेगी। दिनांक 12.3.99 तक कालीबाई बरामद नहीं हुई तो दिनांक 13.3.99 को जनता को साथ लेकर डा. किरोड़ीलाल थाने के सामने धरने पर बैठ गये। जब इस धरने में जनता की भारी भीड़ उमड़ने लगी तो भारी पुलिस बल ने खेड़ली के समौची रेल्वे फाटक पर आने वाली भीड़ को बलपूर्वक रोक दिया तथा जहां डा. किरोड़ीलाल का धरना चल रहा था वहां पर लोगों नही आने दिया। समौची फाटक पर पुलिस बल द्वारा जनता को रोके जाने के बाद डा. किरोड़ीलाल वहां पहुंचे और उस आई भीड़ को धरना स्थल पर ले जाने लगे तो पुलिस ने शांतिपूर्वक आन्दोलन को कुचलने की दृष्टि से अन्धाधुन्ध गोलियां चलाना चालू कर दिया। जबरदस्त लाठीचार्ज किया जिसके कारण एक छात्र रमेश सैन घटना स्थल पर ढेर हो गया तथा एक छात्र मुरारीलाल बैरबा एवं एक अन्य व्यक्ति जिनके पेट, पीठ तथा आंतो में होकर गोली निकल गई उनको मौके से ही जयपुर रैफर कर दिया गया। पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज के चलते करीबन 150 लोग घायल हो गये जिसमें दर्जनों लोगो को खेड़लीगंज के अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से पुलिस ने रामप्रसाद, प्रधान सिकराय, बच्चू मीना निवासी भनोखर, धर्मेन्द्र, असलम एवं एक 13 वर्षीय छात्र मुकेश तथा कक्षा–10 में पढने वाले रामवतार मीना जिसकी परीक्षा 24 मार्च से होनी थी उन्हें उठाकर जेल की सीखंचों में डाल दिया। साथ में अपहृता लड़की के रिश्तेदार हबडू, सरदारसिंह, मूल्या, कंचन, सादूराम, रंगी, श्रवण एवं मनोहरी को भी जेल की सीखंचो में डाल दिया, गिरफ्तारी के बाद कस्बे में धारा 144 लगा दी, बावजूद इसके भी डा. किरोड़ीलाल ने अपना आन्दोलन जारी रखा और गांव–गांव जाकर लोगों को इकट्ठा कर 16 मार्च 1999 को एक बडी सभा आयोजित की जिसमें प्रतिपक्ष के नेता श्री भैरोसिंह शेखावत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री रघुवीरसिंह कौशल, उनके साथ आये करीबन एक दर्जन पूर्व मंत्री एवं विधायक जिनमें श्रीमान राजेन्द्र राठौड़, श्री सम्पतसिंह, श्री रामकिशोर मीना, श्री रोहिताश शर्मा, पूर्व विधायक श्री रमाकान्त शर्मा, विधायक श्री मदन दिलावर, श्री कन्हैयालाल मीना, श्री ज्ञानदेव आहूजा, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री समरथ लाल मीना, भरतपुर के भाजपा जिलाध्यक्ष डा. दिगम्बरसिंह, अलवर के जिलाध्यक्ष आदि सभा में उपस्थित हुए और मांग की कि अपहृत युवती को बरामद किया जाये और शांतिपूर्ण आन्दोलन पर फायरिंग करने वाले पुलिस अधिकारियों के विरूद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया जाये तथा पूरे प्रकरण की सीबीआई से जांच कराई जाये। सभा के बाद डा. किरोड़ीलाल अनिश्चित कालीन धरने पर बैठ गये और उधर खेड़ली काण्ड को लेकर भाजपा विधायको ने सदन में भी ये मांगे दोहराई और वॉक आउट भी किया। सतत

		आन्दोलन एवं विधानसभा में बने दबाव के कारण सरकार को मांग माननी पड़ी और पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई को देनी पड़ी। इस मामले को लेकर एक मनगढन्त मुकदमा नं. ..... अन्तर्गत धारा..... थाना खेड़लीगंज (जिला अलवर) में डा0 किरोड़ीलाल एवं उनके साथियों के विरूद्ध दर्ज कराया गया जो अभी अदालत में विधाराधीन है। **तीन बार**
133ण	1999	मासलपुर में पुलिस द्वारा फर्जी मुठभेड कर एक व्यक्ति को मार देने पर आन्दोलन।
134ण	1999	अमावरा (बामनवास) विस्फोट काण्ड पर **तीन दिवसीय** धरना।
135ण	1999	सवाईमाधोपुर में गौशाला की भूमि हेतु आन्दोलन।
136ण	1999	चम्बल की डाउन स्ट्रीम के पानी को लेकर सवाईमाधोपुर में धरना।
137ण	1999	**भरतपुर में ।उउनदपजपवद थ्बजवतल में विस्फोटः**– ।उउनदपजपवद थ्बजवतल में विस्फोट इतना जबरदस्त था कि आस–पास के कई गांवों के मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गये जनधन की भी व्यापक स्तर पर क्षति हुई। नुकसान की भरपाई हो उस दृष्टि से उस समय भरतपुर पहुंचे रक्षा मंत्री का घेराव किया बाद में कलेक्ट्रेट पर धरना दिया तो भारत सरकार ने विशेष पैकेज दिया।
138ण	1999	पथैना (भरतपुर) टोल टैक्स कांडः– पथैना तथा आस–पास के लोगों से खेड़लीगंज में प्रवेश के समय टोल टैक्स लिया जाता था जिससे लोगों का शोषण हो रहा था। आन्दोलन कर इस अवैध टोल को बन्द करवाया।
139ण	1999	नादौती के ग्राम कैमला में अनियमित बिजली सप्लाई के विवाद को लेकर आन्दोलन।
140ण	1999	दिनांक 2.6.1999 को धरना पीपल्दा, पिपलेट, सिचाई योजना की स्वीकृति हेतु धरना।
141ण	1999	सरमथुरा पुलिस ने (धौलपुर) में 22.4.1999 को मदन पर गोलारी के निर्दोष व्यक्तियों को डकैत समझकर मार दिया उसको लेकर आन्दोलन किया।
142ण	1999	25 जनवरी 1999 को सरमथुरा थाना क्षेत्र निवासी भौमपुर हलुका व्यक्ति की डकैतो ने नाक, कान काट दिए उसको लेकर 2 दिन तक सरमथुरा में धरना दिये।
143ण	2000	**भांवरा काण्डः–** जिला सवाईमाधोपुर के ग्राम भांवरा में 4 फरवरी 2000 को पंचायत चुनाव में पोलिंग पार्टी के साथ हुए विवाद को लेकर थ्त् छव 20ध्2000 थाना बामनवास में मुकदमा दर्ज हुआ। इस मुकदमे को लेकर पुलिस गांव की जनता के साथ अत्याचार किए। पुलिस ने महिलाओं को निर्वस्त्र कर नंगा दौडाया उससे महिला संगठनों सहित क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। इस इस मामले को लेकर डा. किरोड़ीलाल ने आन्दोलन किया पुलिस के दमन एवं अत्याचारों के खिलाफ 26.6.2000 को प्रतिपक्ष के नेता श्रीमान भैरोसिंह शेखावत को बुलाकर एक बडी सभा की। भांवरा के लोग पुलिस के डर के कारण गांव से पलायन कर गये इसलिए 16 फरवरी 2000 को मैने सुकार गांव से भांवरा तक पैदल यात्रा की। महिला संगठन, लोकायुक्त एवं मीडिया तथा सरकार के मंत्री ने माना कि भांवरा में महिलाओं को नंगा कर दौडाया। इस मुद्दे को मैने प्रभावी ढंग से उठाकर जनता को राहत प्रदान की। **दो बार**

144ण	2000	**बहरावण्डा कला अपहरण काण्ड**ः– सवाईमाधोपुर के बहरावण्डा के एक युवक को डकैत अपहरण कर मध्यप्रदेश ले गये। फिरौती के लिए बडी रकम मांगी। इसे लेकर मध्यप्रदेश भी गये तथा बाद में बहरावण्डा से पैदल कूच किया इसके बाद पुलिस ने युवक को सुरक्षित बरामद कर लिया।
145ण	2000	तीन बच्चों की हत्या को भूत–प्रेत बताने पर न्याय हेतु **दो दिवसीय** धरना।
146ण	2000	बांदीकुई के चेतन सोनी हत्याकाण्ड को लेकर कर्फ्यू का उल्लंघन कर धरना।
147ण	3.2.2000	मण्डावर के भवानीसिंह हत्याकांड को लेकर 3.2.2000 को मंडावर थाने पर धरना दिया।
148ण	मार्च 2000	आपरेशन पिंक में महेन्द्र मीणा का मकान अवैध रूप से ध्वस्त करने पर आत्महत्या कर लिए जाने को लेकर धरना दिया तथा महेन्द्र के परिवार को आर्थिक पैकेज दिलवाया।
149ण	24.3.2000	मुस्लिम समाज द्वारा बालाहेडी निवासी मूलचन्द्र प्रजापत की बेटी के अपहरण को लेकर धरना।
150ण	अप्रेल 2000	आपरेशन पिंक के विरोध में बडी चौपड जयपुर में धरना।
151ण	2000	राज्य में कांग्रेस राज्य के दौरान एस.टी / एस.सी की महिलाओं के विरूद्ध बढ रहे अपराधों को लेकर आन्दोलन।
152ण		हलैना हत्याकांड को लेकर भुसावर थाने पर सैकड़ों लोगों के साथ धरना दिया गया।
153ण		गजेन्द्र प्रकरणः–
154ण	5.6.2000	सिपाही दामोदर के हत्याकांड को लेकर 5.6.2000 को धरना दिया गया।
155ण	19.6.2000	धर्मेन्द्र मेघवंशी की अजमेर में पुलिस हिरासत की मौत में कार्यवाही को लेकर 19.6.2000 को जयपुर में धरना दिया गया।
156ण	10.7.2000	जिला सवाईमाधोपुर के चौथ का बरवाडा क्षेत्र के बघीना गांव में हुए नरसंहार में अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर 10.7.2000 को सवाईमाधोपुर मुख्यालय पर धरना दिया गया।
157ण	10.8.2000	ग्राम सलालपुर गंगापुर में मिट्ठू माली के अपहरण को लेकर उपखण्ड कार्यालय गंगापुर पर धरना।
158ण	नवम्बर 2000	**शांति मीणा आत्मदहा प्रकरण**ः– बस्सी चक में शांति मीणा के परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने के लिए नेशनल हाईवे–11 पर चक्का जाम कर दिया। जेडीए की कार्यवाही के दौरान शांति का मकान तोड दिया जिससे उसने तेल छिडक कर मौके पर ही आत्मदाह कर लिया। आन्दोलन के कारण कलेक्टर मौके पर पहुंचे तथा ठोस कार्यवाही के बाद आन्दोलन समाप्त कर दिया।
159ण	2000	**आमेर में विदेशी महिला के अत्याचार को लेकर आन्दोलनः–** एक विदेशी महिला श्रीमती रश्मि डिकिन्सन वीजा पर विदेश ;इग्लैण्डद्ध से भारत यात्रा पर आई और उसने यहां सरकार से सांठ–गांठ कर कोडियों के भाव में आमेर फोर्ट के पास जमीन खरीद ली। वीजा पर आया कोई विदेशी ट्रस्ट गठित कर हमारे देश में जमीन नही खरीद सकता किन्तु रश्मि डिकिन्सन ने यह

		कमाल कर दिखाया। आमेर में आदिवासियों की जमीन पर फर्जी कागजात बनवाकर कब्जा कर लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुरली मनोहर जोशी जी ने भी इसकी सिफारिश की तथा श्रीमती वसुन्धरा राजे ने भी इसे सपोट किया, 10 जनपथ से भी इसे सहयोग प्राप्त था जिस कारण इस संदेह के घेरे में आई महिला को गहलोत सरकार ने इसे जमीन दे दी। किन्तु मैने इसके खिलाफ आन्दोलन किया तथा इस विदेशी महिला के पैर नही टिकने दिये एवं गैर कानूनी रूप से हांसिल की गई जमीन से कब्जा हटवाकर आदिवासियों को कब्जा बहाल करवा दिया।
160ए	2001	**रामगढ पचवारा प्रकरणः—** ग्राम आभानेरी में हुए एक विवाह को लेकर पुलिस प्रशासन ने गांव के करीबन 13 नर—नारियों को गिरफ्तार कर लिया, ये सारे गिरफ्तार लोग निर्दोष थे। इसके लिए बड़ी सभा के बाद थाने के सामने विशाल धरना दिया गया और रविवार के दिन दौसा सर्किट हाउस में अदालत में सुनवाई करने के बाद ।ब्श्रड ने सभी लोगों को छोड़ दिया।
161ए	2001	सवाईमाधोपुर में धमान्तरण के विरूद्ध आन्दोलन।
162ए	2001	ओलवाडा एवं इन्दिरा लिफ्ट सिंचाई योजना की स्वीकृति हेतु 20 अक्टूबर 2001 को सवाईमाधोपुर कलेक्ट्रेट पर धरना।
163ए	दिस. 2001	खण्डार, बामनवास, कैलादेवी, गंगापुर, टोडाभीम की विभिन्न घटनाओं को लेकर आन्दोलन।
164ए	2001	राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ आन्दोलनः— सन् 2001 मे ग्राम मलारना डूंगर एवं बहतेड (जिला सवाईमाधोपुर) में सिमी की राष्ट्र विरोधी गतिविधि चरम पर थी। 15 अगस्त के दिन मलारना डूंगर की उच्च माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्र विरोधी तत्वों ने तालिबान के समर्थन में नारे लिख दिए, दीवारों पर पाकिस्तान जिन्दाबाद लिख दिया। राष्ट्रगान का विरोध किया। इसको लेकर सवाईमाधोपुर में 7 दिवसीय धरना दिया गया तथा ऐसे राष्ट्र विरोधी तत्वों को चिन्हित कर गिरफ्तारी की मांग की गई। इस राष्ट्र विरोधी अभियान में मलारना डूंगर एवं बहतेड के कुछ लोगों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने के बाद धरना समाप्त कर दिया।
165ए	2001	फूलचन्द हत्याकाण्ड सांगानेर को लेकर आन्दोलन।
166ए	18.2.2002	जेडीए जयपुर की कई महत्वपूर्ण जमीनों पर भू—माफियाओं ने कब्जा कर लिया। इसे लेकर 18.2. 2002 को जेडीए का घेराव किया गया।
167ए	फरवरी 2002	खण्डार के सोन कच्छ में सुशीला गुर्जर की हत्या को लेकर धरना।
168ए	2002	**गंगापुर गोली कांडः**— गंगापुर सिटी (जिला सवाईमाधोपुर) में बालाजी चौक वाले हुनमान जी के मंदिर में हर वर्ष की भांति काफी श्रद्धालु 25 मार्च 2002 को हवन यज्ञ के दर्शनार्थ उपस्थित थे। बिना कोई पूर्व चेतावनी के पुलिस ने श्रद्धालुओं को चारों तरफ से घेरकर लाठियों से मारना पीटना शुरू कर दिया। इस कारण अफरा—तफरी मच गई। श्रद्धालु अपने बचाव में इधर—उधर मागने लगे इसी बीच तत्कालीन उपखण्ड अधिकारी वृत्ताधिकारी, थानाधिकारी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने गोलियां चलाना शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उपखण्ड अधिकारी के हाथ में रिवाल्वर था जिससे वो गोलियां चला रहा

		था तथा निर्दोष लोगों पर अंधा–धुन्ध गोलियों की बौछार होने लगी जिसमें धर्मसिंह तो गोली लगने से ढेर हो गया और उसकी मृत्यु हो गई। अनेक लोग गोलियों की बौछारों से घायल हो गये। उक्त अधिकारीगण एवं पुलिसकर्मी भागते हुए श्रद्धालुओं का पीछा करते हुए गोलियां चलाते रहे। वकील कैलाशचन्द शर्मा का ऑफिस (जो कि एक मंजिल पर है) में खडे सतीश चन्द को पुलिस ने गोलियों से भून डाला उसे जान से मार डाला। इस प्रकार पुलिस अधिकारियों एवं उपखण्ड अधिकारी की तानाशाही के कारण तीन युवक शहीद हो गये एवं अनेकों घायल हो गये उनमें से कई तो आज तक भी विकलांग है। इस घटना के बाद शहर में अचानक कर्फ्यू लगा दिया गया जिससे घायलों को चिकित्सा दिलाना भी असंभव हो गया, अनेक गंभीर घायलों को जयपुर के सवाईमानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया। मैने प्रशासन की इस घिनौनी घटना के विरोध में जनसमर्थित आन्दोलन किया तथा पूरी पार्टी ने इसे दमदारी से उठाया, हिन्दु संगठन भी इसमें कूद पड़े, प्रतिपक्ष के नेता, एक दर्जन विधायक भी गंगापुर इस आन्दोलन में शामिल हुए। आखिर में पुलिस सहित उपखण्ड अधिकारी को निलम्बित किया गया तथा हत्या का मुकदमा दर्ज किया, न्यायिक जांच के आदेश सरकार ने किए। **दो बार**
169	2002	गढहिम्मतसिंह गांव के बबलू गुर्जर की बदमाशों ने हत्याकर दी उसको इंसाफ दिलाने हेतु धरना।
170	2002	**पांचना पानी को लेकर आन्दोलन** – पांचना के पानी को छोडे जाने के लिए जन समर्थित आन्दोलन किया गया किन्तु बगलाई के एक युवक की मौत के बाद उसे स्थगित कर दिया गया।
171	2002	मीणा छात्रावास प्रकरण सवाईमाधोपुर हेतु आन्दोलन।
172	2002	सवाईमाधोपुर में लटिया नाले को सूरवाल बांध में डाले गाव के लिए 22 जुलाई 2002 को सवाईमाधोपुर में धरना।
173	2002	चम्बल नदी की इन्दिरा लिफ्ट सिंचाई योजना को स्वीकृत कराने के लिए 20 अक्टूबर 2002 को सवाईमाधोपुर कलेक्ट्रेट पर धरना।
174	2002	पुलिस द्वारा शराब माफियाओं से मिलकर बस्सी क्षेत्र में शराब का अवैध कारोबार करने पर जयपुर में धरना।
175	जुलाई 2002	टोडाभीम तहसील की 11 पंचायतों को दौसा में शामिल करने एवं मण्डावर को उपतहसील बनाने के लिए आन्दोलन।
176	अक्टूबर 2002	बिलौनाकलां मूर्ति चोरी प्रकरण हेतु धरना।
177	2002	एक मासूम बच्चे महवा के ठेकडा में एक मासूम बच्ची का गला रेतकर हत्या कर दी थाना महवा पर धरना देकर हत्यारे को गिरफ्तार कराया गया।
178	2002	मण्डावर में तहसील खोले जाने हेतु धरना दिया गया।
179		चैराई (जोधपुर) में एक युवक बाबूलाल भील की हत्या कर दी थी उसमें अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए आन्दोलन किया गया।
180	2002	वन विभाग के अधिकारियों ने वन क्षेत्र में होकर गुजरने वाली परिक्रमा मार्ग को बन्द कर दिया। सैकडो कार्यकर्ताओं को साथ लेकर नेशनल पार्क में प्रवेश किया और आन्दोलन कर परिक्रमा मार्ग को खुलवाया।

181ए	2002	हलैना हत्याकांड को लेकर धरना।
182ए	2003	हिण्डौन में ब्लैक मेल कर महिलाओं के देहशोषण को लेकर आन्दोलन।
183ए	2003	**<u>कुसुमलता अपहरण काण्डः–</u>** एक वर्ग विशेष ;मुस्लिमद्ध समाज कंटको ने कुसुमलता नाम की युवती का अपहरण कर लिया। बरामद नही होने पर समाज के लोगों ने धरना भी दिया। अपहरण कर्ताओ का पता नही लगने तथा उनके गिरफतार नही करने के बाद डा. किरोड़ीलाल ने ग्राम चकेरी जिला सवाईमाधोपुर में एक बडी सभा आयोजित कर रेल्वे टेक चकेरी के पास जाम करने के लिए 20 हजार लोगों की भीड़ को लेकर रेल पटरियों के दोनों तरफ बैठ गया। इससे दबाव में आये कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ट्रैक के पास पहुंच गये जहां उन्होने लड़की को बरामद कर अपहरणकर्ता को गिरफ्तार करने की सूचना दी। तब जाकर रेल्वे ट्रेक पर दिया गया **<u>7 दिवसीय</u>** धरना समाप्त किय
184ए	2003	कोट नरमुण्ड काण्ड को लेकर धरना।
185ए	2003	नेमीचन्द हत्याकाण्ड, सवाईमाधोपुर।
186ए	2003	आरक्षण के मुद्दे को लेकर 2.10.2003 को जयपुर में विशाल रैली एवं पैदल मार्च कर धरना।
187ए	2003	जिला दौसा की तहसील लालसोट के ग्राम सुन्दरपुर में जमुनादेवी बैरवा की भूख से मौत को लेकर 10 मई 2003 को उपखण्ड मुख्यालय लालसोट पर धरना।
188ए	2003	जिला सवाईमाधोपुर की तहसील बामनवास के ग्राम रमजानीपुरा में 19 जून 2003 को...... मौत को लेकर बामनवास में धरना
189ए	2003	**<u>छात्रसंघ चुनाव धांधली को लेकर आन्दोलन</u>**ः– कांग्रेस राज में राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनाव के दौरान जब धांधली हो गई तो मैने छात्रों का नेतृत्व करते समय निष्पक्ष चुनाव कराने एवं परिणाम घोषित करने की मांग की थी, किन्तु हमारी बात को नही सुना गया और पुलिस ने मुझे सहित अनेक छात्र, प्रेस रिपोटर आदि पर प्राणा घातक हमला किया तथा द्वैषभाव से दो मुकदमें भी हमारे खिलाफ दर्ज कर लिए। इस प्रकरण को लेकर आन्दोलन किया जब जाकर परिणाम घोषित होने पर ;ठटच्द्ध का उम्मीदवार विजयी घोषित किया।
190ए	2003	धौलपुर में हुलासपुरा काण्ड को लेकर प्रदर्शन एवं धरना।
191ए	6.5.2003	पीलौदा लूट प्रकरण को लेकर धरना।
192ए		अलवर के गोविन्दगढ में एक युवक रोशन लाल की दिन दहाडे हत्या को लेकर धरना दिया गया जिसके बाद हत्यारे गिरफ्तार हुए।
193ए	12.6.2003	झूंथी देवी प्रकरण पर अनशन।
194ए	16.5.2003	पुलिस थाना कोतवाली दौसा में युवक की हिरासत में मौत को लेकर आन्दोलन।

195ण	मई 2003	रसद सामग्री की कालाबाजारी को लेकर मण्डावर थाने पर धरना।
196ण	जून 2003	वृताधिकारी एवं थानाधिकारी टोडाभीम द्वारा रज्जू पटेल एवं रामप्रसाद को दी जा रही यातनाओं को लेकर धरना।
197ण		लालसोट में सट्टा बाजार की अवैध गतिविधियों को रोके जाने को लेकर आन्दोलन।
198ण	31.7.2003	पानो देवी नांदरी हत्याकांड को लेकर आन्दोलन।
199ण	जुलाई 2003	धौलपुर की बाडी में दो समुदायों में फैले तनाव को लेकर उपखण्ड अधिकारी कार्यालय पर धरना।
200ण	26.6.2006	सवाई गैटोर सांगानेर द्वारा गरीब किसानों की जमीन पर फर्जी कारिस्तानी कर कब्जा कर लिया। श्री नाथू मीणा एवं राजेन्द्र गुडली तथा वहां के सैकड़ों लोगों की शिकायत के बाद 26.6.2006 को कलेक्ट्रेट जयपुर का घेराव कर जमीन को मुक्त करवाया।
201ण	5.1.2008	कैलादेवी ट्रस्ट की अनियमितताओं एवं मनमानी को लेकर 5.1.2008 को करौली कलेक्ट्रेट पर धरना दिया गया उसके बाद सरकार ने ट्रस्ट जांच के आदेश दिए।
202ण	23.1.2008	**थानाधिकारी खेडलीः**— द्वारा अनुसूचित जनजति की महिला का बलात्कार करने की घटना को लेकर मुख्य सचिव के घर धरना।
203ण	23.1.2008	हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए नांगल राजावतान थाने पर धरना।
204ण	फरवरी 2008	गौतम ऋषि मेले में एस.टी. के लोगों के विरूद्ध पुलिस ज्यादतियों को लेकर धरना।
205ण	मार्च 2008	**सूरतगढ की रेणु सोनी** की सुसराल पक्ष वालों ने हत्याकर दी जिसमें कार्यवाही हेतु आन्दोलन।
206ण	18.4.2008	सवाईमाधोपुर सीमेन्ट फैक्ट्री में चोरियों पर अंकुश लगाने के लिए सवाईमाधोपुर कलेक्ट्रेट पर तीन दिन तक धरना।
207ण	29.7.2008	तहसील महवा के ग्राम लालपुर निवासी सुमरथ मीणा जयपुर में पढते थे, समाज कंटकों ने उस पर दिन दहाडे चाकूओं से हमला कर दिया जिसके कारण उसकी मौत हो गई हत्यारों को गिरफ्तार करने के लिए 29.7.2008 को बड़ी संख्या में भीड के साथ शासन सचिवालय का घेराव किया तब कहीं जाकर हत्यारे गिरफ्तार हुए।
208ण	25.8.2008	श्रीराम मंदिर मूर्ति चोरी प्रकरण कुडगांव को लेकर आन्दोलन।

209	2008	**20 सितम्बर 2008 को** सवाईमाधोपुर के दो महत्वपूर्ण चौराहो पर हठीले राव हमीर अम्बेडकर की प्रतिमाओ को जन आन्दोलन कर समर्थको के साथ स्थापित किया गया।
210	11.12.2008	**अलवर के हिंसक लोगों के खिलाफ आन्दोलन**:– गढीसवाईराम में चुनाव के बाद उपजी हिंसा एवं लूटपाट को लेकर घटना देने के बाद उपद्रवियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो सका तथा उनके विरूद्ध प्रशासन द्वारा सख्त विरोधात्मक कार्यवाही अमल में लाई गई।
211	दिसम्बर 2008	सवाईमाधोपुर मुख्यालय पर बेशकीमती भूखण्ड पर कब्जा को हटाने को लेकर आन्दोलन।
212	2008	**मंगलम होटल, मेहन्दीपुर बालाजी प्रकरण:—**दिनांक 30.4.2008 को अलवर से महवा तथा महवा से जयपुर जाने के दौरान मंगलम रूक गया। मुझे अति विश्वसनीय सूत्र ने सूचना दी कि इस होटल में कुछ असामाजिक तत्व अवैध हथियारों के साथ ठहरे हुए हैं। सूत्रों ने यह भी जानकारी दी कि शायद उन लोगों की प्राणघातक हमला करने की योजना हो सकती है, इस पर मैने होटल मालिक से पुलिस द्वारा तलाशी करवाने का निवेदन किया, उनकी अनुमति के बाद पुलिस चौकी, मेहन्दीपुर बालाजी को मंगलम होटल ठहरे संदिग्ध लोगो की सूचना दी। इससे पूर्व थाना मानपुर पुलिस को भी सूचना दी गई थी। परन्तु मानपुर थाने से कोई पुलिसकर्मी नही आया। मेहन्दीपुर बालाजी पुलिस चौकी से दो पुलिसकर्मी आये तथा मेरी एस्कोर्ट में लगे पुलिसकर्मियों ने मिलकर मंगलम होटल के तीन कमरों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पकडे गये 18 युवको के पास पुलिस को 2 अवैध हथियार भी मिले जिन्हें पुलिस अपने साथ ले गई। किन्तु इनके एक दर्जन से अधिक सभी 4 वाहनों के साथ मंगलम होटल से फरार हो गये। ये युवक जिन वाहनों से फरार हुए थे उनमें से एक टाटा सफारी नम्बर–एच.आर.–35सी–8922 के नम्बरों की जानकारी भी पुलिस को दे दी गई थी। जिसमें संदिग्ध अपराधी मय हथियारों के लेस थे फरार हो गये। दो गाडियां कही अन्यत्र मोर्चा लिए हुए बताई गई। मा0 मुख्यमंत्री वसुन्धरा जी की दखल से अपराधियों को छोड दिया और मुझ सहित मेरे स्टॉफ तथा कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मुझे हतोत्साहित किया। मेरे पीए एवं गनमैन को तथा बाद में कार्यकर्ताओं को गिरफतार कर लिया इसको लेकर मैने दौसा कलेक्टेट का घेराव कर **दो दिवसीय** धरना दिया।
213	2008	**विभिन्न समस्याऐं यथा**:— स्वतंत्रता सेनानी कवल नयन के साथ मारपीट, खेड़लीगंज थानेदार द्वारा जनजाति महिला के साथ बलात्कार एवं दौसा की महावर जाति की महिला के साथ पुलिस द्वारा अत्याचार के मामलों को लेकर मुख्य सचिव के आवास पर धरना।
214	2008	बृजमोहन हत्याकांड रिवाली (बामनवास) जिला सवाईमाधोपुर को लेकर धरना।

215ण	2008	बौंल में देवरेन के गुर्जरों की भीड ने 2008 में बर्बर हमला कर उनके घरों को उजाड दिया था उन्हें न्याय दिलाने के लिए आन्दोलन किया और समाज कंटकों को गिरफ्तार करवाया।
216ण	2009	**दाखादेवी माली हत्याकांडः**– सूरवाल गांव की एक मालिन दाखादेवी की खेत में काम करते हुए अपराधियों द्वारा पैर काट कर उसके कडे ले गये। इस नृशंश हत्या से क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए सितम्बर 2009 में कलेक्ट्रेट पर धरना दिया।
217ण	2009	नेशनल पार्क से सटे गांव के धमडी माली को टाईगर ने हमला कर दिया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। उसे आर्थिक पैकेज दिलाने के लिए सवाईमाधोपुर में धरना दिया गया।
218ण	2009	**जयपुर कूच** (पूर्वी राजस्थान की विभिन्न समस्याओं को लेकर 50 हजार लोगों को लेकर दौसा से जयपुर कूच।
219ण	2009	लालसोट में अवैध आरा मशीन, क्रेशर एवं अवैध खनन को लेकर आन्दोलन।
220ण	2009	**मण्डावरी गोली काण्ड** को लेकर लालसोट थाने पर धरनाः– मण्डावरी में पार्टी के कार्यकर्ता श्री सुरेश मीणा पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी और राजनैतिक दबाव में पुलिस ने उसे ही थाने पर बैठा लिया। थाने पर तीन दिन तक विशाल धरना देने के बाद फायरिंग करने वालों को गिरफ्तार किया गया।
221ण	2009	दौसा में वाहन चोरों के खिलाफ **दो दिवसीय** धरना।
222ण	2009	ओलवाडा (सवाईमाधोपुर) गोलीकाण्ड को लेकर सवाईमाधोपुर कलेक्ट्रेट पर धरना।
223ण	2009	छब्ज दिल्ली में ैण्ज के आरक्षण को लेकर धरना।
224ण	2009	महन्त के अत्याचार को लेकर घाटा मेहन्दीपुर के महन्त द्वारा दलितो की जमीन पर कब्जा कर लिया दलितों की जमीन को महन्त से मुक्त कराये जाने हेतु कलेक्ट्रेट दौसा पर तीन दिवसीय धरना दिया जब प्रशासन ने सहयोग नहीं दिया तो डा. किरोडीलाल बालाजी धाम पहुंचकर तीनों विधवाओं (खातेदारों) को कब्जा कर उनकी जमीन पर बसा दिया।
225ण	2009	सवाईमाधोपुर में एक टाइगर ने एक माली युवक को खा गया उसकी मौत हो गई उसके परिवार को मुआवजा दिलाने हेतु धरना।
226ण	2009	वन विभाग ने नेशनल पार्क के अन्दर स्थित गणेश मार्ग की परिक्रमा को बन्द कर दिया उसे चालू कराने हेतु आन्दोलन।
227ण	2009	टोल प्लाजा राजाधोक की अवैध वसूली को लेकर धरना।
228ण	2009	रामगढ (अलवर) थाने में पुलिस की अभिरक्षा में हुई मौत के विरोध में धरना।
229ण	2009	**सरिस्का बचाओं आन्दोलनः–**अलवर के सरिस्का अभ्यारण में असरदार लोगों ने अवैध रूप से बडी होटल एवं रिसोर्ट का वन क्षेत्र में बडे पैमाने पर निर्माण कर लिया। कई लोगो ने अभ्यारण

		क्षेत्र या उससे सटी हुई सीमा पर फार्म हाउस बना लिए तो दूसरी तरफ वन विभाग के अधिकारी गांव वालों को जंगलात में पशु नहीं चराने देते। वन विभाग द्वारा गांवों को बलपूर्वक खाली कराया जा रहा है किन्तु आस्था के प्रसिद्ध स्थल पाण्डुपोल धाम पर भी दर्शन पर पाबन्दी लगा दी। सरिस्का क्षेत्र का सीमा ज्ञान नहीं कराये जाने के कारण गांव वाले परेशानी में थे। इन सभी धरातल की समस्याओं के समाधान के लिए सरिस्का बचाओ आन्दोलन लम्बे समय तक बडे पैमाने पर किया गया जिसका नेतृत्व डा. किरोडीलाल ने किया। आन्दोलन को लेकर पुलिस प्रशासन के द्वारा डा. किरोड़ीलाल एवं उनके साथियों के विरूद्ध प्रशासन ने करीबन तीन मुकदमें विभिन्न थानों में दर्ज करवा दिये। **<u>दो बार</u>**
230ए	2009	लालसोट तहसील के जयसिंहपुरा गांव के सांवलराम एवं शिवप्रसाद की कुए में कार्य करते समय दब जाने के कारण मौत हो गई। आन्दोलन कर सरकार से उन्हें आर्थिक सहायता दिलाई।
231ए	2009	लोकसभा चुनाव में धांधली को रोकने तथा भाण्डारेज ग्राम में हुए हमले को लेकर दौसा कोतवाली पर विशाल धरना।
232ए	2009	**<u>नेशनल पार्क को लेकर आन्दोलन</u>**ः– नेशनल पार्क रणथम्भौर में भैंस चराओ आन्दोलन सवाईमाधोपुर में नेशनल पार्क से सटे गांवों में वन विभाग द्वारा चरागाह विकसित नही करने के कारण पशुओं को चरने की जगह नही मिली तो नेशनल पार्क में भैंस चराओं आन्दोलन किया गया जब जाकर वन विभाग ने घास बैंक बनाया। – **<u>दो बार</u>**
233ए		नेशनल पार्क रणथम्भौर एवं सरिस्का के वन क्षेत्र में बनी अवैध होटलों को हटाये जाने हेतु धरना।
234ए	2009	जयपुर में राजाधोक पर स्थित टोल प्लाजा पर स्थानीय लोगों के साथ मारपीट एवं अवैध वसूली को लेकर पुनः 10.9.2009 को धरना दिया।
235ए	2009	**<u>सिविल लाइन्स फाटक जयपुर में विभिन्न समस्याओ को लेकर धरना। 29.12.2009 की रात्रि को गिरफ्तार कर अजमेर जेल में डाल दिया</u>**ः–राज्य के केबीनेट मंत्री श्री परसादी लाल के खिलाफ दर्ज हत्या का मुकदमा नं. 295/2006 थाना गांधीनगर, राजस्थान विधानसभा के स्पीकर श्री दीपेन्द्रसिंह शेखावत द्वारा अपने खुद के विधानसभा स्थित चैम्बर में सीकर के एक दलित को इतना पीटा कि उसने चैम्बर में ही दम तोड़ दिया। तथा इनके साथ–साथ गोपालगढ काण्ड एवं एक क्ळ टण्डन द्वारा एक आदिवासी महिला के अपहरण में कार्यवाही की मांग को लेकर 15.9.2011 एवं 16.9.2011 को राज्य के गृहमंत्री के आवास पर धरना दिया। सिविल लाइन फाटक पर दो दिन धरना देने के बाद गिरफ्तार कर अजमेर जेल में डाल दिया।
236ए	2009	**<u>पैदल कूच एवं धरना</u>**ः– क्षेत्र के लोगों को प्ळछच का पानी नहीं मिल रहा था इसलिए 20 अक्टूबर 2009 को महती पानी की मांग को लेकर खाजूवाला से पैदल कूच एवं बीकानेर कलेक्ट्रेट का घेराव किया गया।
237ए	2009	जयपुर–आगरा रोड स्थित बाल्टी फैक्ट्री पर राज्य के सरपंचों की समस्याओं के समाधान के लिए धरना दिया गया।
238ए	2009	राज्य में धानका जाति को ॅज से बाहर किए जाने हेतु 23 फरवरी 2009 को पैदल मार्च कर शासन सचिवालय का घेराव किया।

239ण	2009	किसानों की समस्याओं को लेकर एक किसान आन्दोलन किया गया।
240ण	2009	**<u>गोठडा गोली काण्डः–</u>** चुनाव पर्यवेक्षक ने ग्राम गोठडा (दौसा) में मतदान के दौरान तुगलकी फरमान जारी करते हुए फायरिंग के आदेश दे दिए जिस कारण एक जवान मौके पर ही मर गया एवं अनेको गम्भीर रूप से घायल हो गये। इस अन्याय के खिलाफ मृतक की क्मंक ठवकल को लेकर हजारों लोगो की तादात में मैने कलेक्ट्रेट पर धरना दिया था। धरने के बाद पर्यवेक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया तथा मृतक के परिजनो को आर्थिक सहायता दी किन्तु धरने से चिढकर पुलिस ने हमारे खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।
241ण	2009	**<u>सरिस्का बचाओं आन्दोलन</u>**ः– मालाखेडा जिला अलवर सरिस्का वन क्षेत्र में होटलों के अवैध निर्माण एवं वन क्षेत्र में भूमि के कब्जे को लेकर हजारों लोगों के साथ मैने सरिस्का बचाओ आन्दोलन किया था करीबन 16 हजार महिलाओं ने थानागाजी से भर्तहरिधाम तक पैदल मार्च कर सरकार का ध्यान आकर्षित किया था, जिसको लेकर हमारे खिलाफ मुकदमे लगाये गये। **<u>दो बार</u>**
242ण	2009	जन समस्याओं को लेकर रास्ता रोको आन्दोलन दौसा।
243ण	10.6.2009	दलित युवक की नांक में नकेल डालने को लेकर आन्दोलन के बाद अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।
244ण	17.6.2009	दौसा में बिगडती कानून व्यवस्था को लेकर कलेक्ट्ेट पर धरना।
245ण	2009	बंजारा बस्ती तालसोट को लेकर आन्दोलनः– काफी तादात में डीडवाना में बंजारा जाति के लोग काफी लम्बे समय से निवास करते थे किन्तु प्रशासन ने उन्हें अतिक्रमणी मानकर डीडवाना से खदेड़ दिया। आन्दोलन कर उन्हें डीडवाना औद्योगिक क्षेत्र में उचित स्थान पर भूमि उपलबध करवाकर बसवाया।
246ण	23.3.2010	लालसोट कस्बे में सडक हादसे में हुई दो युवकों की मृत्यु के लिए आर्थिक पैकेज हेतु लालसोट में धरना दिया गया।
247ण	अप्रेल 2010	अफीम की खेती में किसानों को आ रही समस्याओं को लेकर प्रतापगढ कलेक्ट्रेट पर **<u>दो बार</u>** धरना दिया गया।
248ण	अप्रेल 2010	दौसा तहसील के सूरजपुरा गांव के सीताराम की हत्या के दोषियों की गिरफ्तारी को लेकर सैकड़ों कार्यकर्ताओं को लेकर कलेक्ट्रेट पर धरना दिया।
249ण	मई 2010	तालचिडी के पहाड़ में अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण लगाने के लिए मुख्यालय महवा पर धरना दिया गया।
250ण	9.7.2010	गब्बू जोशी कांडः– सिकराय के गब्बू जोशी पर समाज कंटकों द्वारा प्राणघात तक हमला किया गया। समाज कंटको के खिलाफ जब किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की तो सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ घटना दिया गया तब जाकर पुलिस सक्रिय हुई और हमलावरों को गिरफ्तार किया।
251ण	17.8.2010	कई वर्षो से राज्य में एस.टी / एस.सी वर्ग के छात्रों की छात्रवृति का वितरण नहीं किया जा रहा था। छात्रवृति की राशि बढाने तथा पेन्डिग छात्रवृति के वितरण हेतु शासन सचिवालय के पास स्थित अम्बेडकर प्रतिमा के पास धरना दिया गया।

252ण	18.9.2010	**<u>एडीजे प्रकरण को लेकर जयपुर में धरना</u>:**— राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा में ।क्श्र चयन में अनियमितता की उसे लेकर जयपुर हाईकोर्ट कैम्पस में धरना दिया गया।
253ण	5.10.2010	बांडी बचाओं हेतु नदी में ही सैकडों लोगों के साथ धरना दिया गया।
254ण	2010	निजी लैब द्वारा सरसों तेल की माप घोटाला पर आन्दोलन।
255ण	2010	**<u>प्रमोद माली हत्याकांड</u>**:— ग्राम चौंडियाबास (तहसील लालसोट) की एक माली जाति की विधवा के एक मात्र पुत्र प्रमोद माली को समाजकंटकों ने मारकर मिट्टी में गाड़ दिया। 11 महीने निकलने के बाद भी पुलिस ने कुछ नहीं किया। विधवा का रो—रो कर हाल खराब था। बुढापे का एक मात्र साहरा चल बसा। डा. मीणा ने जब पुलिस से पूछा तो पुलिस ने बताया कि प्रमोद कहीं गायब हो गया। डाक्टर मीणा को कहां विश्वास होना था खुद ही गांव में तीन दिन रूक कर पूरे प्रकरण की खुद ने जांच कर हत्यारों को पकड़ लिया और मजमे आम जमीन से नरकंकाल खुदवाकर निकलवाया पुलिस को बुलाकर हत्यारों को सुपुर्द कर दिया, वे तीनों अपराधी मीणा जाति के थे। विधवा को अपनी जेब से 50 हजार का सहयोग दिया कितना गहरा दर्द है गरीब के लिए इस नेता का।
256ण	2010	**<u>उदयपुर कोटडा (उदयपुर) में 33 आदिवासी भूख से मर गये थे उसको लेकर आन्दोलन</u>**:—मुझे पता लगा है कि इस क्षेत्र में लोग भुखमरी के शिकार है तथा भूख से मौते हो रही हैं। पीडीएस का गेहूँ नहीं मिल रहा इस कारण झेर गांव के लोगों ने चुनाव का बहिष्कार भी कर दिया। मैं झेर गांव पहुंच गया जहां देखा कि एक नहीं 33 आदिवासी भूख के कारण मर गये सबको भरकर उदयपुर ले गया और कलेक्टर के दरवाजे पर बैठ गया। मांग की इन्हें रोटी दो, रोजी दो। वहीं धरने पर मैने इनका स्वास्थ्य परीक्षण करवाया तो भ्ठ 2ण्5 उह से 4 उह निकला, सोचा कैसे जिन्दा हैं ये लोग। कई दिनों के धरने के बाद सरकार ने कोटड़ा के झेर गांव सहित कई गांवों में अनाज की व्यवस्था की। रोजगार सृजित किए। कुछ दिन बाद वहां सड़क का काम भी चलने लगा, बिजली के खम्भे खड़े होने लगे, एक एनीकट का निर्माण कार्य चालू हुआ। स्कूलों में मास्टर जाने लगे तथा डाक्टर एवं नर्स भी उन्हें संभालने लगे। मैने तय किया कि समूचे आदिवासी की समस्याओं के समाधान के लिए बड़ा मजबूत जनसमर्थित आन्दोलन खड़ा किया जाये। इस दृष्टि से आदिवासी क्षेत्र का चप्पा—चप्पा नापा। व्यापक तैयारी से भयभीत होकर सरकार ने मुझे उदयपुर की एक होटल से गिरफ्तार कर जिला बदर कर दिया। मेरे कुछ समर्थकों को गिरफ्तार कर जेल के सींखचों में डाला। उन्हें यातनाएं दी गई। एक तरह से सरकार ने आदिवासियों के उत्थान के लिए चलाएं जाने वाले अभियान को रोकने का कुत्सित प्रयास किया। इस आन्दोलन में आदिवासी क्षेत्र की जनता का भरपूर सहयोग मिला। मैं सरकार की विशेष पाबन्दियों के बाद भी नहीं रूका। मैं मेरी धर्मपत्नी सहित कोटड़ा के गांवों में गये और विशेष कैम्प लगाकर उनको गेहूँ वितरण के कार्य किए। आदिवासी अंचल के अनेक क्षेत्रों में वहां की समस्याओं को लेकर बराबर संघर्ष करता रहा जिससे सरकार भी जागी एवं वहां के आदिवासी नेता भी सक्रिय हुए जिससे आदिवासियों को बहुत राहत मिली। **<u>तीन बार।</u>**
257ण	2010	उदयपुर में आदिवासियों की भुखमरी को लेकर पुनः आन्दोलन किया गया जिसके कारण सरकार ने उदयपुर की एक होटल से गिरफ्तार कर जिला बदर कर दिया तथा उदयपुर प्रवेश पर पाबन्दी लगा दी। उस दौरान मेरे एक दर्जन समर्थकों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया जिन्हें 10 दिन

		बाद में छोडा।
258व	2010	एस.टी/एस.सी छात्रों की छात्रवृति को लेकर आन्दोलन।
259व	2010	थाना महवा के सात भ्रष्ट पुलिसकर्मियो को लाइन हाजिर कराने हेतु आन्दोलन।
260व	2010	गंगापुरसिटी में पुल निर्माण की मांग को जनआन्दोलन।
261व	2010	गंगापुरसिटी में बिगडती कानून की स्थिति को लेकर उपखण्ड अधिकारी कार्यालय का घेराव।
262व		मण्डावरी प्रकरण को लेकर आन्दोन।
263व	2010	गिरीश अग्रवाल हत्याकाण्ड को लेकर करौली में धरना– हिण्डौन में एक व्यापारी गिरीश अग्रवाल को सरेआम चाकू मारकर हत्या कर उसे लूट लिया। लुटेरो को गिरफ्तार करने के लिए करौली में धरना दिया।
264व	2010	सैल्स टैक्स चोरी प्रकरण लालसोट में धरना।
265व	2010	84 कोश परिक्रमा में हो रहे अवैध खनन को लेकर उपखण्ड अधिकारी कामां के यहां विशाल धरना दिया गया।
266व	2010	पांचना बांध के पानी खोले जाने हेतु खण्डीप रेल्वे स्टेशन पर धरना। यहां से सैकडों महिलाओं को रेल में भरकर सवाईमाधोपुर ले गये जहां कलेक्ट्रेट कैम्पस में तीन दिन तक धरना दिया।
267व	2010	पांचना में पानी छोडने हेतु आन्दोलन पीलौदा स्टेशन पर धरना। उस दिन के आन्दोलन को लेकर डा. किरोडीलाल एवं उनके समर्थकों पर धारा 144 के उलंघन के दो मुकदमें भी दर्ज कर लिए।
268व	2010	कामा पुलिस ने दुभार्वना से ग्रसित होकर शेरखां सरपंच को गिरफ्तार किया था उसे छुडाने के लिए रात भर समर्थकों के साथ धरना दिया।
269व	2010	एस.टी आरक्षण को लेकर जयपुर में 2 अक्टूबर को विशाल रैली कर करने के बाद धरना।
270व	2010	जोबनेर विश्वविद्यालय के नामकरण हेतु जोबनेर नगरपालिका चैयरमेन के साथ जोबनेर में धरना।
271व	2010	पीलोडी (सिकन्दरा) महात्मा हत्याकाण्ड नेशनल हाईवे 11 पर स्थित अपनी कुटिया में रह रहे एक बाबा को अपराधी मार गये एवं कीमती सामान एवं नकदी लेकर पार हो गये। इस पर मैने आन्दोलन किया और वारदाती पकडे गये।
272व	2010	ग्राम कवई (बारां) में अडानी समूह की फैक्ट्री में स्थानीय लोगो को रोजगार नहीं देने के उपलक्ष में प्लांट के सामने धरना दिया।
273व	2010	छबडा–छीपाबडौद में किसानों की समस्याओं को लेकर धरना।
274व	2010	कानून की बिगडती स्थिति पर बांदीकुई में धरना।
275व	2010	पानी की मांग करते समय पुलिस ने लाठीचार्ज किया इस दौरान गुड्डी देवी महावर का पुलिस की लात मारने से उसका गर्भ गिर गया इस अन्याय के खिलाफ धरना दिया।
276व	2010	घाटा मेहन्दीपुर बालाजी में मीन भगवान मंदिर निर्माण के लिए जमीन दिलाने हेतु कलेक्ट्रेट दौसा

		पर धरना दिया।
277ण	2010	**<u>भूरा सांथा हत्याकांडः–</u>** सांथा के भूरा हत्याकांड की पुलिस अभिरक्षा में मौत हो गई थी जिसके लिए आन्दोलन कर पुलिस ज्यादती करने वाले थानेदार एवं अन्य स्टाफ को निलम्बित करवाया गया तथा उनके विरूद्ध हत्याका मुकदमा दर्ज होने के बाद आन्दोलन समाप्त कर दिया गया।
278ण	2010	**<u>भील युवती अपहरण कांडः</u>**–मनोहर थाना (जिला झालावाड) में एक भील युवती के साथ दरिन्दो द्वारा 15.9.2010 को बलात्कार किया तथां दबंगो द्वारा भीलो की हत्या कर दिये जाने के सम्बन्ध में मनोहर थाना कस्बे में कूच किया। पुलिस ने कस्बे में जाने से रोका तो समर्थकों सहित वहीं धरने पर बैठ गया जहां से पुलिस ने 151 ब्तचब में गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया।
279ण	2010	**<u>30.8.2010 को छात्रों की मांग को लेकर राजगढ में रेल रोको आन्दोलन</u>**– राजगढ में छात्रसंघ चुनावों को लेकर भारी भ्रष्टाचार किए गये इसे लेकर राजगढ में रेल रोको आन्दोलन किया गया जिस कारण पुलिस ने मुकदमा भी दर्ज कर लिया।
280ण	2010	जन समस्याओं को लेकर 13 जनवरी 2010 को फिर रेल पट्री दौसा पर धरना।
281ण	2010	**<u>भिजूका रैलीः–</u>** दिनांक 3.11.2010 को भ्रष्टाचार के विरूद्ध मुहिम को लेकर हजारो लोगो के साथ दौसा में पडाव।
282ण	2010	बामनवास (जिला सवाईमाधोपुर) थाने के पुलिसकर्मियो द्वारा तीन जुगाड चालको से 15000 रूपय रिश्वत के लिए दिनांक 20.12.2010 को वापिस कराने हेतु बामनवास थाने पर धरना।
283ण	2010	प्रदेश में जुगाड पर लगी रोक हटाने की मांग को लेकर दौसा से जयपुर कूच दिनांक 30.3.2010 को किया गया। कानोता के पास करीबन 50 हजार लोगो को रोक लिया। सरकार ने जुगाड चालू कर दिये।
284ण	12.1.2011	एन.टी.टी छात्राओं की मांगों को लेकर गोलमा एवं डा. किरोडीलाल ने धरना दिया।
285ण	24.1.2011	शंकर खडका हत्याकांड दौसा को लेकर धरना।
286ण	1.2.2011	लालसोट के चांदसैन में हुए अग्निकांड में आर्थिक सहायता दिलाने हेतु धरना।
287ण	अप्रेल 2011	मण्डावर में तहसील खोले जाने हेतु धरना।
288ण	जून 2011	गढी बांधवा नृसिंह भगवान की भूमि विवाद के निस्तारण हेतु करौली में धरना।
289ण	2011	चांदसैन (लालसोट) प्रकरण को लेकर 2011 में आन्दोलन किया गया।
290ण	2011	**<u>बिलौनी हत्याकांड को लेकर डकैतों के खिलाफ बीहडों में पद यात्राः</u>**– वर्ष 2011 में धौलपुर एवं करौली के ड़ांगों में डकैतो का फिर से आतंक बढ़ गया, डकैत मशरूम की तरह पैदा हो गये। सरमथुरा थाना क्षेत्र के गांव बिलौनी की खानों में डकैत मजदूरों से उगाही लेने पहुंचे, उगाही नही दी तो हाथों में कील ठोक दी और चेतावनी दी या तो 15 दिन में उगाही दे देना नहीं

		तो जान से मार देंगे। इसकी शिकायत मजदूरों ने पुलिस को कर दी इससे डकैत भंवर मीणा नाराज हो गया और दिन दहाड़े तीन लोगों को गोलियों से भूनकर मौत के घाट उतार दिया। मुकदमा दर्ज हुआ, घटना का एक मात्र आखों देखा गवाही देने जा रहा था तो डकैतों ने उसे रास्तें में गोली से उड़ा दिया और उसकी लाश को डकैतों ने ट्रैक्टर से कुचल दिया। परिजन थाने से लेकर मुख्यमंत्री तक 11 महीनें तक न्याय की गुहार करते रहे किन्तु कुछ भी मद्द नहीं मिली। उल्टा डकैतों ने विधवा औरतों को धमकाकर गांव खाली करवा कर दर–दर भटकने को मजबूर कर दिया। 11 महीने बाद चारों विधवा महिलाएं डॉ॰ किरोड़ी के पास आई और न्याय की भीख मांगी। उनकी रूदन सहन नही डॉ॰ किरोड़ीलाल सहन नही कर पाये और पुनः खुद हाथ में हथियार लेकर इस उम्र में फरवरी 2011 में बीहड़ों में डकैतों के खिलाफ पद यात्रा में कूद पडे धौलपुर से करौली तक 40 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर कलेक्ट्रेट पर विधवाओं को साथ लेकर धना दिया, उन महिलाओं को पांच–पांच लाख रूपये तथा हथियार दिलायें एवं आन्दोलन का परिणाम हुआ कि धौलपुर में 22 डकैतों एक करौली में 17 डकैतों ने पुलिस के सामने समर्पण कर दिया जिससे बीहड़ पुनः डकैत मुक्त हो गया और लोग चैन से रहने लग गये। **दो बार**
291ए	2011	**सूरवाल कांडः**– सवाईमाधोपुर के सूरवाल (फूल मोहम्मद एवं राजेश मीणा के आत्मदाह) को लेकर आन्दोलन। सूरवाल गांव में एक आन्दोलन के दौरान थानेदार को आग के हवाले कर दिया जिसके कारण उसकी मौत हो गई किन्तु जब इस मामले में पुलिस गांव के निर्दोष लोगों को तंग करने लगी तो उनके बचाने के लिए आन्दोलन किया। **दो बार।**
292ए	24.9.2011	**गोपालगढ काण्डः–** राजस्थान, हरियाणा एवं उत्तरप्रदेश के मेवात क्षेत्र के लोगों में डा. किरोडीलाल के अदभुत आन्दोलन के कारण जल जला पैदा हो गया। इस दौरान डा. किरोडीलाल दौसा से निर्दलीय सांसद थे जो गुजरात के मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के बुलावे पर सद्भावना मिशन कार्यक्रम में शामिल होने अहमदाबाद (गुजरात) पहुंचे, जहां मोदी जी ने गोपालगढ कांड को और प्रभावी ढंग से उठाने का आग्रह किया। डा. किरोडीलाल ने इस आन्दोलन को इतना परवान चढा दिया कि मजबूर होकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राहुल गांधी को मोटर साईकिल द्वारा मेवात क्षेत्र का भ्रमण करना पडा। राज्य सरकार ने मेवात में डा. किरोडीलाल के प्रवेश पर पाबन्दी लगा दी फिर भी कर्फ्यू को चीरते हुए जयपुर से मोटरसाईकिल द्वारा मेवात के गांवों में भ्रमण कर उनको जगाया तथा सरकार को झुकाया। इसके लिए डा. किरोडीलाल ने दो बड़ी सभा राजस्थान के मेवात में की तथा एक विशालतम सभा हरियाणा के बींवा में कर लाखों की भीड के साथ हरियाणा से राजस्थान की सीमा में पैदल केच कर प्रवेश करने के बाद सरकार ने हथियार डाल दिए जिससे सरकार ने भरतपुर के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को निलम्बित कर दिया। इसमें 9 लोगों को नमाज अदा करते समय मस्जिद में गोलियों से मार कर ढेर कर दिया था उनके प्रत्येक के परिवार को 5 लाख रूपये की आर्थिक सहायता दिलाई तथा पूरा प्रकरण सीबीआई को सुपुर्द करने के बाद आन्दोलन समाप्त कर दिया गया। **चार बार**

293ण	2011	एनआरएचएम कर्मियों की मांगों को लेकर धरना, सिविल लाइन्स जयपुर पर।
294ण	2011	<u>**पानी के लिए धरना**</u>ः– खण्डीप रेल्वे स्टेशन पर पांचना का पानी मिले इसके लिए धरना दिया गया। सांकेतिक धरना रेल्वे ट्रेक पर दिया, फिर ट्रेन से बैठकर करीबन 800 महिलाएं मेरे नेतृत्व में सवाईमाधोपुर पहुंची और कलेक्टर कैम्पस में पानी के लिए यह दूसरी बार आन्दोलन था।
295ण	2011	राजगढ क्षेत्र की च्तपअंजम जीपों से राजगढ नगरपालिका ने टैक्स के नाम पर अवैध वसूली चालू कर दी। इसके विरोध में 31.7.2011 को 700–800 जीपों को लेकर माचाडी से अलवर कूच।
296ण	2011	लालसोट (जिला दौसा) के ग्राम उगरियावास की वृद्ध दम्पति के हत्यारों का पता लगाने के लिए दो बार रामगढ पचवारा पर धरना दिया और हत्यारों को गिरफ्तार करवाया। इस घटना में वारदाती महिला के पैर काटकर कडे ले गये थे।
297ण	2011	बिजली की अनियमित आपूर्ति, भ्रष्टाचार एवं किसानों की समस्याओं को लेकर महवा में धरना।
298ण		महवा में शुभम कांपलेक्स को लेकर उपखण्ड अधिकारी मुख्यालय पर धरना दिया गया।
299ण	2011	कोलवा (दौसा) के रेल्वे स्टेशन को बन्द करने के निर्णय के बाद क्त्ड कार्यालय में धरना दे दिया और स्टेशन को बरकरार चालू रखवा दिया।
300ण	2011	गोपालगढ कांड को लेकर जयपुर के उद्योग मैदान में मेवात के लोगों के साथ धरना।
301ण	2011	8 मार्च 2011 को जन्तर मन्तर नई दिल्ली पर छब्ज् में ैज् के 7.5 प्रतिशत आरक्षण को लेकर प्रदर्शन एवं पार्लियामेन्ट थाने में गिरफ्तारी।
302ण	2011	27 मार्च 2011 को जनुसूचित जाति/जनजाति आरक्षण मंच राजस्थान को लेकर उद्योग मैदान जयपुर में धरना।
303ण	2011	कोलवा ग्राम (जिला दौसा) को फ्लेग स्टेशन से क्रोसिंग स्टेशन में परिवर्तित करने के लिए 25.3. 2011 को आन्दोलन।
304ण	2011	जयपुर में छात्रवृति की मांग को लेकर छात्रों पर किए लाठीचार्ज को लेकर 14 अप्रेल 2011 को गृहमंत्री के निवास पर धरना।
305ण	2011	पेट्रोल–डीजल की महंगाई, आतंकवाद, अलगाववाद, बढते अत्याचार के खिलाफ दौसा से जयपुर कूच दिनांक 17.2.2011 साथ में मोटर साईकिल रैली एवं बैलगाडी यात्रा।
306ण	2011	अपोलो कालेज आफ वेरिटिनरी मेडीसिन के छात्रों के साथ 27.11.2011 को जयपुर के सिविल लाइन फाटक पर प्रदर्शन एवं धरना।
307ण	2011	18.10.2011 टीचर्स त्मबतनपजउमदज के लिए शिक्षा मंत्री के निवास पर धरना।
308ण	2011	आदिवासी ;ज्ैच्द्ध एरिया की समस्या एवं कोटडा के झेर गावं में भूख से हुई मौतो को लेकर गोलमा एवं डा. किरोडीलाल का 9 दिवसीय धरना 11.4.2011 जयपुर सिविल लाइन फाटक पर।
309ण	2011	उदयुपर की कोटडा तहसील के झेर गांव में भूख से हुई मौतो को दूसरी बार आन्दोलन करने पहुंचे तो 5 अप्रेल 2011 को गिरफ्तार कर जिला बदर कर दिया।

310ए	2011	15 दिसम्बर 2011 को सहकारिता मंत्री परसादी लाल विधानसभा अध्यक्ष श्री दीपेन्द्रसिंह शेखावत के विरूद्ध दर्ज हत्या के प्रकरणों में कार्यवाही को लेकर जयपुर स्थित गृहमंत्री के निवास पर धरना।
311ए	दिसम्बर 2011	बालाजी में फर्जी कारिस्तानी कर वन भूमि में अवैध पट्टे जारी करने को लेकर रेन्जर कार्यालय पर धरना।
312ए	2012	उदयपुर में आदिवासी छात्रों की मांगों को लेकर खैरवाडा में आन्दोलन किया गया
313ए	2012	नोहर हत्याकाण्ड हनुमानगढ को लेकर नोहर एवं जयपुर में धरना।
314ए	2012	**कृषि उपज मण्डी समिति लालसोट के गेहूँ घोटाले पर धरना**– लालसोट मंडियों के व्यापारियों द्वारा किसानों की गेहूँ खरीद में भारी घपले किए जिसको लेकर मण्डी गेट पर तीन दिन तक धरना दिया उसके बाद घपले बाजों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ।
315ए	2012	पिनान (अलवर) चतुर्भज महाराज की मूर्ति चोरी काण्ड को लेकर पिनान धरना।
316ए	2012	छारेडा, सिण्डौली एवं लवाण मूर्ति चोरी को लेकर रेल रोको आन्दोलन।
317ए	2012	**शेषा–दीवाडा काण्ड** :– जिला सवाईमाधोपुर के ग्राम दीवाडा के तालाब में दलित समाज के लोग अपनी पुश्तैनी जमीन पर सदा से खेती करते आये हैं किन्तु शेषा के मुस्लिम समाज के लोगों को यह नागवार गुजरा और उन्होने दिनांक 16.2.2001 को दिन के 12.00 बजे 400–500 की तादात में दीवाडा गांव के लोगों पर प्राणघात हथियारों से लैस होकर हमला कर दिया। माइक से वो नारे लगा रहे थे कि हिन्दुस्तान मुर्दाबाद, पाकिस्तान जिन्दाबाद, तालिबान जिन्दाबाद। हिन्दुओं को मार डालो इन काफिरो को यहां से भगाओ आदि कहते हुए इस भीड़ ने दीवाड़ा गांव के लोगों पर कुल्हाडी, गंडासे, तलवार आदि से मार काट चालू कर दी, जिससे दर्जनों निहत्थे लोग गंभीर रूप से घायल हो गये कई को अचेत एवं गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले को लेकर थ्त् छव 214/2001 थाना मलारना डूंगर में दर्ज की गई जिसमें 42 लोगों के साथ 400 अन्य को नामजद किया गया। उस भंयकर हमले के कारण गांव खाली हो गया। हमलावरों को गिरफ्तार कराने, खाली गांव को बसाने तथा दलित आदिवासी की जमीन पर पुनः कब्जा कर बसाने के लिए डा. किरोड़ीलाल ने अपने समर्थको के साथ सवाईमाधोपुर कलेक्ट्रेट पर 7 दिन तक धरना दिया। सभी आपराधियों को गिरफ्तार करवाया दलित आदिवासियों को गांव में लाकर बसवाया तथा उनकी पुश्तैनी जमीन पर काबिज कराकर ही आन्दोलन समाप्त किया।
318ए	2012	**मध्यप्रदेश मुरैना एव श्योपुर में डकैतों के खिलाफ सभा एवं पदयात्रा** :–मध्यप्रदेश में डकैत रमेश सिकरवार का जबरन आतंक था । अपने समय में उसने अनेको लोगों को मौत के घाट उतार दिया। 2012 में गावं कैमाराकलां (जिला मुरैना) में दो पशु पालकों को उसने मार डाला इससे लेाग भयभीत होकर गांव छोडने लगे। उसने करीबन 1000 बीघा जगंलात की जमीन पर कब्जा कर लिया जिस कारण गांव के लोग वहां पशु नहीं चरा सकते थे। कैमाराकला में एक विशाल सभा आयोजित कर बीहडो में कूच का ऐलान करते ही कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक मौके पर ही आ गये

		उन्होने जनता को भरोसा दिया कि डकैत से जंगल की जमीन को खाली करवायेंगे। आन्दोलन के बाद मध्यप्रदेश शासन ने डकैत को गिरफ्तार कर 1000 बीघा जंगलात की जमीन को डकैत से खाली करवा दिया। पीडित परिवारों को 5–5 लाख रूपये के आर्थिक पैकेज दिया तथा उन्हें हरियारों के लाईसेन्स भी दिये।
319प	2012	डाबडा (सपोटरा) काण्डः– बदमाशों ने सपोटरा में एक ट्रैक्टर चालक की हत्या कर उसके ट्रैक्टर को ले गये। तीन दिन के घरने के बाद हत्यारों को गिरफ्तार कर ट्रैक्टर बरामद करवाया किन्तु दुर्भावना से ग्रसित होकर हमारे खिलाफ पुलिस ने दो मुकदमें दर्ज कर डाले।
320प	2012	**किशनलाल मेघवाल हत्याकांडः—**छतरगढ के 465 त्व पर दलित युवक किशनलाल मेघवाल को पुलिस ने मारकर नहर में डाल दिया। इस घटना को लेकर जनता में भारी रोष व्याप्त हो गया। पुलिस ने इस घटना को आत्म हत्या का रूप दे दिया जबकि यह हत्या पुलिस पिटाई के कारण हुई थी। इस घटना को लेकर उग्र आन्दोलन किया मुझे दो बार बीकानेर जाकर प्रदर्शन करना पडा आखिर जाकर302 का मुकदमा दर्ज हुआ तथा आन्दोलन का परिणाम था कि हत्यारे पुलिस वाले पकडे गये। विधायक श्रीमान गोविन्द मेघवाल की अगुवाई में यह आन्दोलन चला। **दो बार।**
321प	2012	अलवर जिले में बिगडती कानून व्यवस्था को लेकर अलवर के शिवाजी पार्क थाने पर धरना।
322प	2012	अलवर में मण्डी 24.8.2012 व्यापारियों द्वारा बोनस पर गेहूँ खरीद में की जा रही अनियमितताओं को लेकर कृषि उपज मण्डी समिति प्रांगण अलवर में एक दिन का सांकेतिक धरना दिया।
323प	2012	अम्बेडकर मूर्ति प्रकरण बांदीकुई में किए आन्दोलन को लेकर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया।
324प	2012	विधानसभा क्षेत्र लालसोट में बिजली की समस्या एवं बिगडती कानून की स्थिति पर धरना दिया।
325प	2012	**फागी प्रकरण को लेकर आन्दोलनः**–फागी थाने में पुलिस ने दो पूर्व सरपंचों को बेरहमी से मारा पीटा। इसको लेकर शहर में तनाब फैल गया। जिससे पुलिस ने दो दर्जन से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले लिया। थाने में बंधी को लेकर थानेदार तथा अन्य स्टाफ में विवाद हुआ था हाथापाई देख ये दोनो सरपंच बीच बचाव करने थाने में पहुंच गये जहां इनको पुलिस ने उल्टा बुरी तरह से मारा पीटा। मार पीट करने के बाद पुलिस ने संगीन जुर्म में मुकदमा भी दर्ज कर लिया। दोनों सरपंच सहित अनके दर्जन लोगों को मुकदमें से बचाने तथा दोनों की निर्ममता पूर्वक पिटाई करने वाले पुलिस कर्मियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही किये जाने हेतु थाने के सामने तीन दिन तक धरना दिया।
326प	2012	वनस्थली विद्यापीठ में एक छात्रा के साथ बलात्कार को लेकर लोगों में गुस्सा फूट पडा वहां छात्राओं पर बहुत दमन हो रहा था उससे निजात दिलाने के लिए निवाई में धरना दिया।
327प	2012	दौसा जिले में बिजली, पानी की समस्याओं को लेकर 2012 में **4 बार** धरना।

328ए	2012	राजस्थान के सरपंचों की मांगों को लेकर जयपुर में धरना।
329ए	2012	समाज सेवी एवं पर्यावरण प्रेमी प्रदीप शर्मा (पचेरीकला तहसील बुहाना, जिला झुन्झुनू) के पौत्र स्वतंत्रता सेनानी प0 ताडकेश्वर शर्मा की सीबीआई जांच के लिए पचेरी में धरना दिया गया।
330ए	2012	दौसा में चम्बल का पाली लाने के लिए 28.6.2012 को कलेक्ट्रेट पर धरना।
331ए	2012	आदिवासी छात्रों के आन्दोलन को लेकर डूंगरपुर में धरना 18 मार्च 2012 को हिरासत में लिया।
332ए	2012	28 दिसम्बर 2012 को राममनोहर सोनी (दौसा) की हत्या काण्ड एवं छारेडा की मूर्ति चोरी को लेकर कलेक्ट्रेट पर धरना।
333ए	2012	**मूर्ति पर मास फैकने पर**:– मलारना डूंगर में समाज कंटकों ने हनुमान जी की मूर्ति पर जान बूझकर मांस फैंक दिया था इससे धार्मिक भावनाएं बहुत आहत हुई जिससे साम्प्रदायिक तनाब फैल गया। इस घटना पर जबरदस्त आन्दोलन किया जिससे अपराधी पकडे गये।
334ए	2012	**माली जाति की महिला के प्रसव के दौरान मौत को लेकर आन्दोलन**:– सिकन्दरा में डाक्टर की लापरवाही से माली समाज की एक महिला ने ऑपरेशन के दौरान दम तोड़ दिया। अत्यन्त ही गरीब परिवार को संभालने वाला कोई नहीं। पीडिता के परिवार को कुछ आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की गई जब बात नहीं बनी तो डा. किरोडीलाल की अगुवाई में चक्का जाम किया गया। डाक्टर एवं सरकार द्वारा 10 लाख की आर्थिक सहायता देने के बाद 22 घण्टे बाद चक्का जाम/आन्दोलन समाप्त कर दिया।
335ए	मई 2012	सवाईमाधोपुर में बजरी के अवैध खनन को लेकर धरना।
336ए	मई 2012	जोधपुर जिले के शेरगढ तहसील के चाबा गांव के भाटियों की ढाणी में 29.5.2012 के रात्रि को कमलाराम मील की हत्या कर दी थी उसकी सीबीआई जांच के लिए शेरगढ मुख्यालय पर धरना दिया गया।
337ए	9.6.2012	बजरी के अवैध खनन को लेकर टोंक में धरना।
338ए	8.6.2012	बनास नदी में अवैध बजरी खनन पर प्रभावी कार्यवाही किये जाने की दृष्टि से टोंक जिला मुख्यालय पर धरना दिया गया।
339ए	जून 2012	टोंक जिले में अवैध बजरी खनन को रोके जाने के लिए गांव नयागांव (अहमदनगर) में एक बडी सभा का आयोजन कर बजरी ''माफिया भगाओं बनास बचाओं'' आन्दोलन किया गया।
340ए	13.8.2012	हिंगोनिया गौशाला को लेकर धरना।
341ए	8.11.2012	महिला बरमादगी गनीपुर–सिकराय को लेकर आन्दोलन।
342ए	20.11.2012	तुलसीराम ग्राम रूंदपुरा की बिजली के करंट लगने से मौत को लेकर आन्दोलन।
343ए	2012	बनास नदी में अवेध खनन को लेकर चौथ का बरवाडा में धरना दिया गया।

344प	दिस. 2012	बालोती की आशा कुमारी प्रकरण को लेकर आन्दोलन किया गया।
345प		लिटरेचर फैस्टिवल में आशीष नंदी की गिरफ्तारी को लेकर धरना दिया गया।
346प	2012	जमवारामगढ वन क्षेत्र की समस्याओं को लेकर धरना। – **दो बार**
347प	16.1.2013	उदयपुर जिले के आदिवासियों की विभिन्न समस्याओं जैसे आदिवासियों की जमीन को मंदिर माफी में नाम गलत रूप से दर्ज कर दिये जाने, गैर आदिवासियों से इस वर्ग की जमीन को छुवाया जाये, मध्यप्रदेश की भांति टीएपी सेल बनाई जाये, पेसा एक्ट लागू किया जाये, भील बाहुल्य खमनोर, नाथद्वारा, कुम्भलगढ, कांकरौली, भादसोडा, कपासन, बडी सादडी, चित्तौडगढ, सुमेरपुर, पिण्डवाडा व गोगुन्दा को टीएसपी में शामिल किये जाने, साबरमती सिंचाई परियोजना के विस्थापितों को भूमि अधिग्रहण विधेयक पारित होने तक बेदखली से रोके जाने, आदिवासियों को पुर्नवास हेतु एवं कोटडा के झेर गांव में भूख से हुई 33 लोगों की मौत को लेकर डा0 किरोडीलाल ने आदिवासियों को साथ लेकर संभागीय आयुक्त कार्यालय उदयपुर का घेराव कर धरना दिया। संभागीय आयुक्त के आश्वासन के बाद आन्दोलन समाप्त कर दिया गया।
348प	5.2.2013	जिला उदयपुर की तहसील कोटडा के सूला गांव में साबरमती डेम का निर्माण किया जा रहा था। जहां साबरमती डेम का निर्माण किया जा रहा था वह जमीन किसानों से अवाप्त की हुई थी लेकिन किसानों को मुआवजा नही दिया जिसे लेकर डा. किरोड़ीलाल ने सैकड़ों आदिवासियों के साथ जमीन लेटो आन्दोलन किया। उचित मुआवजा देने के आश्वासन के बाद आन्दोलन समाप्त कर दिया।
349प	6.3.2013	भरतपुर जिले के गोपालगढ कस्बे में पुलिस ने 9 लोगों को नमाज अदा करते समय मस्जिद में गोलियों से मार कर ढेर कर दिया था, उन्हे न्याय दिलाने के लिए डा0 किरोडीलाल ने मेवात के हजारों लोगों के साथ जुरहरा से दिल्ली कूच किया। प्रशासन के आश्वासन के बाद टपूकडा में कूच समाप्त कर दिया।
350प	2013	तहसील महवा के ग्राम गौहण्डी, कौण्डला, कुतकपुर, खोहरामुल्ला, औण्डमीना, तालचिडी, मालपुर, निठार (वैर) डौरावली (करौली) के अवैध खनन को लेकर धरना दिया गया।
351प	2013	**किशोर जोगी हत्याकांडः–** तहसील महवा के ग्राम खेडली नारायणसिंह के एक जोगी की जमीन पर गांव के दबंगो (गुर्जरों) ने बलपूर्वक कब्जा कर लिया। परिवार भूख के कगार पर पहुंच गया। तहसीलदार से कलेक्टर, पुलिस सभी के खूब चक्कर लगाये किन्तु वह उसकी जमीन मुक्त नहीं करा पाया। परिवार का पेट पालन हो सके इस दृष्टि से उस जमीन पर सरकारी लोन से एक ट्रैक्टर उठा लिया किन्तु दबंगों को यह भी राश नही आया और उसके ट्रैक्टर को छीन ले गये। जब वह थाने पर मुकदमा दर्ज कराने गया तो उसका मुकदमा दर्ज नही किया बल्कि उल्टे पुलिस एवं दबंगों ने मिलकर उसको थाने पर तीन दिन तक यातनाएं दी जिससे वह मर गया। इस मुद्दे को डा. किरोडीलाल एवं गोलमा देवी ने उठाया। 14 दिन तक राजस्थान विधानसभा पर धरना देने के बाद मांगे मानी जिसमें थानेदार को निलम्बित किया। पीडित परिवार को 5 लाख रूपये की

		सहायता दी, पीडित परिवार को 5 बीघा जमीन दिलाई एवं ट्रैक्टर बरामद करवाया। **<u>दो बार</u>**
352ए	2013	लवाण को तहसील बनाने हेतु रास्ता रोको आन्दोलनः– लवाण को तहसील बनाने का आन्दोलन लम्बे समय तक चला किन्तु जब सरकार ने नहीं सुनी तो जयपुर–दौसा जिले की सीमा पर डा. किरोड़ीलाल हजारों नर–नारियों को लेकर धरने पर बैठ गये। राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। जाम में राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत भी फंस गये उनहें एक कार्यक्रम में दौसा आना था। मुख्यमंत्री घण्टों तक बस्सी रूके रहे। लवाण को तहसील बनाने की घोषणा के बाद ही मुख्यमंत्री को दौसा आने दिया।
353ए	2013	विश्नोई हत्याकाण्ड को लेकर एम.डी.एम अस्पताल जोधपुर के अन्दर धरना।
354ए	2013	**कारकास प्लान्ट (स्लोटर हाउस)–बूचडखाना–चैनपुरा प्रकरणः–**यह प्लान्ट लगने से जमवारामगढ क्षेत्र के 25–30 गांवों का जीना बेहाल हो गया। दूर–दूर तक बदबू/बदबू के कारण जीना हराम। खुले स्लोटर हाउस का चलना/मांस के चिथडों के कारण जबरदस्त च्वससनजपवद के कारण गांव खाली होने लगे। बीमारियॉ फैलने लगी। उस क्षेत्र के लोग डज्ञ. किरोडीलाल के पास आये। डा. मीणा ने जन समर्थित आन्दोलन किया। दो दिन तक धरना चला। दो बडी सभाएं की, फिर चैनपुरा, (जमवारामगढ) से जयपुर कूच की घोषणा 1–2 किमी भी पैदल चले ही थे कि प्रशासन ने मांग मान ली। यह आन्दोलन 2.8.2013 से प्रारम्भ हुआ। **<u>दो बार</u>**
355ए	2013	लहन के कालू भील हत्याकाण्ड टोंकः– बजरी माफियाओं ने लहन गांव के कालू भील की खातेदारी जमीन पर कब्जा कर उससे बजरी निकालना प्रारम्भ कर दिया, इसका उसने विरोध किया तो माफियाओं ने उसकी हत्या कर दी। उसकी लाश को लेकर धरना दिया जिससे अपराधी गिरफ्तार हुए और पीडित पक्ष को सरकार ने 5 लाख रूपये दिये।
356ए	2013	चौधरी चरणसिंह की मूर्ति अलवर के प्रमुख चौराहे पर लगे इसको लेकर अलवर कलेक्ट्रेट पर एक दिन का धरना 2013 में दिया।
357ए	2013	लालसोट कस्बे के महत्वपूर्ण चौराहे पर डा. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति लगवाये जाने हेतु आन्दोलन
358ए	2013	सन 2013 के जयपुर फैस्टीवल में ैज्ध्ै एवं दलितों पर की गई विपरीत टिप्पणी को लेकर धरना।
359ए	2013	दिल्ली जन्तर–मन्तर पर गिरफ्तारी– नॉर्थ – इस्ट के एस.टी. छात्र/छात्राओं के साथ एनसीटी दिल्ली में अत्याचार तथा 7.5 प्रतिशत आरक्षण को लेकर धरना।
360ए	2013	विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव को लेकर आन्दोलन।
361ए	4.4.2013	नेशनल पार्क में शराब पार्टी। पिकनिक पार्टी कानून प्रतिबंधित है किन्तु वन विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों को पार्टी करते पकड़ा तथा उनको घेर कर धरना देकर कार्यवाही किये जाने तक धरने पर बैठ गये।
362ए	8.5.2013	संसदीय सचिव रमेश मीणा का सपोटरा एवं डांग के लोगों पर बढे भारी अत्याचार को लेकर करौली में धरना दिया गया।
363ए	जून 2013	नीमला गांव (जमुवारामगढ) की समस्याओं को लेकर आन्दोलन।

364वा	18.8.2013	बस्सी में बालिका के साथ बलात्कार/हत्या को लेकर आन्दोलन।
365वा	16.7.2014	बालाहेडी प्रकरण में कार्यवाही किये जाने हेतु थाने पर धरना दिया गया।
366वा	8.8.2013	नवीन जिन्दल शॉ कम्पनी द्वारा अवैध खनन किए जाने पर भीलवाडा में धरना।
367वा	3.8.2013	**भांकरी प्रकरण**:– करौली के भांकरी गांव में उपजी हिंसा में अपराधियों (विधायक रमेश मीना एवं उसके समर्थकों) के विरूद्ध कार्यवाही किए जाने बाबत लांगरा थाने पर धरना दिया गया।
368वा	20.10.2014	आर.आर. कॉलेज में बढने वाले एक युवक पर आरिफ पर पुलिस ने गोली दांग कर हत्या कर दी इस प्रकरण को लेकर जनआन्दोलन करने के बाद सीबीआई का आदेश संभव हो सके।
369वा	2014	धनावड हत्याकाण्ड को लेकर धरना।
370वा	2014	सिरमौली (अलवर) की घटना को लेकर 20.7.2014 को अलवर में धरना।
371वा	2015	बीरवल हत्याकाण्ड (थाना रामगढ पचवारा) जिला दौसा के सम्बन्ध में आन्दोलन।
372वा	2015	मीना–मीणा विवाद को समाप्त करने हेतु मानसरोवर जयपुर में विशाल रैली एवं धरना।
373वा	2015	रिश्वत प्रकरण अधिशाषी अभियन्ता विद्युत विभाग कार्यालय लालसोट पर धरना।
374वा	21.1.2015	कोलीवाडा–(रामगढ पचवारा) हत्याकांड को लेकर रामगढ पचवारा थाने पर **दो बार** धरना।
375वा	2.5.2016	पचवारा क्षेत्र में परस्या की चिटफंड की कम्पनी की लूट को लेकर दौसा में धरना दिया गया।
376वा	8.9.2016	एस.सी./एस.टी बैकलॉग पदो को भरने को लेकर सचिवालय का घेराव।
377वा	7.11.2016	ग्राम सानकोटडा (जमुवारामगढ) में बडे पैमाने पर चलाई जा रही अवैध खानों के विरूद्ध धरना दिया गया।
378वा	2016	जन समस्याओं को लेकर शंखनांद रैली एवं धरना दौसा।
379वा	2016	जन समस्याओं को शंखनांद रैली एवं धरना सवाईमाधोपुर।
380वा	2016	विभिन्न समस्याओं को शंखनाद रैली एवं धरना जयपुर।
381वा	2017	पुलिस ज्यातियों को लेकर मानपुर थाने पर धरना। (नाहर खोहरा मुस्लिम हत्याकांड)
382वा	2017	जन समस्याओं को शंखनाद रैली एवं धरना करौली।

383ण	2017	**<u>दलित अत्याचार</u>**ः— जालौर जिले की आहोर तहसील के ग्राम शंखवाली के मंदिर में मीणा जाति के लोगो का प्रवेश निषेध था। इस क्षेत्र में इन लोगों पर बड़े पैमाने पर अत्याचार किये थे। मंदिर में प्रवेश को लेकर डा. किरोडीलाल ने आहोर से शंखवाली तक पैदल मार्च किया।
384ण	.2017	**<u>नांगल मीणा हत्याकांड</u>**ः— थाना मण्डावर के ग्राम नांगल मीणा के एक परिवार को लूटकर एक युवक शोभाराम की बर्बरता पूर्वक हत्याकर डाली। हत्या एवं लूट की घटना का पता लग सके इस दृष्टि से डा. किरोड़ीलाल की अगुवाई में मण्डावर में धरना दिया गया।
385ण	2017	दौसा जिले में हुई हत्याओं को लेकर रैल रोको आन्दोलन दौसा में।
386ण	2017	च्छ्ब कम्पनी की ज्यादतियों को लेकर धरना।
387ण	2017	सपोटरा से कैलादेवी मोड तक ऊंटगाडी रैली कर धरना।
388ण		मण्डावर बैंक मैनेजर की हत्याः— मण्डावर कस्बे में बदमाशों ने दिन दहाडे बैंक मैनेजर की हत्या कर बैंक को लूट ले गये। इसे लेकर विशाल धरना दिया गया। धरने के बाद हत्यारों को गिरफ्तार किया गया।
389ण	2017	ट्रेक्टर — ट्राली वालो की समस्या के समाधान हेतु सपोटरा में आन्दोलन।
390ण	2017	कान कटा प्रकरण को लेकर ॆडै हॉस्पीटल मे अधीक्षक कार्यालय पर धरना।
391ण	2017	ट्रैक्टर ट्रोली आन्दोलन राजगढ—लक्ष्मणगढ।
392ण	2017	अलवर की धटनाओं को लेकर पुलिस अधीक्षक का घेराव।
393ण	2017	टोडाभीम के खेडी गांव की दो महिला ने तंग आकर अपने बच्चों सहित मण्डावर में ररेल के आगे कूदकर आत्महत्या करली। मण्डावर थानेदार ने मुकदमा दर्ज नही किया तो लाशों को लेकर परिजन टोडाभीम पहुंच गये वहां भी मुकदमा दर्ज नही किया तो डा0 किरोडीलाल सैकडों लोगों को लेकर थाने पर धरना दे दिया फिर मुकदमा भी दर्ज किया तथा थानेदार को निलम्बित को निलम्बित कर दिया।
394ण	2017	जनसमस्याओं लेकर कलेक्टर सवाईमाधोपुर के घर पर धरना।
395ण	मार्च 2017	अलवर के सरिस्का में पैंथर हमले पर आन्दोलनः'— थानागाजी क्षेत्र के गांवों में पैंथर आये दिन हमला करने लगे जिससे लोग भय के साये में जीने लगे। पैंथरों ने ग्रामीणों पर हमला कर 5 लोगों को मार दिया। इन घटनाओं को लेकर थानागाजी में धरना दिया जाकर सरकार ने पीडित परिवारों को 2—2 लाख रूपये की आर्थिक सहायता दी। **<u>दो बार</u>**
396ण	मई 2017	करौली जिला प्रमुख पद पर काल्पनिक नाम से पदासीन हुए रघुवीर मीणा को पदाच्युत के लिए धरना।
397ण	31.5.2017	प्रदेश में बिगडती कानून व्यवस्था को लेकर जयपुर में आन्दोलन।
398ण	8.6.2017	जिले की विभिन्न ज्वलंत मांगों को लेकर दौसा कलेक्ट्रेट पर धरना।

399	25.6.2017	क्षेत्र की समस्याओं को लेकर – रैणी रेल्वे ट्रेक पर धरना।
400	30.6.2017	किसान आत्महत्या प्रकरण (कोटा) को लेकर आन्दोलन।
401	जुलाई 2017	मेहन्दीपुर बालाजी (भालपुर गांव की) दलित महिला के कि अत्याचार को लेकर आन्दोलनः– पुलिस मुल्जिम की तलाश में घर में घुस गई जहां पुलिस ने महिलाओं की बेरहमी से पिटाई की इस ज्यादती के खिलाफ दौसा कलेक्ट्रेट पर धरना दिया गया जिसके बाद थानेदार को निलम्बित कर दिया।
402	13.7.2017	युवक को अवैध हिरासत में बैठाये रखने पर थाना किशोरपुरा–कोटा पर धरना।
403	9.10.2017	होटल अमन बाग सरिस्का के अवैध निर्माण को लेकर धरना।
404	8.11.2017	बनास नदी में बजरी के अवैध खनन को लेकर सवाईमाधोपुर कलेक्ट्रेट पर धरना।
405		अवैध खनन को रोकने वाले सरपंच की बजरी माफियाओं ने हत्या कर दी जिसे लेकर अनन्त बडीला की अगुवाई में कलेक्ट्रेट पर धरना दिया गया वहां डा. किरोडीलाल ने भी पहुंचकर धरना दिया,, हत्यारों की गिरफ्तारी के बाद धरना समाप्त कर दिया गया।
406	नवम्बर 2017	चौथ वसूली प्रकरण सपोटरा को लेकर धरना।
407	11.11.2017	नेशनल पार्क में बने अवैध होटल व वन भूमि पर कब्जा को हटाने को लेकर आन्दोलन।
408	जनवरी 2018	पुलिस चौकी मुकरपुरा एवं बिवाई द्वारा अवैध खनन की आड में गरीब ट्रेक्टर वाहन चालको का शोषण करने पर बांदीकुई थाने पर धरना।
409	2018	ईस्टन राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को लेकर दौसा में आन्दोलन।
410	2018	ईस्टन राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट के सम्बन्ध में महावीरजी से करौली रैली एवं धरना।
411	2018	बांसवाडा जिले की जन समस्याओं को लेकर धरना।
412	जून 2018	करौली शहर में पंतजलि योगपीठ द्वारा अवैध रूप से आवंटित की गई भूमि के लिए आन्दोलन।
413	17.6.2018	**उपखण्ड अधिकारी टोडाभीम द्वारा युवक की मारपीट**ः– ग्राम कमालपुरा के एक युवक की न्याय आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान मारपीट कर दी इसे लेकर जनता में भारी आक्रोश फैल गया। उपखण्ड अधिकारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो तथा उसे गिरफ्तार किया जाये इसको लेकर धरना दिया गया तब जाकर उपखण्ड अधिकारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ।
414	10.7.2018	सरमथुरा में डकैत वन विभाग, खनन विभाग, पुलिस विभाग लोगों को परेशान किया जा रहा था जिसके लिए थाना का घेराव किया गया।
415	13.10.2018	महन्त किशोरपुरी निजी ट्रस्ट द्वारा लोगों को प्रताड़ित करने पर दौसा कलेक्ट्रेट पर धरना।
416	31.10.2018	**तूंगा थानाधिकारी प्रकरण**ः– तूंगा थानेदार ने गांवों में अवैध रूप से चल रही शराब के दुकानदारों से सांठ–गांठ करली जिस कारण क्षेत्र में माफियाओं का आतंक बढ गया इससे निजात दिलाने के लिए महिलाओं के साथ जयपुर कमिश्नरेट पर धरना दिया।
417	2018	सरमथुरा क्षेत्र में तीना विभागों ने लोगों को अवैध खनन की आड़ में बहुत तंग किया जाने लगा,

		जनता लुट रही थी इससे निजात दिलाने के लिए थाने पर धरना दिया।
418ए	2019	**थानागाजी दलित महिला के साथ गैंगरेप प्रकरण**:– अलवर जिले के थानागाजी इलाके में एक महिला एवं पति को निर्वस्त्र कर उसकी पत्नी के साथ करीबन 5 युवकों ने पति के सामने सामूहिक बलात्कार किया और उसका वीडियों भी बना लिया। दलित जोडे के साथ ये बारदात अत्यन्त ही शर्मनाक है किन्तु इससे बडी शर्मनाक पुलिस की करतूत रही है जिसने 26 अप्रेल 2019 की धटना का मुकदमा पुलिस अधीक्षक की दखल के बाद दर्ज किया। दोनो पति–पत्नी बाइक से अपने घर जा रहे थे उसी दौरान दो बाइक सवार युवकों ने उन्हें रोककर पहले तो दोनो को नंगा किया और महिला के साथ दिन दहाड़े सामूहिक बलात्कार किया, पुलिस अधीक्षक के निर्देश के बाद भी थानेदार ने फरियादी का मुकदमा दर्ज नहीं किया। घटना के बाद आरोपियों ने पीडितों से वीडियों वायरल की धमकी देकर पैंसे भी ऐंठ लिए। दलित जोडे को आरोपियों द्वारा बार–बार डराया धमकाया गया। राजस्थान राज्य में दलित अत्याचार की यह पराकाष्ठा थी, इसे लेकर थानागाजी, जयपुर, अलवर एवं दौसा में डा. किरोडीलाल की अगुवाई में जनसमर्थित आन्दोलन किए गये। जिस कारण कांग्रेस के नेता श्रीमान राहुल गांधी को भी दलित के घर थानागाजी आना पड़ा। देश के प्रधानमंत्री मा. नरेन्द्र मोदी ने भी तीन बार बडी–बडी सभाओं में अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग भी दोहराई। इसको लेकर अलवर, जयपुर एवं दौसा **चार बार आन्दोलन।**
419ए	2019	उनियारा जिला टोंक में पुलिस अत्याचार को लेकर सांकेतिक धरना।
420ए	फरवरी 2019	**दलित अत्याचार**:– नागौर, बाडमेर, जैसलमेर तथा अलवर में दलितों पर बढे पैमाने पर हुए क्रूर अत्याचारों तथा दमन को लेकर सैकडों लोगों के साथ जयपुर में धरना दिया गया।
421ए	2019	अलवर छात्र संघ चुनावों को लेकर आन्दोलन (फोजी के साथ मारपीट) को लेकर आन्दोलन।
422ए	2019	**जयपुर में कावडियों पर हमला**:– जयपुर के सुभाष चौक स्थित चार दरवाजा क्षेत्र तथा दिल्ली रोड पर मुसलमान समाज के उपद्रवियों का कावडियों पर जानलेवा हमला किया, राहगीरों को मारा–पीटा , बसों एवं अन्य साधनों में तोड–फोड की तथा मौहल्लों में घुसकर उपद्रव फैलाया। पुलिस ने उपद्रवियों के बजाय सैकडों हिन्दु युवाओं को नामजद कर तंग करना चालू कर दिया। उन्हें घरों से पकड कर पुलिस थाने ले जाने लगी। दोषियों को गिरफ्तार करने तथा निर्दोष लोगों को परेशान नहीं करने को लेकर पुलिस कमिश्नरेट जयपुर के मुख्यालय पर डा. किरोडीलाल की अगुवाई में धरना दिया गया तथा सभी निर्दोष हिन्दु युवाओं को छुडवाया गया।
423ए	2019	गंगापुरसिटी में हिन्दु–मुस्लिम झगडा को लेकर धरना।
424ए	2019	**मन्नू शर्मा हत्याकांड**:— जयपुर शहर के खो नागोरियान थानान्तर्गत मुसलमानों ने एक हॉकर मुन्नालाल शर्मा की गर्दन काटकर हत्या कर दी। शर्मा की विधवा पत्नी फरियाद लेकर जब थाना खोनागोरियान पहुंची तो पुलिस के थानेदार द्वारा उसको अपमानित किया गया तथा उसके साथ गये बस्सी के पूर्व विधायक श्री कन्हैयालाल, बगरू के पूर्व विधायक श्री कैलाश वर्मा एवं अन्य अनेक

		कार्यकर्ताओं पर बर्बर लाठीचार्ज किया, जिससे अनेक लोग घायल हो गये। पुलिस की बर्बरता को देख डा. किरोड़ीलाल खोनागोरियान थाने पर पहुंच गये जहां उन्होने जयपुर के सांसद श्री रामचरण बोहरा, विधायक अशोक लाहोटी, श्री कालीचरण सराफ, श्री सतीश पूनिया, श्री नरपतसिंह राजवी, श्री अरूण चतुर्वेदी, श्री अशोक परनामी, श्रीमती सुमन शर्मा आदि को बुलवाकर थाने का घेराव कर बैठ गये तथा थानेदार के निलम्बन के बाद ही धरना समाप्त किया।
425ण	20.8.2019	लालसोट कस्बे में बढती चोरियो को लेकर थाना लालसोट का घेराव।
426ण	21.8.2019	लालसोट में एक व्यापारी की 5 लाख की लूट के बाद थाने पर धरना दिया गया जिसके बाद लुटेरों को गिरफ्तार कर राशि बरामद की गई।
427ण	2019	बहरोड थाने पर दिन दहाडे अपराधियों ने फायरिंग कर पपला गुर्जर को भगा ले जाने पर सचिवालय का घेराव एवं धरना।
428ण	2019	**च्ज्ण का आन्दोलन**ः–राज्य में हजारों पीटीआई लम्बे समय से आन्दोलनरत थे जब उनकी मांगे नहीं मानी तो डा. किरोडीलाल ने जयपुर में जबरदस्त आन्दोलन किया उसके बाद सरकार झुकी और करीबन 4600 पीटीआई गणों को नियुक्ति दी।
429ण	2019	**रामगढ बांध के अतिक्रमण को लेकर धरना**ः–रामगढ बांध में बडे पैमाने पर हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए जमवारामगढ मुख्याल पर विशाल धरना दिया गया जहां सभी अधिकारियों ने अतिक्रमण हटाने का भरोसा दिया।
430ण		जमुवारामगढ के अभारण्य क्षेत्र में शामिल 33 गांवों एवं अभारण्य के 50 गांव में आंशिक रूप से पंजीयन पर वन विभाग द्वारा रोक लगा दिए जाने तथा वन विभाग से सम्बन्धित आस–पास के गांवों की समस्याओं के समाधान के लिए जमुवारामगढ मुख्यालय पर धरना दिया गया।
431ण	11.9.2019	पेन्सिल ठगी प्रकरण को लेकर मालवीय नगर थाने का घेराव।
432ण	2.10.2019	**गांधी सर्किल जयपुर में भिखारियों को न्याय दिलाने के लिए आन्दोलन**ः– राज्य में करीबन 22 हजार भिखारी हैं जिन्हें च्तवजमबज करने की दृष्टि से राज्य सरकार ने एक एक्ट पारित कर रखा है किन्तु 2012 मे जो एक्ट पारित किया था उसके अभी तक नियम ही नही बनाये जिससे भिखारियों को राहत नहीं मिल पा रही थी। भिखारियों के लिए राज्य सरकार द्वारा 2012 में बनाये एक्ट के नियम बनाकर उसे लागू करने की मांग को लेकर डा. किरोड़ीलाल की अगुवाई में गांधी सर्किल पर एक सांकेतिक धरना दिया गया।
433ण	11.10.19	**जयपुर में बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए धरनाः–** बेरोजगार युवा आये दिन नियुक्ति दिलाने एवं कई वर्षो से रूके हुए परिणामों को जारी कराये जाने के लिए कई आन्दोलन किये जैसेः– कनिष्ठ लिपिक भर्ती परीक्षा 2018 के 12050 अभ्यार्थियों का परीक्षा परिणाम जारी कराने, पंचायतीराज विभाग के कनिष्ठ लिपिक 2013 के 10029 पदो पर नियुक्ति दिलाने, 2018 के अध्यापकों की काउन्सलिंग कर 9000 हजार अभ्यार्थियों की कटऑफ जारी, सूचना सहायक 6300 को नियुक्ति दिलाने, विद्युत विभाग के सहायक द्वितीय के 2506 पदो पर नियुक्ति, 950 पशु चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति, स्कूल व्याख्याता 8.50 अभ्यार्थियों की लिखित परीक्षा

		तिथि आगे बढाने जाने हेतु आन्दोलन कर 5 हजार से 8 हजार पद करवाये, 31 हजार तृतीय श्रेणी अध्यापको की रीट की परीक्षा कराने, विद्युत विभाग के सहायक अभियन्ताओं को नियुक्ति दिलाने, सांख्यिकी सहायक अधिकारी भर्ती का परिणाम जारी कराने, प्रयोग शाला सहायक 2018 का परिणाम जारी कराने, 1751 कनिष्ठ लेखाकारों की प्रतीक्षा सूची जारी कराने, पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2018 के चयनित अभ्याथियों को नियुक्ति दिलाने, पैरा मेडीकल छात्रों को नियुक्ति दिलाये जाने, एवं दिव्यांग बधिर छात्रों को संभाग स्तर पर आईटीआई कॉलेज खुलवाने के लिए आन्दोलन किए।
434ʊ	16.10.2019	**<u>महावीर मीणा हत्याकांड</u>** हरमाडा में बदमाशों ने महावीर की दिन दहाडे गोली मारकर हत्या कर दी हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए जयपुर कमिश्नरेट पर सैकडों लोगों के साथ धरना दिया।
435ʊ	30.11.19	रामगढ बांध से अतिक्रमण हटाये जाने हेतु सैकड़ो लोगों के साथ नीम्स कॉलेज पर धरना।
436ʊ	7.12.19	रामगढ बांध से अतिक्रमण हटाये जाने हेतु ट्री हाउस पर धरना।
437ʊ	7.12.19	रामगढ बांध से अतिक्रमण हटाये जाने हेतु अचरोल हाउस पर धरना।
438ʊ	7.12.19	कूकस में हीरो कम्पनी से गरीबों की जमीन को कब्जे से मुक्त कराने हेतु धरना। **दो बार**
439ʊ	2019	महवा में बिगडती कानून व्यवस्था को लेकर महवा थाने पर धरना।
440ʊ	2019	आरपीएससी से चयनित सहायक अभियन्ता को परीक्षा में समय बढवाने के लिए धरना जयपुर में
441ʊ	16.12.19 से 23.12.19 तक	**<u>प्रथम श्रेणी व्याख्याताओं की परीक्षा तिथि को आगे बढाने हेतु शहीद स्मारक पर धरना</u>**:– राजस्थान में व्याख्याता भर्ती परीक्षा को लेकर बेरोजगार काफी दिनों से आन्दोलनरत थे उन्होने मुझसे उनके आन्दोलन में सहयोग देने का आग्रह किया। न्दपअमतेपजल ब्ंउचने से करीबन 10 हजार जवानों को लेकर मैने सिविल लाइन फाटक की तरफ कूच कर दिया और वहीं धरने पर बैठ गया। मौके पर पुलिस कमिश्नर आ आये और उन्होने सिविल लाइन फाटक छोडकर कमिश्नरेट ऑफिस के आगे धरना देने को कहा उनके कहने पर मैं उन हजारों बेरोजगार युवाओं को लेकर धरने पर बैठ गया। उस समय जयपुर में ठण्ड ने 100 साल का रिकॉर्ड तोडा। ज्मउचमतंजनतम 5. 6'' के आस पास था। उस कड़ाके की ठण्ड में 5–6 दिन तक जब सरकार ने सुनवाई नही की तो बेरोजगार छात्र/छात्राएं जगतपुरा स्थित टंकी पर चढ गई जो करीबन 48 घण्टे तक बैठी रही। सरकार के आश्वासन के बाद उनको उतार लिया, वार्तालाप में सरकार ने निराश किया फिर पुनः न्दपअमतेपजल स्थित एक टंकी पर चढकर 4 छात्राएं 72 घण्टे तक कड़ाके की ठण्ड में बैठी र के ही। सरकार ने एक प्रतिनिधिमण्डल के साथ चर्चा की, स्वयं मुख्यमंत्री ने बात की कुछ मांगें मानी किन्तु कुछ पर सरकार सहयोग नही मिला यह आन्दोलन भी अपने आप में एक अनोखा आन्दोलन था। **दो बार**
442ʊ	8.1.2020	जयपुर में पैरा मेडीलक छात्रों की परीक्षा का कलेण्डर जारी कराने हेतु पैदल कूच।
443ʊ	2020	लवाण में पुलिस की ज्यादतियों को लेकर दौसा में धरना।

444ए	23.1.2020	**भूमि समाधि सत्याग्रहः—**भारत माला परियोजना के तहत दिल्ली–मुम्बई एक्सप्रेस हाईवे का निर्माण प्रारम्भ किया गया है किन्तु किसानों को उनकी भूमि का उचित मुआवजा नही दिया गया। राजस्थान के किसानों छत्तीसगढ राज्य की तर्ज पर भूमि का मुआवजा मिले इस दृष्टि से किसानों ने सरकार का ध्यान आकर्षित किया। संसद में भी डा. किरोड़ीलाल ने उचित मुआवजा देने की मांग उठाई, किन्तु जब सरकार ने किसानों की नही सुनी तो डा. किरोड़ीलाल 101 किसानों को लेकर ;जिसमें 31 महिला कृषक भीद्ध दौसा के लाडलीबास गांव में कडाके की ठण्ड ;6 डिग्री तापमान मेंद्ध भूमि समाधि सत्याग्रह किया गया। 6 दिन बाद सरकार ने किसानों के प्रतिनिधि मण्डल से जयपुर में वार्तालाप कर 13 बिन्दुओं पर अपनी सहमति दे दी जिससे किसानों को बहुत राहत मिली।
445ए	27.1.2020	रात्रि को कूड मोडते समय किसानों की मौतों को लेकर आन्दोलन।
446ए	8.2.2020	सीमेन्ट फैक्ट्री को चालू कराने हेतु सवाईमाधोपुर मुख्यालय पर धरना।
447ए	19.2.2020	जयपुर में विधानसभा पर प्रदर्शन एवं ज्ञापन सवाईमाधोपुर सीमेन्ट फैक्ट्री को चालू कराने हेतु एवं बेरोजगारों की मांगों को लेकर।
448ए	7.3.2020	ओलावृष्टि को लेकर उपखण्ड कार्यालय टोडाभीम के यहां धरना एवं ज्ञापन
449ए	9.3.2020	**राज्य में हुई भंयकर ओलावृष्टि को लेकर जयपुर कूच एवं धरनाः**– डा. किरोडीलाल ने दिनांक 7.3.2020 को राज्य के तीन जिलों के आठ विधानसभा क्षेत्रों के 89 ओलावृष्टि गांवों का भ्रमण किया किसानों की इन समस्याओं को लेकर दिनांक 8.3.2020 को एक सांकेतिक धरना टोडाभीम उपखण्ड कार्यालय पर दिया जहां सम्बन्धित विभागों के अधिकारियो एवं उपखण्ड अधिकारी के साथ चर्चा कर किसानों को राहत दिलाने का प्रयास किया। इसी प्रकार दिनांक 9.3.2020 को जयपुर जिले के कोटखावदा गांव से 4–5 हजार लोग जयपुर चलकर आये जहां किसानों के द्वारा जयपुर में धरना दिया गया जिसमें 4–5 हजार किसानो के साथ 400–500 महिलाये भी मौजूद थी। सरकार के मंत्री, जिला कलेक्टर जयपुर एवं कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ प्रतिनिधि मण्डल ने अपना पक्ष रखा और सरकार के आश्वासन के बाद धरना समाप्त कर दिया। **दो बार।**
450ए	2020	**ट्री हाउस रिसोर्ट का घेरावः**– रामगढ बांध के भराव क्षेत्र में एक उद्योगपति का अवैध विशाल ज्तमम भ्वनेम रिसोर्ट बना हुआ है। इस सहित रामगढ बांध के भराव क्षेत्र में ऐसे दर्जनों अवैध निर्माणों को हटाने का राजस्थान हाईकोर्ट ने भी आदेश भी रखा है तथा डा. किरोडीलाल इन अवैध निर्माणों को हटाने के लिए लम्बे समय से आन्दोलनरत हैं। इस अवैध ज्तमम भ्वनेम रिसोर्ट में मध्यप्रदेश सरकार के विरूद्ध रखे गये अविश्वास प्रस्ताव वाले 38 कांग्रेस के विधायक रोके गये थे। विधायको

		के इस कैम्प को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लेकर अन्य मंत्री उन्हें संभालने आते जाते रहे। अतिक्रमित रिसोर्ट को खाली कराने की मांग को लेकर दिनांक 16.3.2020 की अर्द्धरात्रि को रिसोर्ट के समक्ष दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन कर धरना दिया गया जहां डा. किरोड़ीलाल सहित 17 समर्थकों को गिरफ्तार कर सामोद थाने में डाल दिया तथा एक मुकदमा चन्दवाजी थाने में भी दर्ज करवा दिया गया।
451प	जून 2020	**चिपको आन्दोलन–**
452प	10.10.2020	**बाबूलाल वैष्णव (पुजारी) हत्या काण्ड ग्राम बूकना (सपोटरा)–** ग्राम बूकना में मंदिर माफी की जमीन को लेकर दबंगों ने पुजारी बाबूलाल वैष्णव को जिन्दा जलाकर मार दिया जिसको लेकर मैने दिनांक 11.10.2020 को धरना दिया और मृतक परिवार को 10 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि एवं सरकारी नौकरी दिलवाई तथा मैने खुद ने एक लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि मृतक के परिवार को दी।
453प	6.10.2020	**सैक्स रैकेड सवाईमाधोपुर**
454प	12.10.2020	**भूमि मुआवजे को लेकर ग्राम सहरावता (सवाईमाधोपुर) में धरना–** दिल्ली–मुम्बई एक्सप्रेस हाईवे में अवाप्त जमीन का मुआवजा दिलाने के लिए।
455प	14.10.2020	**डूंगरपुर आन्दोलन को लेकर–**
456प	17.11.2020	**विकेश मीणा हत्या काण्ड – छोटी उदेई (गंगापुरसिटी जिला सवाईमाधोपुर)**
457प	14.12.2020	**जयपुर में श्रम डिप्लोमा एवं डिग्री के पेपर लीक होने पर परीक्षा पुनः कराने हेतु आन्दोलन।**
458प	13.1.21	**महवा पंचायत मुख्यालय पर जन समस्याओं को लेकर जनसुनवाई**
459प	21.1.2021	**रामगढ पचवारा पंचायत मुख्यालय पर जन समस्याओं को लेकर जनसुनवाई।**
460प	22.1.2021	**दौसा कलेक्ट्रेट के सामने सरपंचों के पीडी खाते खोले जाने के विरोध में एक बिजली की समस्याओं एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ चार दिवसीय धरना।**
461प	4.2.2021	**अवैध खनन को लेकर कालवान तहसील सिकराय जिला दौसा में मानपुर थाने पर धरना।**
462प	13.3.2021	**तेल रस्म आन्दोलन** – ग्राम चान्दावास थाना रामगढ पचवारा में दबंगो ने कुम्हार जाति की दो बच्चियों की तेल रस्म नही होने दी जिसको लेकर थाना रामगढ पचवारा में धरना देकर थाना परिसर में ही तेल रस्म कराई तथा शादी की रस्म पुलिस सुरक्षा में कराई गई।
463प	27.3.2021	**विजय सिंह गुर्जर, ग्राम श्यामपुरा तहसील सपोटरा जिला करौली ट्रैक्टर चालक** की

		दिनांक 23.3.2021 को पुलिस मारपीट से मौत हो गई उसे लेकर पांच दिन तक कलेक्ट्रेट करौली पर धरना दिया जब जाकर मृतक की पत्नी विजय देवी को होमगार्ड की नौकरी दिलाई, 12वीं कक्षा तक बच्चों को मुफ्त शिक्षा, प्रधानमंत्री आवास योजना में 1.50 लाख रूप्ये का मकान, पालनहार योजना का लाभ दिलाया जबकि इसमें आरोपी मीणा समाज के लोग थे।
464ण	3.4.21	**शम्भू पुजारी हत्याकांड—** ग्राम टीकरी जाफरान तहसील महवा में दबंगों ने पुजारी की 2 बीघा खातेदारी की जमीन एवं 26 बीघा मंदिर माफी की जमीन फर्जी कारिस्तानी कर गूंगे बहरे शम्भू पुजारी पर दबाव बनाकर जबरन अपने नाम रजिस्ट्री करा ली जिसके गम में पुजारी की मौत हो गई उसे लेकर पहले छः दिन तक महवा थाने पर शव को लेकर धरना दिया जब वहां न्याय नही मिला तो शव को लेकर सिविल लाईन फाटक जयपुर पर लाकर चार दिन तक धरना दिया गया जिसमें सर्व समाज विशेषकर राज्य के ब्राहमण समाज के लोगों के साथ—साथ भाजपा ने धरना दिया इस धरने में भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, सांसद रामचरण बोहरा, विधायक कालीचरण सराफ, अशोक लाहोटी, संजय शर्मा, मोहनलाल गुप्ता, प्रतापसिंह सिंघवी सहित प्रदेश के दिग्गज नेता शामिल हुए, इसमें आरोपीगण मीणा समाज के लोग थे। इस समझौते में राज्य सरकार राज्यभर की मंदिर माफी की भूमि कों संरक्षित करने की दृष्टि से सख्त कानून लायेगी। 2. मंदिर माफी की जमीन सहित खातेदारी की जमीन राज सात की गई। 3. आरोपियों का गिरफ्तार किए जाने की मांग भी मानी गई।
465ण	2.6.2021	**महेन्द्र हत्या काण्ड, थाने में भजनलाल मर्डर केश एवं कोरोना महासंकट में अनाथ बच्चों को सहायता दिलाने हेतु कलेक्ट्रेट सवाईमाधोपुर परिसर में धरना—** आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया गया।
466ण	19.6.2021	कोविड—19 महासंकट के दौरान अनाथ हुए बच्चों के अलावा राज्य में किसी भी कारण से अनाथ हुए सभी बच्चों को सम्बल देने की दृष्टि से विशेष आर्थिक पैकेज दिये जाने हेतु **मुख्यमंत्री आवास 8 सिविल लाईन** के बाहर धरना आश्वासन के बाद धरना समाप्त।
467ण	7.7.2021	आदिवासियों की मजदूरी के नाम पर खरीदफरोख्त, ईसाई धर्मपरिवर्तन कराने एवं अनाथ बच्चों को आर्थिक सहायता दिलाने हेत जवाहर सर्किल जयपुर स्थित मैरियट होटल में कांग्रेस संगठन प्रभारी श्री अजय माकन जी रूके हुए थे उनका घेराव कर ज्ञापन दिया उनके आश्वासन के बाद वहां से आ गये।
468ण	9.7.2021	नगर निगम ग्रेटर एवं हैरिटेज के सफाई कर्मियों की मांगों लेकर नगर निगम ग्रेटर के बाहर टोंक रोड पर धरना दिया, सफाई कर्मियों की सभी मांगें माने जाने पर धरना

		समाप्त कर दिया।
469ए	12.7.21	तीनों विद्युत कम्पनियों के कर्मचारियों का इन्टर डिस्कॉम स्थानान्तरण की मांग, फ्यूल चार्ज खत्म करने, स्थाई शुल्क हटाये जाने एवं लम्बित कृषि कनेक्शनों को पूरा करने हेतु जवाहर सर्किल पर एक सांकेतिक धरना दिया फिर विद्युत विभाग के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक को ज्ञापन दिया आश्वासन के बाद धरना समाप्त कर दिया गया।
470ए	1.8.21	आमागढ प्रकरण
471ए	18.8.21	खोहगंग प्रकरण
472ए	13.9.21	विधानसभा घेराव आन्दोलन
473ए	20.9.2021	जिला श्योपुर की तहसील वीरपुर, विजयपुर, श्योपुर, कराहल एवं सबलगढ के पशुपालकों की समस्या को लेकर जनसभा।
474ए	29.9.2021	अवैध बजरी खनन को लेकर मलारना डूंगर से सवाईमाधोपुर कूच
475ए	30.9.2021	रीट एवं एस.आई. का पेपर लीक को लेकर शहीद स्मारक पर धरना
476ए	29.10.21	बाजरे की डैच दर पर खरीद की मांग को लेकर किसानों से साथ सिविल लाइन फाटक पर धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री जी को ज्ञापन।
477ए	नवम्बर 21	सैनी समाज की महिलाओं के साथ पुलिस द्वारा मारपीट के विरोध को लेकर मण्डावर थाने पर धरना।
478ए	19.11.2021	बुद्धिप्रकाश मीणा लालसोट जो पिछले दो साल से लापता चल रहा था उसका पता लगाने के लिए केबीनेट मंत्री परसादी मीणा के निवास का हजारों लोगों को लेकर घेराब किया।
479ए	20.11.21	सवाईमाधोपुर में बिगती कानून व्यवस्था को लेकर आन्दोलन।
480ए	24.11.21	तीन ग्राम पंचायत गगवाना, बालाहेडी एवं टुडियाना के हजारों लोगों को लेकर पंचायत समिति बैजूपाडा से हटाकर पुनः महवा पंचायत समिति में जोडे जाने की मांग को लेकर गगवाना गांव से जयपुर कूच।
481ए	26.11.21	घुमन्तू गाडिया लोहारों को जमीन का पट्टा दिलाने की मांग को लेकर नगर परिषद दौसा का घेराव।
482ए	18.12.21	बुद्धिप्रकाश मीणा लालसोट जो पिछले दो साल से लापता चल रहा था उसका पता लगाने हेतु वापिस उपखण्ड मुख्यालय लालसोट पर धरना एवं ज्ञापन देकर धरना समाप्त।
483ए	26.12.21	महाराजा हम्मीर महाविद्यालय एवं जमवाय कन्या महाविद्यालय सवाईमाधोपुर की अनियमिताओं को लेकर धरना।
484ए	13.1.22	मूक बधिर 15 वर्षीय बालिका अलवर के साथ गैंगरेप हुआ उसे लेकर सवाईमाधोपुर में प्रियंका गांधी का घेराव कर न्याय दिलाने की मांग की।
485ए	14.1.22	मूक बधिर 15 वर्षीय बालिका अलवर के साथ गैंगरेप हुआ उसे लेकर अलवर मुख्यालय पर सांकेतिक धरना एवं ज्ञापन देकर न्याय की मांग कर मुआवजा दिलाने की मांग।
486ए	16.1.2022	मण्डरायल जिला करौली में सरपंच के साथ मारपीट की उसे न्याय दिलाने हेतु धरना प्रर्दशन किया।
487ए	19.1.2022	रीट पेपर लीक को लेकर पुनः ैव्ळ के कार्यालय सांकेतिक धरना एवं ।क्ळ को ज्ञापन देकर आरोपियों को गिरफ्तार किये जाने की मांग।
488ए	20.1.2022	5 एकड से कम भूमि वाले किसानों का कृषि ऋण माफ किये जाने हेतु **मुख्यमंत्री** आवास के बाहर धरना दिया और नीलामी को निरस्त कर दिये जाने के आश्वासन के बाद धरना समाप्त कर ज्ञापन देकर मृतक कजोड मल मीना रामगढ पचवारा ने कर्ज से दंग आकर आत्महत्या कर ली उसे आर्थिक पैकेज दिया जाने का आश्वासन

		दिया।
489ए	23.1.2022	आदिवासी महिला के साथ गैंगरेप हुआ उसे लेकर प्रतापगढ जिला कलेक्ट्रट पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ धरना देकर उसे आर्थिक सहायता दिलाई।
490ए	24.1.2022	राजस्थान–गुजरात सीमावर्ती क्षेत्र की आदिवासी बालाओं को बहला फुसलाकर मजदूरी के नाम गुजरात ले जाकर उनके साथ दरिंदगी कर देहशोषण किया जा रहा था उसे रोके जाने हेतु एवं उन्हें सहायता दिलाने हेतु जिला कलेक्टर उदयपुर यहां धरना एवं ज्ञापन देकर उन्हें सहायता दिलाई।
491ए	10.2.22	श्री रामनिवास जाट जो रीट पेपर कॉलकता से राजस्थान आ रहा था तो जमवारामगढ के पास ट्रक पलट गया और उसकी मौत हो गई जिसकी जांच नही कराई गई और ना ही उसकी विधवा को कोई सहायता नही दी उसकी विधवा लेकर म्प्क निदेशक को ज्ञापन एवं धरना दिया आश्वासन के बाद रात्रि को धरना समाप्त लेकिन दूसरे दिन प्रशासन अपनी बात से पीछे हट गया फिर दिनांक 11.2.22 को मंत्री श्री राजेन्द्र गुढा के बंगले पर तीन दिन तक धरना चला तब जाकर तीन दिन बा विधवा मनीष जाट को 10 लाख रू0 की आर्थिक सहायता एवं सरकारी नौकरी पर सहमति बनी तब जाकर धरना समाप्त हुआ।
492ए	15.2.22	रीट पेपर को लेकर भाजपा ने विधानसभा घेराव किया उसमें भाग लिया।
493ए	9.4.2022	करौली में दिनांक 2.4.2022 को नवसंवत्सर के उपलब्ध में मोटरसाईकिल रैली निकाली जा रही थी तो मुस्लिम समाज के लोगों ने पथराव किया जिसमें 50 लोग घायल हुए तथा दर्जनों दुकानों को जला दिया उसे लेकर मैं जिला कलेक्ट्रेट पर धरना दे रहा था तो प्रशासन ने मुझ सहित कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया।
494ए	12.4.22	कोविड स्वास्थ्य सहायकों को नियमित करने हेतु शहीद स्मारक जयपुर पर सांकेतिक धरना।
495ए	16.4.2022	दौसा जिले में पानी की भीषण समस्या को लेकर मटका फोड आन्दोलन– गांधी सर्किल दौसा से कलेक्ट्रेट दौसा की तरफ पैदल कूच कर धरना दिया और जिला कलेक्टर दौसा को दौसा में पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से कराने हेतु वाटर ट्रेन चलाकर पानी की व्यवस्था कराने हेतु ध्यान आकर्षित किया।
496ए	22.4.2022	जिला अलवर के विधानसभा क्षेत्र राजगढ में 300 साल पुरानी शिव प्रतिमा को सरकार के इशारे पर प्रशासन तोड दिया उसे लेकर मैंने पुलिस थाना राजगढ पर दो दिन तक धरना दिया, प्रशासन ने मांगों को मना जब जाकर धरना समाप्त किया।
497ए	12.5.22	भुखमरी, कुपोषण, धर्मपरिवर्तन एवं आदिवासियों की बदहाली को लेकर मैं दिनांक 12.5.2022 को उदयपुर में एक प्रेस वार्ता करना कर मा0 सोनिया जी का ध्यान आकर्षित करना चाह रहा था लेकिन पुलिस ने मुझे 129 ब्तचब के तहत गिरफ्तार कर जिला बदर कर जयपुर छोडा।
498ए	13.6.22	सहारा इण्डिया परिवार के कार्यकर्ताओं एवं जमाकर्ताओं के सेवी में जमा 25 हजार करोड रू0 को कार्यकर्ताओं एवं जमाकर्ताओं के दिलाने हेतु बस्सी से जयपुर कूच।
499ए	16.6.22	मोना सैनी, मण्डरायल के साथ गैंगरेप कर हत्या कर दी उसे न्याय दिलाने हेतु सपोटरा जा रहा था लेकिन पुलिस प्रशासन ने ग्राम कुडगांव में भारी पुलिस जाप्ता लगा कर मुझ सहित हजारों लोगों को रोक दिया और गिरफ्तार कर लिया।
500ए	9.8.22	**म्त्ब्ब** को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने हेतु राज्य सरकार मध्यप्रदेश सरकार से 75 प्रतिशत जल निर्भरता की स्वीकृति एवं 13 जिले के सभी बांधों को जोडने हेतु मीणा हाईकोर्ट में एक बडी जनसभा और सभा सम्बोधन के बाद जयपुर कूच किया जिस पर राज्य सरकार के मंत्री विश्वेन्द्रसिंह जी ने सभी खामियों को दूर करने का आश्वासन दिया तब जाकर आन्दोलन खत्म किया।
501ए	5.9.22	**ब्र।** कर्मियों की मांगों को लेकर झोटवाडा अजमेर रोड पर दो दिन तक धरना दिया। सरकार के साथ वार्ता होने के बाद धरना समाप्त।
502ए	7.9.22	हनुमान हनुतिया, सरपंच निवाई जिला टोंक की हत्या का खुलासा करने के लिए पुलिस अधीक्षक टोक के कार्यालय पर सांकेतिक धरना एवं ज्ञापन देकर हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग।

503ए	20.9.2022	अलवर जिले के सरिस्का क्षेत्र में अवैध रूप से निर्मित/निर्माणाधीन होटलों, वन क्षेत्र में अतिक्रमण, अवैध फार्म हाउस, वन क्षेत्र में जमीनों का अवैध पंजीयन, अवैध खनन एवं वन्य जीव अधिनियम के खुल्लम–खुल्ला उलंघन को प्रभावी रूप से रोके जाने धार्मिक स्थल पाण्डुपोल पर भक्तों की निशुल्क तौर पर निर्बाध रूप से दर्शनार्थ प्रवेश तथा स्थानीय युवाओं को रोजगार दिये जाने के सम्बन्ध में आन्दोलन
504ए	19.10.22	हाउसिंग बोर्ड सवाईमाधोपुर निवासी आकांक्षा शर्मा को मुस्लिम युवक द्वारा अपहरण कर ले गये उसे लेकर मैं. महिला थाने पर धरने पर बैठ गया और जब उठा जब लडकी बरामद हो गई।
505ए	28.10.22	वृत्ताधिकारी टोडाभीम कार्यालय के बाहर टीकाराम मीना, ग्राम धौलेटा थाना नादौती अपहरण हुए बालक की बरामदगी को लेकर सांकेतिक धरना।
506ए	8.11.22	नादौती में टीकाराम मीना, ग्राम धौलेटा थाना नादौती अपहरण हुए बालक की बरामदगी को लेकर वापिस दूसरी बार धरना प्रदर्शन।
507ए	30.11.22	बगराना (जयपुर) में छभ्।प् द्वारा दिल्ली–मुम्बई हाईवे का इकोलॉजीकल जोन में बिना स्वीकृति के कार्य चल रहा एवं किसानों को मुआवजा नही दिया उसे लेकर सांकेतिक धरना एवं ज्ञापन दिया
508ए	4.12.2022	टोंक में आबकारी विभाग की ओर से शराब ठेकेदारों की जमीनों को नीलाम किए जाने के विरोध में लीकर कांटेक्टर आन्दोलन में सम्मिलित
509ए	4.12.2022	नन्दीशाला (बन्दी) में आमजन आक्रोश आन्दोलन
510ए	5.12.2022	सिरोही में कांतिलाल भील की हत्या को लेकर कलेक्टेट पर चल रहे धरने में शामिल होने जा रहा था तो सिरोही बार्डर पर पुलिस फोर्स द्वारा रोका तो मैं वही पर धरने पर बैठ गया और न्याय दिलाया।
511ए	17.12.2022	दिनांक 17 दिसम्बर 2022 को भारत जोडो यात्रा के खिलाफ न्याय यात्रा राजगढ जिला अलवर में किसानों का कर्जा माफ करने, बेरोजगारों को रोजगार देने, सीएचए को नौकरी देने एवं सम्पूर्ण शराबबन्दी के खिलाफ दो दिवसीय धरना दिया आश्वासन के बाद दिनांक 18.12.2022 को धरना समाप्त।
512ए	29.12.22	अवैध खनन बजरी माफियाओं के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर अवैध बजरी खनन को रोका जिससे लेकर एलओआई होल्डर मंजीत चावला बनास नदी मलारना डूंगर ने मुझ सहित मेरे कार्यकर्ताओं के खिलाफ आगजनी का झूंठा मुकदमा थाना मलारना डूंगर में दर्ज करा दिया।
513ए		अवैध खनन बजरी माफियाओं के खिलाफ सवाईमाधोपुर कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन
514ए	24.1.23	वरिष्ठ अध्यापक पेपर लीक को लेकर लाखों युवाओं को लेकर दौसा से जयपुर कूच, चन्द्रमहल गार्डन के बाहर सरकार ने रोक लिया और मैं वहीं धरने पर बैठ गया 12 दिन धरना चलने के बाद सरकार से वार्ता एवं आश्वासन के बाद धरना समाप्त।
515ए	28.2.23	पुलवामा में 2018 में शहीद हुए हेमराम मीना, रोहिताश लाम्बा, जीतराम गुर्जर एवं असि. कमाण्डेन्ड जितेन्द्रसिंह को राज्य सरकार द्वारा जो घोषणा की थी उसे पूरा नही किया इसे लेकर मैं इनकी वीरांगनाओं को साथ लेकर पहले विधानसभा के गेट पर धरने पर बैठा फिर वहां से उठाकर शहीद स्मारक ले गये
516ए	16.4.2023	जयपुर ब्रहमपुरी इलाके के रामप्रसाद मीना आत्महत्या प्रकरण, जो करीबन 8 दिन तक धरना चला, सम्पूर्ण मांगे मानने के बाद ही धरना समाप्त किया।
517ए	22.5.23	कोटखावदा हादसा– कोटखावदा में एक थार जिप्सी चालक ने चार बंजराओं पर थार चढाकर मार दिया उन्हें न्याय दिलाने हेतु दो दिन तक धरना दिया सभी मांगे मनने के बाद धरना समाप्त।
518ए	19.6.2023	अवैध बजरी खनन माफियाओं के खिलाफ थाना अशोक नगर जयपुर में मुकदमा दर्ज कराने गये मुकदमा दर्ज नही किया तो मै वही धरना देकर बैठ गया चार दिन तक धरना देकर बैठा रहा पुलिस ने गिरफ्तार कर चाकसू छोडा।
519ए	20.6.23	जल जीवन मिशन में हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ थाना अशोक नगर जयपुर में मुकदमा दर्ज कराने गये मुकदमा दर्ज नही किया तो मै वही धरना देकर बैठ गया चार दिन तक धरना देकर बैठा रहा उसे लेकर मुझ सहित में 14 समर्थकों के खिलाफ यह मुकदमा दर्ज किया गया।
520ए	12.7.23	महवा के ग्राम अमरपुर निवासी संजय गुर्जर की बदमाशों ने गोली चलाकर हत्या कर दी उसे लेकर मैने महवा मुख्यालय पर धरना दिया आश्वासन के बाद ही धरना समाप्त किया।
521ए	13.7.23	टोडाभीम के ग्राम मोहनपुर की आरती बैरवा के साथ गैंगरेप कर गोली मार कर हत्या कर दी और तेजाब डालकर जला दिया उसके बाद उसे कुएं में डाल दिया उसे न्याय दिलाने के तीन दिन तक हिण्डौनसिटी के सरकारी अस्पताल में धरना दिया और हत्यारों की गिरफ्तारी, आर्थिक सहायता एवं परिजन को सरकारी नौकरी के आश्वासन के बाद धरना समाप्त।

522ʊ	26.9.23	महवा में भ्रष्टाचार, रिंग रोड एवं पानी, बिजली की समस्या को लेकर आन्दोलन
523ʊ	3.10.23	सवाईमाधोपुर एक किसान बाबूलाल गुर्जर खेत में काम कर रहा था उसे टाईगर ने मार दिया उसे लेकर मैने सवाईमाधोपुर में धरना दिया तब जाकर सरकार ने 10 लाख रू0, 5 बीघा जमीन, 5 लाख रू0 मैने स्वयं ने 5 लाख, रू0 डेयरी बूथ की सहायता दिलाई।
524ʊ	22.11.23	शहर सवाईमाधोपुर में मुस्लिम समाज के लोगों ने अपने पडौस में रह रही ब्राहमण समाज की लडकियों के साथ मारपीट कर अभ्रदता की उसका मुकदमा थाना कोतवाली सवाईमाधोपुर में दर्ज नही किया उसे लेकर धरना दिया। अपराधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनके खिलाफ कार्यवाही की तब जाकर धरना समाप्त किया।

जनसमस्याओं को लेकर पुनः त्मचमंज किए गये ;त्मचमंजपवद.86द्ध आन्दोलन

कुल जन आन्दोलन 524़86त्र610

इन आन्दोलनों में 30ः ष्ण्ज्ैण्ब् एवं दलितों के लिए किए गये तथा अन्य सभी सवर्ण वर्गो के लिए 70ः आन्दोलन किए गये। इन आन्दोलनों को लेकर 153 मुकदमें लगे 16 बार जेल गया तथा 28 बार गिरफ्तारी हुई।

दिनांकः–

गहलोत सरकार के तृतीय शासन काल में (2019 से मार्च 2023 तक) डा. किरोडीलाल ने छोटे–बडे करीबन 107 आन्दोलन चार साल में किए जिनमें आमजन का सर्वाधिक जुडाव पार्टी के साथ हुआ। कुछेक प्रमुख बडे आन्दोलनों का विवरण संक्षिप्त में निम्नानुसार हैः–

क्र.स.	वर्ष	आन्दोलन का विवरण
1ʊ	7.5.2019	**थानागाजी (जिला अलवर) में दलित महिला के साथ पति के समक्ष गैंगरेप प्रकरण**ः– अलवर जिले के थानागाजी इलाके में एक दलित महिला एवं उसके पति को निर्वस्त्र कर करीबन 5 युवकों ने पति के सामने सामूहिक बलात्कार किया और उसका वीडियों भी बना लिया। दोनो पति–पत्नी बाइक से अपने घर जा रहे थे उसी दौरान दो बाइक सवार युवकों ने उन्हें रोककर पहले तो दोनो को नंगा किया और पति की उपस्थिति में महिला के साथ दिन दहाड़े सामूहिक बलात्कार किया, थानेदार ने फरियादी का मुकदमा दर्ज नहीं किया। घटना के बाद आरोपियों ने पीडितों से वीडियों वायरल की धमकी देकर पैंसे भी ऐंठ लिए। दलित जोडे को आरोपी बार–बार डरा धमका कर पैसे ऐंठते रहे। अंत में जब वीडियों वायरल हो गया तब जाकर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। **राजस्थान राज्य में घिनौने दलित अत्याचार की यह पराकाष्ठा थी**, इसे लेकर थानागाजी, जयपुर, अलवर एवं दौसा में डा. किरोडीलाल की अगुवाई में चार बड़े जनसमर्थित

		आन्दोलन किए गये, जिनमें उनके तथा कार्यकर्ताओं के खिलाफ राजनैतिक द्वेषभाव से पुलिस ने तीन मुकदमें भी दर्ज कर लिए। **देश के प्रधानमंत्री मा. नरेन्द्र मोदी जी ने 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान उत्तरप्रदेश की तीन अलग–अलग सभाओं में इस शर्मनाक घटना का जिक कर कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कठघरे में खडा किया**, परिणाम स्वरूप सरकार दबाव में आई जिस कारण राहुल गांधी को भी दलित परिवार के घर पहुंचकर मांग पूरी करने के लिए मजबूर होना पडा।
2ण	; ।द्ध 10.10.20 ;ठद्ध 3.4.21 ;ब्द्ध 2019	**पुजारियों की हत्या प्रकरणः–** **बाबूलाल वैष्णव (पुजारी) हत्या काण्ड ग्राम बूकना (जिला करौली)–** ग्राम बूकना में मंदिर माफी की जमीन पर कब्जा करने की नीयत से **दबंगों ने पुजारी बाबूलाल वैष्णव को पेट्रोल छिडक कर जिन्दा जलाकर मार दिया** जिसको लेकर डा. किरोडीलाल ने शव को लेकर दिनांक 11.10.2020 को धरना दिया। दिनांक 13.10.2020 को सरकार ने मृतक परिवार को 10 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि एवं सरकारी नौकरी की घोषणा की तथा अपराधियों को गिरफ्तार किया जब आन्दोलन समाप्त किया। **शम्भू पुजारी हत्याकांड–** ग्राम टीकरी जाफरान तहसील महवा (जिला दौसा) में दबंगों ने पुजारी की 2 बीघा खातेदारी की जमीन एवं 26 बीघा मंदिर माफी की जमीन में फर्जी कारिस्तानी कर गूंगे बहरे ाम्भू पुजारी पर दबाव बनाकर जबरन अपने नाम रजिस्ट्री करा ली तथा पुजारी को मार दिया उसे लेकर डा. किरोडीलाल ने पहले छः दिन तक महवा थाने (जिला दौसा) पर ाव को लेकर धरना दिया जब वहां न्याय नही मिला तो पुलिस के जबरदस्त पहरे के बाद भी डा. किरोडीलाल पुजारी के ाव को लेकर मुख्यमंत्री के जयपुर स्थित निवास के सामने सिविल लाइन फाटक पर धरना देकर बैठ गये। जयपुर में चार दिन तक पुजारी के ाव को लेकर धरने पर बैठे रहे, अन्त में सरकार को झुकना पडा और अपराधियों को गिरफ्तारी सहित दूसरी सारी मांगो को मानना पडा। **मन्नू शर्मा (पुजारी) हत्याकांडः–** जयपुर शहर के खो नागोरियान थानान्तर्गत मुसलमानों ने एक हॉकर मुन्नालाल शर्मा जो पुजारी भी था

		कि गर्दन काटकर हत्या कर दी। शर्मा की विधवा पत्नी फरियाद लेकर जब थाना खोनागोरियान पहुंची तो पुलिस के थानेदार द्वारा उसको अपमानित किया गया तथा उसके साथ गये बस्सी के पूर्व विधायक श्री कन्हैयालाल, बगरू के पूर्व विधायक श्री कैलाश वर्मा एवं अन्य अनेक कार्यकर्ताओं पर बर्बर लाठीचार्ज किया, जिससे अनेक लोग घायल हो गये। पुलिस की बर्बरता को देख डा. किरोड़ीलाल खोनागोरियान थाने पर पहुंच गये जहां थाने का घेराव कर थाने पर ही धरने पर बैठ गये तथा थानेदार के निलम्बन तथा मुख्य मुल्जिम की गिरफ्तारी के बाद ही धरना समाप्त किया।
3ए	11.10.19	**राज्य के बेरोजगारों युवाओं के लिए आन्दोलनः– <u>बेरोजगार युवा आये दिन नियुक्ति दिलाने एवं कई वर्षो से रूके हुए परिणामों को जारी कराये जाने के लिए डा. किरोडीलाल ने लम्बे समय तक कई आन्दोलन किये जैसे</u>**:– कनिष्ठ लिपिक भर्ती परीक्षा 2018 के 12050 अभ्यार्थियों का परीक्षा परिणाम जारी कराने, पंचायतीराज विभाग के कनिष्ठ लिपिक 2013 के 10029 पदो पर नियुक्ति दिलाने, 2018 के अध्यापकों की काउन्सलिंग कर 9000 हजार अभ्यार्थियों की कटऑफ जारी, सूचना सहायक 6300 को नियुक्ति दिलाने, विद्युत विभाग के सहायक द्वितीय के 2506 पदो पर नियुक्ति, 950 पशु चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति, स्कूल व्याख्याता 8.50 अभ्यार्थियों की लिखित परीक्षा तिथि आगे बढाने जाने हेतु आन्दोलन कर 5 हजार से 8 हजार पद करवाये, 31 हजार तृतीय श्रेणी अध्यापको की रीट की परीक्षा कराने, विद्युत विभाग के सहायक अभियन्ताओं को नियुक्ति दिलाने, सांख्यिकी सहायक अधिकारी भर्ती का परिणाम जारी कराने, प्रयोग शाला सहायक 2018 का परिणाम जारी कराने, 1751 कनिष्ठ लेखाकारों की प्रतीक्षा सूची जारी कराने, पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2018 के चयनित अभ्याथियों को नियुक्ति दिलाने, पैरा मेडीकल छात्रों को नियुक्ति दिलाये जाने, एवं दिव्यांग बधिर छात्रों को संभाग स्तर पर आईटीआई कॉलेज खुलवाने के लिए आन्दोलन किए। **<u>दिनांक 16.12.20219 से 23.12.2019 तक प्रथम श्रेणी व्याख्याताओं की</u>**

		<u>परीक्षा तिथि को आगे बढाने हेतु शहीद स्मारक पर धरना</u>:– राजस्थान में व्याख्याता भर्ती परीक्षा को लेकर न्दपअमतेपजल ब्ंउचने से करीबन 10 हजार बेरोजगार जवानों को लेकर धरना दिया फिर न्दपअमतेपजल ब्ंउचने से सिविल लाइन फाटक की तरफ कूच कर डा. किरोडीलाल मुख्यमंत्री आवास के सामने धरने पर बैठ गये। धरने के समय जयपुर में ठण्ड ने 100 साल का रिकॉर्ड तोडा था। ज्मउचमतंजनतम 5.6° के आस पास था। उस कड़ाके की ठण्ड में 5–6 दिन तक जब सरकार ने सुनवाई नही की तो बेरोजगार छात्र/छात्राएं जगतपुरा स्थित टंकी पर चढ गई जो करीबन 48 घण्टे तक कडाके की ठण्ड में टंकी पर बैठी रही। सरकार के आश्वासन के बाद उनको उतार लिया, वार्तालाप में सरकार ने निराश किया तो दर्जनों छात्राएं पुनः न्दपअमतेपजल स्थित एक टंकी पर 72 घण्टे तक कड़ाके की ठण्ड में बैठी रही तथा डा. किरोडीलाल भी कडाके की ठण्ड में नीचे बैठे रहे। एक प्रतिनिधिमण्डल के साथ स्वयं मुख्यमंत्री ने बात कर मांगों को माना। **<u>यह आन्दोलन भी अपने आप में एक अनोखा आन्दोलन था जो महीने भर तक चला</u>**। **<u>च्ज्ज्ण् का आन्दोलन</u>**:–राज्य में हजारों पीटीआई लम्बे समय से आन्दोलनरत थे जब उनकी मांगे नहीं मानी तो डा. किरोडीलाल ने जयपुर में जबरदस्त आन्दोलन किया उसके बाद सरकार झुकी और करीबन 4600 पीटीआई गणों को नियुक्ति दी।
4ण्	2019	**<u>जयपुर में कावडियों पर हमला</u>**:– जयपुर के सुभाष चौक स्थित चार दरवाजा क्षेत्र तथा दिल्ली रोड पर मुसलमान समाज के उपद्रवियों का कावडियों पर जानलेवा हमला किया, राहगीरों को मारा–पीटा , बसों एवं अन्य साधनों में तोड–फोड की तथा मौहल्लों में घुसकर उपद्रव फैलाया। पुलिस ने उपद्रवियों के बजाय सैकडों हिन्दु युवाओं को नामजद कर तंग करना चालू कर दिया। उन्हें घरों से पकड कर पुलिस थाने ले जाने लगी। दोषियों को गिरफ्तार करने तथा निर्दोष लोगों को परेशान नहीं करने को लेकर पुलिस कमिश्नरेट जयपुर के मुख्यालय पर डा. किरोडीलाल की अगुवाई में धरना दिया गया तथा

		सभी निर्दोष हिन्दु युवाओं को छुडवाया गया।
5ण	2.10.2019	**<u>गांधी सर्किल जयपुर में भिखारियों को न्याय दिलाने के लिए आन्दोलन</u>**ः– राज्य में करीबन 22 हजार भिखारी हैं जिन्हें च्तवजमबज करने की दृष्टि से राज्य सरकार ने एक एक्ट पारित कर रखा है किन्तु 2012 मे जो एक्ट पारित किया था उसके अभी तक नियम ही नही बनाये जिससे भिखारियों को राहत नहीं मिल पा रही थी। भिखारियों के लिए राज्य सरकार द्वारा 2012 में बनाये एक्ट के नियम बनाकर उसे लागू करने की मांग को लेकर डा. किरोड़ीलाल की अगुवाई में गांधी सर्किल पर एक सांकेतिक धरना दिया गया।
6ण	2020	**<u>ट्री हाउस रिसोर्ट का घेराव</u>**ः– रामगढ बांध के भराव क्षेत्र में एक उद्योगपति का अवैध विशाल ज्तमम भ्वनेम रिसोर्ट बना हुआ है। इस सहित रामगढ बांध के भराव क्षेत्र में ऐसे दर्जनों अवैध निर्माणों को हटाने का राजस्थान हाईकोर्ट ने भी आदेश भी रखा है तथा डा. किरोडीलाल इन अवैध निर्माणों को हटाने के लिए लम्बे समय से आन्दोलनरत हैं। इस अवैध ज्तमम भ्वनेम रिसोर्ट में मध्यप्रदेश सरकार के विरूद्ध रखे गये अविश्वास प्रस्ताव वाले 38 कांग्रेस के विधायक रोके गये थे। विधायको के इस कैम्प को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लेकर अन्य मंत्री उन्हें संभालने आते जाते रहे। अतिक्रमित रिसोर्ट को खाली कराने की मांग को लेकर दिनांक 16.3.2020 की अर्द्धरात्रि को रिसोर्ट के समक्ष दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन कर धरना दिया गया जहां डा. किरोड़ीलाल सहित 17 समर्थकों को गिरफ्तार कर सामोद थाने में डाल दिया तथा एक मुकदमा चन्दवाजी थाने में भी दर्ज करवा दिया गया।
7ण	23.1.2020	**<u>किसानों को उचित मुआवजा दिलाये जाने के लिए भूमि समाधि सत्याग्रह</u>**ः–भारत माला परियोजना के तहत दिल्ली–मुम्बई एक्सप्रेस हाईवे का निर्माण प्रारम्भ किया गया है किन्तु राज्य सरकार द्वारा किसानों को उनकी भूमि का उचित मुआवजा नही दिया गया। इस मांग को लेकर डा. किरोड़ीलाल 101 किसानों को लेकर ;जिसमें

		31 महिला कृषक भी थीद्ध दौसा के लाडलीबास गांव में कडाके की ठण्ड ;6 डिग्री तापमान मेंद्ध भूमि समाधि सत्याग्रह पर बैठ गये। 6 दिन बाद सरकार ने किसानों के प्रतिनिधि मण्डल से जयपुर में वार्तालाप कर 13 बिन्दुओं पर अपनी सहमति दे दी जिससे किसानों को बहुत राहत मिली।
8ण	27.3.2021	**<u>विजय सिंह गुर्जर, ग्राम श्यामपुरा तहसील सपोटरा जिला करौली ट्रैक्टर चालक (हत्या प्रकरण)</u>** दिनांक 23.3.2021 को मंडरायल पुलिस की मारपीट से मौके पर ही मौत हो गई उसे लेकर डा. किरोडीलाल ने सैकडों ग्रामीणों के साथ पांच दिन तक कलेक्ट्रेट करौली पर धरना दिया तब जाकर सरकार ने मृतक की विधवा पत्नी विजय देवी गुर्जर को होमगार्ड की नौकरी दी, 12वीं कक्षा तक बच्चों को मुफ्त शिक्षा, प्रधानमंत्री आवास योजना में 1.50 लाख रूपये का मकान, पालनहार योजना का लाभ तथा 5 लाख रू0 की आर्थिक सहायता भी सरकार से दिलवाई इसमें आरोपी थानेदार जाति से मीणा था।
9ण	1.8.21	**<u>आमागढ फोर्ट आन्दोलनः</u>**– जयपुर शहर स्थित 16वीं सदी के आमागढ फोर्ट पर फहराये गये केशरिया ध्वज को समाज कंटको ने सत्ताधारी दल के विधायक श्री रामकेश मीणा द्वारा किले से हटाकर फाड कर पैरो तले रौंद दिया तथा किले में स्थित शिवालय के भी सरकार ने ताला लगा दिया। पूजा अर्चना चालू करवाने तथा चुनौतीपूर्ण स्थिति में आमागढ किले पर झण्डा फहराया, जहां सैकडों हथियार बन्द पुलिसकर्मियों (800–1000 पुलिस बल) की व्यवस्था थी फिर भी सरकार के इरादे को विफल करते हुए फोर्ट पर झण्डा फहरा दिया, इसमें 7 किलोमीटर पहाड की चढाई, जिसमें हिंसक जंगली जानवर (एक दर्जन से ज्यादा पैंथर) तथा जहरीले सांप–घौरे भी थे किन्तु रात्रि के 3.00 बजे चलती बरसात में सब विपदाओं को पार करते हुए प्रातः 6.00 बजे आमागढ किले पर झण्डा फहराने में सफल हो गये। सत्ताधारी दल के कई आदिवासी विधायकों ने यह भी बयान दिए

		कि आदिवासी हिन्तु नहीं है जिसको लेकर राजस्थान के मुख्यमंत्री ने उन्हें शाबाशी भी दी। **राज्य सरकार के हिन्दु से हिन्दु लडाने के प्रयास को विफल कर दिया।** सरकार ने डा. किरोडीलाल सहित 9 लोगों को इस प्रकरण में गिरफ्तार भी कर लिया, किन्तु राज्यभर में जनता सडक पर उतर आई जिस कारण 9 कार्यकर्ताओं सहित डा. किरोडीलाल को छोडना पडा। **यह अपने आप में राज्य का बहुत बडा आन्दोलन था, बहुसंख्यक समाज में इस कारण पार्टी के प्रति बहुत अनुकूलता बढी**।
10ण	19.1.2022	**पेपर लीक को लेकर आन्दोलनः–** दिनांक 30.9.2021 को रीट (शिक्षक भर्ती) एवं एस.आई. का पेपर लीक को लेकर शहीद स्मारक पर धरना दिया जहां बरसात में भी डा. किरोडीलाल सहित सैकडों बेरोजगारों ने लम्बा आन्दोलन किया जिससे माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष को सरकार को बर्खास्त करना पडा तथा राजीव गांधी स्ट्डी सर्किल के पदाधिकारियों सहित करीबन 67 लोगों को गिरफ्तार करना पडा तथा रीट का पेपर भी रद्द करना पडा। **इस परीक्षा में करीबन 28 लाख अभ्यार्थी थे। 2019 से 2023 के मध्य में गहलोत राज में करीबन 16 परीक्षाएं आयोजित कराई जिनमें एक करोड 12 लाख अभ्यार्थी थे**। आन्दोलन कर 10 परीक्षा पेपर रद्द करवाकर सभी भर्ती परीक्षाओं के पेपर की जांच ब्ठप् से कराये जाने के लिए राज्य के 70–80 हजार अभ्यार्थी डा. किरोडीलाल की अगुवाई में जयपुर के लिए कूच कर विधानसभा को घेराव करने पहुंचे तो पुलिस ने पूरी भीड को बलपूर्वक जयपुर के प्रवेश द्वार घाट की गूणी पर ही रोक दिया **डा. किरोडीलाल ने तो उसी स्थान पर धरना दे दिया जो कडाके की ठण्ड एवं बरसात में 12 दिन तक चला इससे राजस्थान के लाखों बेरोजगारों का जुडाव पार्टी से हुआ।** दिनांक 19.1.2022 को रीट पेपर लीक को लेकर पुनः ैव्ळ के कार्यालय पर सांकेतिक धरना एवं ।क्ळ को ज्ञापन देकर आरोपियों को गिरफ्तार किये जाने की मांग की।
11ण	20.1.2022	**किसानों का कर्जा माफी के लिए आन्दोलनः–**, 2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में राज्य के किसानों के सम्पूर्ण कर्जा माफ करने की घोषणा की जिस कारण कांग्रेस को

		सत्ता मिली किन्तु थोडा बहुत कर्जा माफ कर सरकार ने किसानों से ऋण वसूली अभियान चालू कर दिया जो किसान सरकारी ऋण नही चुका सके तो उनकी चल–अचल सम्पत्ति को सरकार ने कुर्क करना चालू कर दिया जिसके दबाव में किसान आत्म हत्या करने को मजबूर हो गये। इस मामले को लेकर डा. किरोडीलाल ने मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जिसके फलस्वरूप राज्य के लाखों किसानों की कुर्की सरकार को रोकनी पडी। इससे राज्यभर के किसानों का जुडाव पार्टी के साथ बढा।
12ण	24.1.2022	**आदिवासियों की समस्याओं को लेकर आन्दोलनः**– राजस्थान–गुजरात सीमावर्ती क्षेत्र की आदिवासी बालाओं को बहला फुसलाकर मजदूरी के नाम गुजरात ले जाने, उनकी खरीद–फरोख्त करने, उनके साथ दरिंदगी कर देहशोषण किये जाने, आदिवासी क्षेत्र में धर्मान्तरण, भुखमरी, कुपोषण एवं विस्थापन की समस्याओं को लेकर लम्बा आन्दोलन कर गरीब आदिवासियों को राहत प्रदान कराई।
13ण	10.2.22	**श्री रामनिवास जाट हत्या प्रकरणः**– जो रीट पेपर कॉलकता से राजस्थान आ रहा था तो जमवारामगढ (जयपुर) के पास पेपर से भरा ट्रक पलट गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, थ्प्ट भी दर्ज हुई जिसमें पुलिस ने थ्प्ट लगा दी। पुलिस थ्प्ट खोले, मुल्जिम को गिरफ्तार कर विधवा को जीवन यापन करने के लिए 10 लाख रू0 दे इन मांगों को लेकर डा. किरोडीलाल दिनांक 11.2.22 को मंत्री श्री राजेन्द्र गुढा के बंगले पर विधवा के साथ धरने पर बैठ गये। तीन दिन तक मंत्री के सरकारी आवास पर धरने के बाद सरकार झुकी और सरकार ने विधवा मनीष जाट को 10 लाख रू0 की आर्थिक सहायता तथा होमगार्ड की नौकरी देनी पडी एवं मुकदमें की जांच हेतु थ्पसम पुनः खोलनी पडी।
14ण	12.5.22 से 14.5.22 तक	**कांग्रेस का अवैध होटल में अधिवेशनः**– उदयपुर की एक आलीशान होटल में राष्ट्रीय कार्यसमिति का आयोजन किया था। यह होटल अवैध रूप से कांग्रेसियों ने आदिवासियों की भूमि तथा सरकारी

		भूमि को हडपकर बनाई थी। उच्च न्यायालय के आदेश के विपरीत नदी के बहाव को रोक दिया। खून पसीने की कमाई से अदिवासियों ने यह जमीन अपने भरण पोषण के लिए खरीदी थी जिन्हें वहां से बेदखल कर दिया। डा. किरोडीलाल जब कुछ आदिवासियों को लेकर दिनांक 12.5.2022 को इसका विरोध करने तथा प्रकरण की जानकारी गांधी परिवार को देने उदयपुर पहुंचे तो पुलिस ने डा. किरोडीलाल को जबरन गिरफ्तार कर जिला बदर के आदेश दे दिया, एक सांसद को जिला बदर करने की यह दूसरी घटना थी, सरकार ने गुंडो को तो कभी जिला बदर नही किया, किन्तु सरकार ने सांसद को जिला बदर कर घोर गैर कानूनी कार्य किया।
15ण	9.8.22	**पूर्वी राजस्थान नहर ;म्ब्द्ध के लिए आन्दोलन**ः— म्ब् को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने हेतु राज्य सरकार मध्यप्रदेश सरकार से 75 प्रतिशत जल निर्भरता ॅ;जमत कमचमदकंइपसपजलद्ध की स्वीकृति एवं 13 जिले के योजना से वंचित सभी बांधों को जोडने हेतु मीणा हाईकोर्ट (जिला दौसा) में एक बडी जनसभा की जिसमें 13 जिलों के 80—90 हजार किसान मौजूद थे किसानों ने डा. किरोडीलाल की अगुवाई में दौसा से जयपुर कूच किया जिस पर राज्य सरकार के एक केबिनेट मंत्री श्री विश्वेन्द्रसिंह एवं आला अफसरों ने जटवाडा गांव नेशनल हाईवे पर रोक कर सभी खामियों को दूर कर केन्द्र को पत्र भेजने का आश्वासन दिया तब जाकर आन्दोलन खत्म किया।
16ण	17.12. 2022	**भारत जोडो यात्रा के खिलाफ न्याय यात्रा**ः— दिनांक 17 दिसम्बर 2022 को भारत जोडो यात्रा के खिलाफ न्याय यात्रा राजगढ जिला अलवर में किसानों का कर्जा माफ करने, बेरोजगारों को रोजगार देने, सीएचए को नौकरी देने एवं सम्पूर्ण शराबबन्दी के खिलाफ दो दिवसीय धरना दिया आश्वासन के बाद दिनांक 18.12.2022 को धरना समाप्त।
17ण	28.2.23	**पुलवामा आतंकी हमले में शहीदों की वीरांगनाओं को न्याय दिलाने हेतु आन्दोलन**ः— पुलवामा आतंकी हमले की तीन वीरांगनाएं श्रीमती मंजू जाट, श्रीमती मधुबाला मीना एवं श्रीमती सुन्दरी गुर्जर दिनांक 28.2.2023 को डा. किरोडीलाल से जयपुर आकर मिली इस

		विश्वास के साथ कि डा. किरोडीलाल उन्हें राज्य के मा0 मुख्यमंत्री जी से मिलवा देंगे, जिनसे वो मिलने के लिए आतुर थी। दरअसल मे इन तीनों के शहीद पतियों के अंत्येष्टि के समय राजस्थान सरकार के तीन–तीन मंत्रियों ने जाकर हजारों की भीड़ में कुछ आश्वासन दिये थे, वीरांगनाएं उस समय पति शहीद हो जाने के कारण रो–रोकर बेहाल थी, इन्होने अपनी तरफ से कोई मांग सरकार से नही की थी, इनका तो सब कुछ उजड गया था उस सदमे में सब कुछ भूल गई थी किन्तु मंत्रीगणों ने तत्समय बढ चढकर घोषणाएं की थी। आश्वासनों पर जब कोई कार्यवाही नही हुई तो ये तीनों वीरांगनाएं डा. किरोडीलाल के पास 28 फरवरी 2023 को आई और डा. किरोडीलाल इन्हें मा. मुख्यमंत्री जी से मिलाने के लिए विधानसभा ले गये जहां के पश्चिम द्वार पर वीरांगनाओं सहित डा. मीणा को रोक दिया गया तो तीनों वीरांगनाएं मुख्यमंत्री जी से मिलने की जिद कर वहीं धरने पर बैठ गई, इससे चिढकर पुलिस के **एक अधिकारी** ने मातहतों को कहा उठालो इन महिलाओं को और उन्हें बेरहमी से धक्का–मुक्की कर उठा लिया तथा डा. मीणा सहित दर्जन भर साथियों को भी धक्का–मुक्की देकर एक वाहन में ठूंसकर जयपुर के शहीद स्मारक छोड दिया जहां एक वीरांगना मंजू जाट के साथ धक्का–मुक्की की जिससे वह विलाप करने लगी किन्तु पुलिस ने दया नहीं की। डा. किरोडीलाल उन्हे साथ लेकर शहीद स्मारक धरने पर बैठ गये और एक ही गुहार की कि मुख्यमंत्री जी हमसे मिल तो ले लेकिन जब मुख्यमंत्री जी पिघले नही तो डा. किरोडीलाल उनको दिनांक 04 मार्च 2023 को माननीय राज्यपाल महोदय, राजस्थान से मिलाने के लिए ले गये उन्होने आश्वस्त किया कि मैं मुख्यमंत्री जी को पत्र लिखूंगा, उन्होने यह भी कहा कि आप मुख्यमंत्री जी से जरूर मिल लो, मैं उनको लेकर मुख्यमंत्री जी के सरकारी बंगले की तरफ जाने लगा तो डा0 किरोडीलाल को पुलिस ने पकड़ कर वहीं बैठा दिया किन्तु वीरांगनाएं मुख्यमंत्री के निवास के पास पहुंचने में सफल हो गई इस पर वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने वीरांगनाओं को सडक पर चोटी पकडकर घसीटा, कपडे भी खींचे,

		लात–घूसे मारे तथा जबरन पुलिस वाहन में डाल दिया जहां उनके बाल नौचे गये, दो वीरांगनाओं के शरीर पर पिन चुभाई गई एवं अनेक प्रकार की यातनाएं देने के बाद पुलिस उन्हें शहीद स्मारक छोडकर आ गई, जहां डा0 मीणा भी पहुंच गये, वो बार–बार के अपमान से इतनी आह्त थी कि **इच्छा मृत्यु का पत्र मा0 राज्यपाल महोदय को लिख दिया।** डा0 किरोडीलाल उन तीनों वीरांगनाओं तथा उनके छोटे–छोटे बच्चों के साथ शहीद स्मारक पर खुले आसमान के नीचे बैठा रहा बरसात में भीग गये, जहां पर पुलिस का जबरदस्त पहरा था। अन्त में दिनांक 06.02.2023 को डा0 मीणा उन्हे पूर्व च्ब्ब बेपमि एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बंगले पर ले गये जहां उन्होने उनसे प्रार्थना की कि **राजस्थान के मुख्यमंत्री तो हमसे मिलना नहीं चाहते ना ही कोई बात सुनना चाहते, आप गांधी परिवार के बहुत नजदीक है हमें प्रियंका गांधी जी से मिलवा दो** ''**उन्होने वीरांगनाओं के साथ की गई मारपीट को अनुचित बताया**'' किन्तु आश्वासन के बाद भी वो उन्हें प्रियंका गांधी से नही मिला सके। अंत में डा. किरोडीलाल उन तीनों वीरांगनाओं को लेकर सिविल लाइन में ही धरना देकर बैठे रहे, एक दिन तो वीरांगनाओं ने मुहॅ में दूब के तांतू दबाकर मुख्यमंत्री जी से मिलने की गुहार की जो किन्तु मा0 मुख्यमंत्री जी नहीं पिघले, उस समय वीरांगनाएं इतने अवसाद में आ गई थी कि उन्होने कहा कि क्या एक मुख्यमंत्री इतना निष्ठुर भी हो सकता है किन्तु मा0 मुख्यमंत्री जी उनसे मिले तक नहीं मांग मानना तो दूर की बात। **अंत में दिनांक 10.3.2023 को रात्रि को 3.00 बजे भारी पुलिस बल धरना स्थल पर आ धमके और वीरांगनाओं के मुहॅ में कपड़े ठूंस दिए, बाल एवं कपडे खींचे, शरीर को नौंचा गया और उन्हें मारते पीटते वहां से उठाकर ले गये। उनके साथ 10–12 कार्यकर्ताओं को भी पुलिस मारते पीटते उठा ले गई। मारपीट के कारण कई के चोटें भी आई। डा. किरोडीलाल उन्हें ढूढने निकले तो जब डा. मीणा जयपुर से मंजू जाट से मिलने उसके घर जा रहे थे तो सामोद थाने के सामने सडक**

		पर भारी पुलिस बल ने डा. मीणा को जाने से रोका, जाने के लिए डा. मीणा ने कई बार आग्रह किया लेकिन पुलिस नहीं मानी तो जाने की जिद लेकर डा. किरोडीलाल वही धरने पर बैठ गये और पुलिस ने डा0 मीणा के साथ धक्का–मुक्की की, बाल खींचे तथा डा0 मीणा के पजामें एवं कुर्ते को भी फाड दिया जिससे डा. किरोडीलाल निर्वस्त्र प्रायः हो गये, और उनके खिलाफ पुलिस ने उल्टा सामोद थाने में राजकार्य में बाधा तथा सरकारी सम्पत्ति को नष्ट करने का मुकदमा दर्ज कर डाला। उसी स्थिति में डा. मीणा को पुलिस के दरिंदों ने पुलिस वाहन में जोर से फैंका तो डा. मीणा की गर्दन दो सीटों के बीच में फंस गई, जिससे ब्मतअपबंस त्महपवद में गंभीर चोट आ गई, बडी मुश्किल से डा. किरोडीलाल ने गर्दन निकाली उसके बाद उन्हें भंयकर चक्कर आने लगे पुलिस उसी हालत में उन्हें सामोद से सीकर की ओर ले गई जिसमें उनके साथ उनका च्ै मौजूद था उसने भी उस समय पुलिस वालों को कहा कि ऐसी बर्बरता मत करो साहब पहले से बीमार है इन्हें कुछ हो जायेगा, लेकिन उनकी क्रूरता नही रूकी और उन्हें सीकर के पलसाना के पास से वापिस ले आये तथा वापिस आते समय डा0 मीणा की तबीयत और बिगड गई और उन्हें पुलिस गोविन्दगढ अस्पताल ले गई जहां उनके ।जजमदकंदज जितेन्द्र एवं महेन्द्र को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, डा. मीणा की तबीयत ज्यादा बिगडी तो पुलिस उन्हें ैडै अस्पताल में ले गये जहां बीमारी की गंभीरता को देखते हुए डाक्टरों ने उन्हें डमकपबंस प्ब्न में भर्ती कर लिया।ैडै अस्पताल में भी डा0 मीणा के साथ गये कार्यकर्ताओं के साथ राजस्थान की पुलिस ने दुर्व्यवहार किया।

नोटः– कौन–कौन सा मुकदमा किस–किस आन्दोलन को लेकर लगा उसका विस्तृत विवरण मय पुख्ता प्रमाणों के डा. किरोड़ीलाल की संघर्ष की गाथा नाम के क्वबनउमदजे में उपलब्ध है।

2019 से मार्च 2023 तक किये गये (113) आन्दोलनों की सूची निम्नानुसार हैः–

क्र.स.	वर्ष	आन्दोलन का विवरण
1ण	17.2.2018	ईस्टन राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को लेकर दौसा में आन्दोलन।
2ण	19.2.2018	ईस्टन राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट के सम्बन्ध में महावीरजी से करौली रैली एवं धरना।
3ण	22.4.2018	बांसवाडा जिले की जन समस्याओं को लेकर धरना।
4ण	25.5.2018	करौली शहर में पंतजलि योगपीठ द्वारा अवैध रूप से आवंटित की गई भूमि के लिए आन्दोलन।
5ण	17.6.2018	**उपखण्ड अधिकारी टोडाभीम द्वारा युवक की मारपीटः**– ग्राम कमालपुरा के एक युवक की न्याय आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान मारपीट कर दी इसे लेकर जनता में भारी आक्रोश फैल गया। उपखण्ड अधिकारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो तथा उसे गिरफ्तार किया जाये इसको लेकर धरना दिया गया तब जाकर उपखण्ड अधिकारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ।
6ण	10.7.2018	सरमथुरा में डकैत वन विभाग, खनन विभाग, पुलिस विभाग लोगों को परेशान किया जा रहा था जिसके लिए थाना का घेराव किया गया।
7ण	13.10. 2018	महन्त किशोरपुरी निजी ट्रस्ट द्वारा लोगों को प्रताड़ित करने पर दौसा कलेक्ट्रेट पर धरना।
8ण	31.10. 2018	**तूंगा थानाधिकारी प्रकरणः**– तूंगा थानेदार ने गांवों में अवैध रूप से चल रही शराब के दुकानदारों से सांठ–गांठ करली जिस कारण क्षेत्र में माफियाओं का आतंक बढ गया इससे निजात दिलाने के लिए महिलाओं के साथ जयपुर कमिश्नरेट पर धरना दिया।
9ण	2018	धौलपुर जिले के बसेडी क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर आन्दोलन।
10ण	2019	**थानागाजी दलित महिला के साथ गैंगरेप प्रकरणः**– विवरण ऊपर देखें।
11ण	2019	उनियारा जिला टोंक में पुलिस अत्याचार को लेकर सांकेतिक धरना।

12ण	फरवरी 2019	**<u>दलित अत्याचार</u>**:– नागौर, बाडमेर, जैसलमेर तथा अलवर में दलितों पर बढे पैमाने पर हुए क्रूर अत्याचारों तथा दमन को लेकर सैकडों लोगों के साथ जयपुर में धरना दिया गया।
13ण	2019	अलवर छात्र संघ चुनावों को लेकर आन्दोलन (फोजी के साथ मारपीट) को लेकर आन्दोलन।
14ण	2019	**<u>जयपुर में कावडियों पर हमला</u>**:– विवरण ऊपर देखें।
15ण	2019	गंगापुरसिटी में हिन्दु–मुस्लिम झगडा को लेकर धरना।
16ण	2019	**<u>मन्नू शर्मा हत्याकांड</u>:–** विवरण ऊपर देखें।
17ण	20.8.2019	लालसोट कस्बे में बढती चोरियो को लेकर थाना लालसोट का घेराव।
18ण	21.8.2019	लालसोट में एक व्यापारी की 5 लाख की लूट के बाद थाने पर धरना दिया गया जिसके बाद लुटेरों को गिरफ्तार कर राशि बरामद की गई।
19ण	2019	बहरोड थाने पर दिन दहाडे अपराधियों ने फायरिंग कर पपला गुर्जर को भगा ले जाने पर सचिवालय का घेराव एवं धरना।
20ण	2019	**<u>च्ज्ण् का आन्दोलन</u>**:– विवरण ऊपर देखें।
21ण	2019	**<u>रामगढ बांध के अतिक्रमण को लेकर धरना</u>**:–रामगढ बांध में बडे पैमाने पर हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए जमवारामगढ मुख्याल पर विशाल धरना दिया गया जहां सभी अधिकारियों ने अतिक्रमण हटाने का भरोसा दिया।
22ण	2019	जमुवारामगढ के अभारण्य क्षेत्र में शामिल 33 गांवों एवं अभारण्य के 50 गांव में आंशिक रूप से पंजीयन पर वन विभाग द्वारा रोक लगा दिए जाने तथा वन विभाग से सम्बन्धित आस–पास के गांवों की समस्याओं के समाधान के लिए जमुवारामगढ मुख्यालय पर धरना दिया गया।
23ण	11.9.2019	पेन्सिल ठगी प्रकरण को लेकर मालवीय नगर थाने का घेराव।
24ण	2.10.2019	**<u>गांधी सर्किल जयपुर में भिखारियों को न्याय दिलाने के लिए आन्दोलन</u>**:– विवरण ऊपर देखें।
25ण	11.10.19	**जयपुर में बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए धरना:–** विवरण ऊपर देखें।

26ए	16.10. 2019	**<u>महावीर मीणा हत्याकांड</u>** हरमाडा में बदमाशों ने महावीर की दिन दहाडे गोली मारकर हत्या कर दी हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए जयपुर कमिश्नरेट पर सैकडों लोगों के साथ धरना दिया।
27ए	30.11.19	रामगढ बांध से अतिक्रमण हटाये जाने हेतु सैकड़ो लोगों के साथ नीम्स कॉलेज पर धरना।
28ए	7.12.19	रामगढ बांध से अतिक्रमण हटाये जाने हेतु ट्री हाउस पर धरना।
29ए	7.12.19	रामगढ बांध से अतिक्रमण हटाये जाने हेतु अचरोल हाउस पर धरना।
30ए	7.12.19	कूकस में हीरो कम्पनी से गरीबों की जमीन को कब्जे से मुक्त कराने हेतु धरना। **दो बार**
31ए	2019	महवा में बिगडती कानून व्यवस्था को लेकर महवा थाने पर धरना।
32ए	2019	आरपीएससी से चयनित सहायक अभियन्ता को परीक्षा में समय बढवाने के लिए धरना जयपुर में
33ए	16.12.19 से 23.12.19 तक	**<u>प्रथम श्रेणी व्याख्याताओं की परीक्षा तिथि को आगे बढाने हेतु शहीद स्मारक पर धरना</u>**:– विवरण ऊपर देखें।
34ए	8.1.2020	जयपुर में पैरा मेडीलक छात्रों की परीक्षा का कलेण्डर जारी कराने हेतु पैदल कूच।
35ए	2020	लवाण में पुलिस की ज्यादतियों को लेकर दौसा में धरना।
36ए	23.1.2020	**<u>भूमि समाधि सत्याग्रह</u>:–** विवरण ऊपर देखें।
37ए	27.1.2020	रात्रि को कूड मोडते समय किसानों की मौतों को लेकर आन्दोलन।
38ए	8.2.2020	सीमेन्ट फैक्ट्री को चालू कराने हेतु सवाईमाधोपुर मुख्यालय पर धरना।
39ए	19.2.2020	जयपुर में विधानसभा पर प्रदर्शन एवं ज्ञापन सवाईमाधोपुर सीमेन्ट फैक्ट्री को चालू कराने हेतु एवं बेरोजगारों की मांगों को लेकर।
40ए	7.3.2020	ओलावृष्टि को लेकर उपखण्ड कार्यालय टोडाभीम के यहां धरना एवं ज्ञापन।
41ए	9.3.2020	**<u>राज्य में हुई भंयकर ओलावृष्टि को लेकर जयपुर कूच एवं धरना</u>**:– डा. किरोडीलाल ने दिनांक 7.3.2020 को राज्य के तीन जिलों के आठ विधानसभा क्षेत्रों के 89 ओलावृष्टि गांवों का भ्रमण किया किसानों की इन समस्याओं को लेकर दिनांक 8.3.2020 को एक सांकेतिक धरना टोडाभीम उपखण्ड कार्यालय पर दिया जहां सम्बन्धित

		विभागों के अधिकारियो एवं उपखण्ड अधिकारी के साथ चर्चा कर किसानों को राहत दिलाने का प्रयास किया। इसी प्रकार दिनांक 9.3.2020 को जयपुर जिले के कोटखावदा गांव से 4–5 हजार लोग जयपुर चलकर आये जहां किसानों के द्वारा जयपुर में धरना दिया गया जिसमें 4–5 हजार किसानो के साथ 400–500 महिलाये भी मौजूद थी। सरकार के मंत्री, जिला कलेक्टर जयपुर एवं कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ प्रतिनिधि मण्डल ने अपना पक्ष रखा और सरकार के आश्वासन के बाद धरना समाप्त कर दिया। **दो बार।**
42ण	2020	**ट्री हाउस रिसोर्ट का घेराव**:– विवरण ऊपर देखें।
43ण	जून 2020	**चिपको आन्दोलन–** दौसा में वृक्षों की कटाई को लेकर।
44ण	10.10. 2020	**बाबूलाल वैष्णव (पुजारी) हत्या काण्ड ग्राम बूकना (जिला करौली)–** विवरण ऊपर देखें।
45ण	6.10.2020	**सैक्स रैकेड सवाईमाधोपुर**
46ण	12.10. 2020	**भूमि मुआवजे को लेकर ग्राम सहरावता (सवाईमाधोपुर) में धरना–** दिल्ली–मुम्बई एक्सप्रेस हाईवे में अवाप्त जमीन का मुआवजा दिलाने के लिए।
47ण	14.10. 2020	**डूंगरपुर आन्दोलन को लेकर–**
48ण	17.11. 2020	**विकेश मीणा हत्या काण्ड – छोटी उदेई (गंगापुरसिटी जिला सवाईमाधोपुर)**
49ण	14.12. 2020	**जयपुर में** श्रम **डिप्लोमा एवं डिग्री के पेपर लीक होने पर परीक्षा पुनः कराने हेतु आन्दोलन।**
50ण	13.1.21	**महवा पंचायत मुख्यालय पर जन समस्याओं को लेकर जनसुनवाई**
51ण	21.1.2021	**रामगढ पचवारा पंचायत मुख्यालय पर जन समस्याओं को**

		लेकर जनसुनवाई।
52ण	22.1.2021	**दौसा कलेक्ट्रेट के सामने सरपंचों के पीडी खाते खोले जाने के विरोध में एक बिजली की समस्याओं एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ चार दिवसीय धरना।**
53ण	4.2.2021	**अवैध खनन को लेकर कालवान तहसील सिकराय जिला दौसा में मानपुर थाने पर धरना।**
54ण	13.3.2021	**तेल रस्म आन्दोलन** – ग्राम चान्दावास थाना रामगढ पचवारा में दबंगो ने कुम्हार जाति की दो बच्चियों की तेल रस्म नही होने दी जिसको लेकर थाना रामगढ पचवारा में धरना देकर थाना परिसर में ही तेल रस्म कराई तथा शादी की रस्म पुलिस सुरक्षा में कराई गई।
55ण	27.3.2021	**विजय सिंह गुर्जर, ग्राम श्यामपुरा तहसील सपोटरा जिला करौली ट्रैक्टर चालक प्रकरण'–** विवरण ऊपर देखें।
56ण	3.4.21	**शम्भू पुजारी हत्याकांड–** विवरण ऊपर देखें।
57ण	2.6.2021	**महेन्द्र हत्या काण्ड, थाने में भजनलाल मर्डर केश एवं कोरोना महासंकट में अनाथ बच्चों को सहायता दिलाने हेतु कलेक्ट्रेट सवाईमाधोपुर परिसर में धरना–** आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया गया।
58ण	19.6.2021	कोविड–19 महासंकट के दौरान अनाथ हुए बच्चों के अलावा राज्य में किसी भी कारण से अनाथ हुए सभी बच्चों को सम्बल देने की दृष्टि से विशेष आर्थिक पैकेज दिये जाने हेतु मुख्यमंत्री आवास 8 सिविल लाईन के बाहर धरना आश्वासन के बाद धरना समाप्त।
59ण	7.7.2021	**आदिवासियों की मजदूरी के नाम पर खरीदफरोख्त, ईसाई धर्मपरिवर्तन कराने एवं अनाथ बच्चों को आर्थिक सहायता दिलाने हेत जवाहर सर्किल जयपुर स्थित**

		मैरियट होटल में कांग्रेस संगठन प्रभारी श्री अजय माकन जी रूके हुए थे उनका घेराव कर धरना दिया।
60ण	9.7.2021	नगर निगम ग्रेटर एवं हैरिटेज के सफाई कर्मियों की मांगों लेकर नगर निगम ग्रेटर के बाहर टोंक रोड पर धरना दिया, सफाई कर्मियों की सभी मांगें माने जाने पर धरना समाप्त कर दिया।
61ण	12.7.21	तीनों विद्युत कम्पनियों के कर्मचारियों का इन्टर डिस्कॉम स्थानान्तरण की मांग, फ्यूल चार्ज खत्म करने, स्थाई शुल्क हटाये जाने एवं लम्बित कृषि कनेक्शनों को पूरा करने हेतु जवाहर सर्किल पर एक सांकेतिक धरना दिया फिर विद्युत विभाग के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक को ज्ञापन दिया आश्वासन के बाद धरना समाप्त कर दिया गया।
62ण	1.8.21	**आमागढ प्रकरणः—** विवरण ऊपर देखें।
63ण	18.8.21	खोहगंग प्रकरण
64ण	13.9.21	विधानसभा घेराव आन्दोलन
65ण	20.9.2021	जिला श्योपुर की तहसील वीरपुर, विजयपुर, श्योपुर, कराहल एवं सबलगढ के पशुपालकों की समस्या को लेकर जनसभा।
66ण	29.9.2021	अवैध बजरी खनन को लेकर मलारना डूंगर से सवाईमाधोपुर कूच
67ण	30.9.2021	**रीट एवं एस.आई. का पेपर लीक को लेकर शहीद स्मारक पर धरना।**
68ण	29.10.21	बाजरे की डैच दर पर खरीद की मांग को लेकर किसानों से साथ सिविल लाइन फाटक पर धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री जी को ज्ञापन।
69ण	नवम्बर 21	सैनी समाज की महिलाओं के साथ पुलिस द्वारा मारपीट के विरोध को लेकर मण्डावर थाने पर धरना।

70ʊ	19.11. 2021	बुद्धिप्रकाश मीणा लालसोट जो पिछले दो साल से लापता चल रहा था उसका पता लगाने के लिए केबीनेट मंत्री परसादी मीणा के निवास का हजारों लोगों को लेकर घेराब किया।
71ʊ	20.11.21	सवाईमाधोपुर में बिगती कानून व्यवस्था को लेकर आन्दोलन।
72ʊ	24.11.21	तीन ग्राम पंचायत गगवाना, बालाहेडी एवं टुडियाना के हजारों लोगों को लेकर पंचायत समिति बैजूपाडा से हटाकर पुनः महवा पंचायत समिति में जोडे जाने की मांग को लेकर गगवाना गांव से जयपुर कूच।
73ʊ	26.11.21	घुमन्तू गाडिया लोहारों को जमीन का पट्‌टा दिलाने की मांग को लेकर नगर परिषद दौसा का घेराव।
74ʊ	18.12.21	बुद्धिप्रकाश मीणा लालसोट जो पिछले दो साल से लापता चल रहा था उसका पता लगाने हेतु वापिस उपखण्ड मुख्यालय लालसोट पर धरना एवं ज्ञापन देकर धरना समाप्त।
75ʊ	26.12.21	महाराजा हम्मीर महाविद्यालय एवं जमवाय कन्या महाविद्यालय सवाईमाधोपुर की अनियमिताओं को लेकर धरना।
76ʊ	13.1.22	मूक बधिर 15 वर्षीय बालिका अलवर के साथ गैंगरेप हुआ उसे लेकर सवाईमाधोपुर में प्रियंका गांधी का घेराव कर न्याय दिलाने की मांग की।
77ʊ	14.1.22	मूक बधिर 15 वर्षीय बालिका अलवर के साथ गैंगरेप हुआ उसे लेकर अलवर मुख्यालय पर सांकेतिक धरना एवं ज्ञापन देकर न्याय की मांग कर मुआवजा दिलाने की मांग।
78ʊ	16.1.2022	मण्डरायल जिला करौली में सरपंच के साथ मारपीट की उसे न्याय दिलाने हेतु धरना प्रर्दशन किया।
79ʊ	19.1.2022	**पेपर लीक को लेकर आन्दोलनः—** विवरण ऊपर देखें।
80ʊ	20.1.2022	**किसानों का कर्जा माफी के लिए आन्दोलनः—** विवरण ऊपर देखें।
81ʊ	23.1.2022	आदिवासी महिला के साथ गैंगरेप हुआ उसे लेकर प्रतापगढ जिला कलेक्ट्रट पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ धरना देकर उसे आर्थिक सहायता दिलाई।

82ण	24.1.2022	**आदिवासियों की समस्याओं को लेकर आन्दोलनः–** विवरण ऊपर देखें।
83ण	10.2.22	**श्री रामनिवास जाट हत्या प्रकरण**ः–
84ण	15.2.22	रीट पेपर को लेकर पुनः धरना।
85ण	9.4.2022	करौली में दिनांक 2.4.2022 को नवसंवत्सर के उपलब्ध में मोटरसाईकिल रैली निकाली जा रही थी तो मुस्लिम समाज के लोगों ने पथराव किया जिसमें 50 लोग घायल हुए तथा दर्जनों दुकानों को जला दिया उसे लेकर मैं जिला कलेक्ट्रेट पर धरना दे रहा था तो प्रशासन ने मुझ सहित कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया।
86ण	12.4.22	कोविड स्वास्थ्य सहायकों ;ब्भ्।द्ध को स्थाई नियमित करने हेतु शहीद स्मारक जयपुर में सांकेतिक धरना।
87ण	16.4.2022	दौसा जिले में पानी की भीषण समस्या को लेकर मटका फोड आन्दोलन– गांधी सर्किल दौसा से कलेक्ट्रेट दौसा की तरफ पैदल कूच कर धरना दिया और जिला कलेक्टर दौसा को दौसा में पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से कराने हेतु वाटर ट्रेन चलाकर पानी की व्यवस्था कराने हेतु ध्यान आकर्षित किया।
88ण	22.4.2022	जिला अलवर की विधानसभा क्षेत्र राजगढ में 300 साल पुरानी शिव प्रतिमा को सरकार के इशारे पर प्रशासन ने तोडा उसे लेकर मैंन पुलिस थाना राजगढ पर दो दिन तक धरना दिया प्रशासन ने मांगों माना जब जाकर धरना समाप्त किया।
89ण	12.5.22	**कांग्रेस का अवैध होटल में अधिवेशनः–** विवरण ऊपर देखे।
90ण	13.6.22	सहारा इण्डिया परिवार के कार्यकर्ताओं एवं जमाकर्ताओं के सेवी में जमा 25 हजार करोड रू0 को कार्यकर्ताओं एवं जमाकर्ताओं के दिलाने हेतु बस्सी से जयपुर कूच।
91ण	16.6.22	मोना सैनी, मण्डरायल के साथ गैंगरेप कर हत्या कर दी उसे न्याय दिलाने हेतु सपोटरा जा रहा था लेकिन पुलिस प्रशासन ने ग्राम कुडगांव में भारी पुलिस जाप्ता लगा कर मुझ सहित हजारों लोगों को रोक दिया और गिरफ्तार कर लिया।
92ण	9.8.22	पूर्वी राजस्थान नहर ;म्त्ब्च्द्ध के लिए आन्दोलनः– विवरण ऊपर देखे।
93ण	5.9.22	ब्भ्। कर्मियों की मांगों को लेकर झोटवाडा अजमेर रोड पर दो दिन तक धरना दिया। सरकार के साथ वार्ता होने के बाद धरना समाप्त।
94ण	7.9.22	हनुमान हनुतिया, सरपंच निवाई जिला टोंक की हत्या का खुलासा करने के लिए पुलिस अधीक्षक टोक के कार्यालय पर सांकेतिक धरना एवं ज्ञापन देकर हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग।
95ण	20.9.2022	अलवर जिले के सरिस्का क्षेत्र में अवैध रूप से निर्मित/निर्माणाधीन

		होटलों, वन क्षेत्र में अतिक्रमण, अवैध फार्म हाउस, वन क्षेत्र में जमीनों का अवैध पंजीयन, अवैध खनन एवं वन्य जीव अधिनियम के खुल्लम–खुल्ला उलंघन को प्रभावी रूप से रोके जाने धार्मिक स्थल पाण्डुपोल पर भक्तों की निशुल्क तौर पर निर्बाध रूप से दर्शनार्थ प्रवेश तथा स्थानीय युवाओं को रोजगार दिये जाने के सम्बन्ध में आन्दोलन
96ए	19.10.22	हाउसिंग बोर्ड सवाईमाधोपुर निवासी आकांक्षा शर्मा को मुस्लिम युवक द्वारा अपहरण कर ले गये उसे लेकर मैं. महिला थाने पर धरने पर बैठ गया और जब उठा जब लडकी बरामद हो गई।
97ए	28.10.22	वृत्ताधिकारी टोडाभीम कार्यालय के बाहर टीकाराम मीना, ग्राम धौलेटा थाना नादौती अपहरण हुए बालक की बरामदगी को लेकर सांकेतिक धरना।
98ए	8.11.22	नादौती में टीकाराम मीना, ग्राम धौलेटा थाना नादौती अपहरण हुए बालक की बरामदगी को लेकर वापिस दूसरी बार धरना प्रदर्शन।
99ए	30.11.22	बगराना (जयपुर) में छभ्।प् द्वारा दिल्ली–मुम्बई हाईवे का इकोलॉजीकल जोन में बिना स्वीकृति के कार्य चल रहा एवं किसानों को मुआवजा नही दिया उसे लेकर सांकेतिक धरना एवं ज्ञापन दिया
100ए	4.12.2022	टोंक में आबकारी विभाग की ओर से शराब ठेकेदारों की जमीनों को नीलाम किए जाने के विरोध में लीकर कांटेक्टर आन्दोलन में सम्मिलित
101ए	4.12.2022	नन्दीशाला (बन्दी) में आमजन आक्रोश आन्दोलन
102ए	5.12.2022	सिरोही में कांतिलाल भील की हत्या को लेकर कलेक्टेट पर चल रहे धरने में शामिल होने जा रहा था तो सिरोही बार्डर पर पुलिस फोर्स द्वारा रोका तो मैं वही पर धरने पर बैठ गया और न्याय दिलाया।
103ए	17.12. 2022	**भारत जोडा यात्रा के खिलाफ न्याय यात्रा**ः– विवरण ऊपर देखे।
104ए	29.12.22	अवैध खनन बजरी माफियाओं के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर अवैध बजरी खनन को रोका जिससे लेकर एलओआई होल्डर मंजीत चावला बनास नदी मलारना डूंगर ने मुझ सहित मेरे कार्यकर्ताओं के खिलाफ आगजनी का झूंठा मुकदमा थाना मलारना डूंगर में दर्ज करा दिया।
105ए		अवैध खनन बजरी माफियाओं के खिलाफ सवाईमाधोपुर कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन
106ए	24.1.23	वरिष्ठ अध्यापक पेपर लीक को लेकर लाखों युवाओं को लेकर दौसा से जयपुर कूच, चन्द्रमहल गार्डन के बाहर सरकार ने रोक लिया और मैं वहीं धरने पर बैठ गया 12 दिन धरना चलने के बाद सरकार से वार्ता एवं आश्वासन के बाद धरना समाप्त।
107ए	28.2.23	**पुलवामा आतंकी हमले में शहीदो की वीरांगनाओं को न्याय दिलाने हेतु आन्दोलनः–** विवरण ऊपर देखे।
108ए	16.4.2023	जयपुर ब्रहमपुरी इलाके के रामप्रसाद मीना आत्महत्या प्रकरण, जो करीबन 8 दिन तक धरना चला, सम्पूर्ण मांगे मानने के बाद ही धरना समाप्त किया।
109ए	22.5.23	कोटखावदा हादसा– कोटखावदा में एक थार जिप्सी चालक ने चार बंजराओं पर थार चढाकर मार दिया उन्हें न्याय दिलाने हेतु दो दिन तक धरना दिया सभी मांगे मनने के बाद धरना समाप्त।
110ए	18.6.23	दुब्बी बनास में अवैध बजरी खनन को लेकर आन्दोलन।
111ए	20.6.23	जल जीवन मिशन में हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ थाना अशोक नगर जयपुर में मुकदमा दर्ज कराने गये मुकदमा दर्ज नही किया तो मै वही धरना देकर बैठ गया

		चार दिन तक धरना देकर बैठा रहा उसे लेकर मुझ सहित में 14 समर्थकों के खिलाफ यह मुकदमा दर्ज किया गया।
112ण	12.7.23	महवा के ग्राम अमरपुर निवासी संजय गुर्जर की बदमाशों ने गोली चलाकर हत्या कर दी उसे लेकर मैने महवा मुख्यालय पर धरना दिया आश्वासन के बाद ही धरना समाप्त किया।
113ण	13.7.23	टोडाभीम के ग्राम मोहनपुर की आरती बैरवा के साथ गैंगरेप कर गोली मार कर हत्या कर दी और तेजाब डालकर जला दिया उसके बाद उसे कुएं में डाल दिया उसे न्याय दिलाने के तीन दिन तक हिण्डौनसिटी के सरकारी अस्पताल में धरना दिया और हत्यारों की गिरफ्तारी, आर्थिक सहायता एवं परिजन को सरकारी नौकरी के आश्वासन के बाद धरना समाप्त।
114ण	26.9.23	महवा में भ्रष्टाचार, रिंग रोड एवं पानी, बिजली की समस्या को लेकर आन्दोलन
115ण	3.10.23	सवाईमाधोपुर एक किसान बाबूलाल गुर्जर खेत में काम कर रहा था उसे टाईगर ने मार दिया उसे लेकर मैने सवाईमाधोपुर में धरना दिया तब जाकर सरकार ने 10 लाख रू0, 5 बीघा जमीन, 5 लाख रू0 मैने स्वयं ने 5 लाख, रू0 डेयरी बूथ की सहायता दिलाई।
116ण	22.11.23	शहर सवाईमाधोपुर में मुस्लिम समाज के लोगों ने अपने पडौस में रह रही ब्राहमण समाज की लडकियों के साथ मारपीट कर अभ्रदता की उसका मुकदमा थाना कोतवाली सवाईमाधोपुर में दर्ज नही किया उसे लेकर धरना दिया। अपराधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनके खिलाफ कार्यवाही की तब जाकर धरना समाप्त किया।

.